सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹117077/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹142990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹156087/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 27 मई 2026

कर्मचारी चयन आयोग अब जीएडी के अधीन काम करेगा

कैबिनेट का बड़ा फैसला, छग में भी अब डामर की बढ़ी कीमतों पर मिलेगी क्षतिपूर्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि खास

राज्य कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि सड़क निर्माण कार्यों में 1 अप्रैल के बाद बिटुमिन (डामर) की कीमतों में हुई असाधारण और अप्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए, निर्माण कार्यों में निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से 1 अप्रैल से 30 जून की अवधि के लिए अनुबंधित ठेकेदारों को सीमित एवं आंशिक मूल्य राहत (क्षतिपूर्ति) प्रदान किया जाए। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार की तर्ज पर यह निर्णय लिया है। यह मामला 6 मई को हरिभूमि ने प्रमुखता से उठाया था।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक के निर्णय की जानकारी डिप्टी ▶▶|शेष पेज 8 पर

नेशनल हाईवे की सड़कों के लिए डामर के ज्यादा दाम देने की मंजूरी

30 हजार करोड़ की योजनाओं पर महंगाई की मार, प्रदेश सरकार से राहत का इंतजार

राज्य ने जारी किए निर्देश

भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा भी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए इसी प्रकार की राहत के निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सड़क निर्माण कार्य प्रभावित न हों और विकास कार्यों की गति बनी रहे, जिससे जनता को निर्धारित समय पर सड़क निर्माण कार्यों का लाभ मिल सके।

जनसंख्या में जहां अचानक बदलाव आया वहां की होगी जांच

घुसपैठियों पर तगड़ा वार, एसआईआर के बाद होल्डिंग सेंटर, अब हाईलेवल कमेटी

भारत की सीमाओं पर लंबे समय से चल रही अवैध घुसपैठ के खिलाफ सरकार की लड़ाई अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। पहले चुनाव आयोग की एसआईआर में संदिग्ध नामों की छंटनी हो रही है। घुसपैठियों के लिए होल्डिंग सेंटर बनाए गए। अब केंद्र सरकार ने देश की आबादी में हो रहे असामान्य बदलाव की स्टडी के हाई-लेवल कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी किसी भी इलाके में जनसंख्या में अचानक आए बदलाव की जांच करेगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अवैध घुसपैठ के खिलाफ केंद्र सरकार चरणबद्ध तरीके से इनके खिलाफ एक्शन ले रही है। केंद्र सरकार ने अपने वादे के मुताबिक सीमावर्ती जिलों में हो रहे डेमोग्राफिक बदलाव पर हाई लेवल कमेटी का गठन कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि केंद्र ने अवैध अप्रवासन और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का व्यापक आकलन करने के लिए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में ▶▶|शेष पेज 8 पर

कमेटी के कौन-कौन

समिति की अध्यक्षता न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त) करेंगे और कमेटी में जनगणना आयुक्त के साथ दुर्गा शंकर मिश्रा (सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी), बालाजी श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी) और डॉ. शमिका रवि समिति सदस्य के तौर पर होंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त सचिव (विदेशी-1), गृह मंत्रालय, इस समिति के सदस्य सचिव होंगे।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह बोले– घुसपैठ देश के लिए बड़ी चुनौती

कमेटी क्या काम करेगी

- कमेटी अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसंख्या बदलाव का कारण जानेगी
- धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों के पैटर्न का अनालिसिस करके समाधान भी पेश करेगी

डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट नीति

इस बीच, पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी की सरकार ने घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर करना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार ने हर जिले में बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़कर रखने के लिए होल्डिंग सेंटर को एक्टिवेट कर दिया है। पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ अपनी ▶▶|शेष पेज 8 पर

शाह बोले - सिर्फ बॉर्डर नहीं, 50 किमी तक रखें नजर

इधर, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मंगलवार को भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित बीएसएफ की ऐतिहासिक सांचू पोस्ट पहुंचे। सांचू पोस्ट पहुंचकर अमित शाह ने प्रहरी सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सीमा से लगे 50 किलोमीटर तक किसी भी असामान्य गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाए। उन्होंने बीएसएफ जवानों को निर्देश दिए कि सीमावर्ती गांवों में होने वाले किसी भी अवैध ▶▶|शेष पेज 8 पर

आधा-अधूरे कामों से लोग परेशान, कई इलाकों में काम ठप

डामर की वजह से राजधानी में ही ठप हो गए काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि लाइव

मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष का डामर बिटुमेन आधारित सड़क निर्माण पर असर दिखने लगा है। डामर की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद रायपुर नगर निगम के अनुबंधित ठेकेदारों ने डामर की किल्लत को देखते हुए सड़क निर्माण और डामरीकरण का कार्य करने से हाथ खड़े कर दिए हैं। नगर निगम के लोक निर्माण विभाग के आला अधिकारियों का कहना है, कुछ जगहों पर सड़क निर्माण और डामरीकरण का टेंडर होने और वर्कआर्डर के बाद संबंधित ठेकेदारों ने नगर निगम को पत्र लिखकर दिया है कि वे फिलहाल अभी ▶▶|शेष पेज 8 पर

कबीर चौक से भारत माता चौक सड़क डामरीकरण कार्य पर असर

रायपुर पश्चिम क्षेत्र के रामनगर के कबीर चौक से भारत माता चौक तक 12.50 लाख की लागत से सड़क डामरीकरण का कार्य किया जाना है। वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य भोलाराम साहू ने बताया कि राशि की स्वीकृति मिलने के बाद इस कार्य के लिए अनुबंधित एजेंसी को निगम की ओर से वर्कआर्डर जारी किया जा चुका है, पर डामरीकरण का कार्य अभी शुरू नहीं हुआ। इसी तरह जोन 1 क्षेत्र के वीर शिवाजी वार्ड में खमतराई के पैराडाइज हॉटल से सन्यासी पारा होते हुए संतोषी नगर तक सड़क डामरीकरण का कार्य प्रभावित हुआ है।

भाठागांव से लेकर दंतरेंगा मोड़ तक 3.43 करोड़ का काम

रायपुर नगर निगम जोन 6 क्षेत्र स्थित भाठागांव ब्रिज से दतरेंगा मोड़ तक 3.43 करोड़ की लागत से 1.2 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जा रही है। सड़क का काम मार्च 2026 तक पूरा हो जाना था, लेकिन मई के अंतिम सप्ताह तक सिर्फ एक लेन की सड़क ही बन पाई है। दूसरी लेन अभी भी खराब है। अनुबंधित ठेकेदार ने डामर की किल्लत का हवाला देते हुए सड़क निर्माण का कार्य रोक दिया है। सूत्रों के मुताबिक काम की धीमी रफ्तार को लेकर रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे ठेकेदार को कई बार नोटिस दे चुके हैं। मेसर्स नरेश एंड कंपनी को इस कार्य का ठेका दिया गया है। मार्च में एक लेन तैयार करने के बाद बाजार में डामर की किल्लत और इसकी कीमत बढ़ने से परेशानी का हवाला देते हुए ठेकेदार ने काम रोक दिया है।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
SAAT-2026

Accredited by NAAC with Grade 'A++' | UGC Graded Autonomy(Category-I) | NBA Accredited | ICAR Accredited | NABL Accredited | NABH Accredited
AICTE Approved | NMC Approved | DCI Approved | PCI Approved | BCI Approved | INC Approved | VCI Approved

PROGRAMMES OFFERED

B.TECH PROGRAMMES IN CORE ENGINEERING
Civil Engineering
Electrical Engineering
Mechanical Engineering

B.TECH PROGRAMMES IN ELECTRONICS DESIGN
Electrical and Electronics Engineering
Electronics and Communication Engineering

B.TECH PROGRAMMES IN CORE COMPUTING
Computer Science and Engineering
Computer Science and Information Technology

B.TECH PROGRAMMES IN EMERGING COMPUTING
Computer Science and Engineering (AI and ML)
Computer Science and Engineering (Cyber Security)
Computer Science and Engineering (Data Science)
Computer Science and Engineering (Internet of Things)

M.TECH PROGRAMMES
Structural Engineering
Electric Vehicle Technology
Machine Design and Robotics
Embedded System and VLSI Design
Computer Science and Engineering

M.Sc. PROGRAMMES
Physics
Chemistry
Mathemetics
Biotechnology
Integrated M.Sc. Biotechnology

COMPUTER APPLICATIONS PROGRAMMES
Bachelor of Computer Applications (BCA)
Master of Computer Applications (MCA)

LAW PROGRAMMES
BA. LL.B (H) - Integrated
BBA LL.B (H) - Integrated
LL.B. (H) - 3 Years
LL.M. - 1 Year

MANAGEMENT PROGRAMMES
BBA
MBA
Integrated MBA
MBA (Hospital Administration)
MBA (Artificial Intelligence and Data Science)

HOTEL MANAGEMENT PROGRAMMES
BHMCT (Bachelor of Hotel Management & Catering Technology)
MBA (Hospitality Management)

NURSING PROGRAMMES
B.Sc. (Nursing) (Basic)
B.Sc. (Nursing) (Post Basic)
M.Sc. (Nursing)

AGRICULTURAL PROGRAMMES
B.Sc. (H) Agriculture
M.Sc. Agriculture

PHARMACY PROGRAMMES
B. Pharm
M. Pharm

nirf
National Institutional Ranking Framework 2025
15th in University Category
22nd in Engineering Category
15th in Medical Category
09th in Dental Category
10th in Law Category

Globally Ranked By
QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS

To apply for admission through SAAT,
Visit: www.soa.ac.in

शिवनंदनपुर नपं चुनाव ने बढ़ाया प्रदेश का सियासी पारा, एक मंच पर आए प्रदेश के दिग्गज कांग्रेस नेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

सूरजपुर जिले के बिश्रामपुर में नगर पंचायत शिवनंदनपुर में हो रहे चुनाव ने नौतपा के बीच प्रदेशभर की सियासत को गर्म कर दिया है। कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन पर आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत दर्ज किए गए अपराध को लेकर कांग्रेस ने अब मोर्चा खोलते हुए अनिश्चितकालीन आन्दोलन की शुरुआत कर दी है। इस आन्दोलन ने प्रदेश के बड़े नेताओं पूर्व सीएम भूपेश बघेल और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को एक मंच पर लाकर खड़ा कर दिया है। वर्षों बाद एक बार फिर से कांग्रेस एकजुट नजर आ रही है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठ चुके हैं वहीं पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने आमरण अनशन की शुरुआत कर दी है।

जब एक साथ नजर आए दो दिग्गज: मंगलवार को बिश्रामपुर में एक ऐसा ही नजारा देखने को मिला जो कभी 2018 में चुनाव के दौरान देखने को मिलता था। पूर्व सीएम भूपेश बघेल और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव एक साथ एक मंच पर नजर आए। इतना ही नहीं पहले की तरह पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कार चलाई और पूर्व सीएम श्री बघेल उनकी बगल में बैठे। चुनाव व आन्दोलन के बहाने कांग्रेस पार्टी एकजुट हो गई और सभी कार्यकर्ता एक बार फिर से एक साथ नजर आ रहे थे। एकजुटता को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम श्री सिंहदेव ने कहा कि हम हमेशा से एक साथ है, समय और परिस्थिति अलग अलग कामों की जिम्मेदारी के साथ जोड़कर रखती है इसलिए हर समय एक साथ उपस्थित होना व्यवहारिक रूप से संभव नहीं होता लेकिन हमारा संवाद हमेशा बना रहता है।

पीसीसी अध्यक्ष क्रमिक भूख हड़ताल पर, पूर्व डिप्टी सीएम सिंहदेव आमरण अनशन पर

प्रजातांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए निर्णय : सिंहदेव

अलग खबर

पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि सूरजपुर जिले के शिवनन्दनपुर नगर पंचायत चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के समक्ष जानकारी दी और शिकायत दर्ज कराई की हमारे वरिष्ठ कार्यकर्ता के खिलाफ आर्म्स एक्ट का फर्जी केस दर्ज किया गया है ताकि वे चुनाव प्रचार ना कर पाएं। प्रदेश अध्यक्ष ने सम्बंधित अधिकारियों से संपर्क कर बोला की यदि तथ्य है और गलत काम किया है तो कारवाई करिए, हम कुछ नहीं कहेंगे।

होनी चाहिए निष्पक्ष जांच : बघेल

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में लोकतांत्रिक व्यवस्था को कुचलने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में विपक्ष के नेताओं को बिना ठोस साक्ष्य के गंभीर धाराओं में फंसाया जाए, वहां लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति पर इतना गंभीर आरोप लगाया गया है तो पुलिस को पहले निष्पक्ष जांच करनी चाहिए थी। सीसीटीवी फुटेज देखने के बजाय सीधे आर्म्स एक्ट लगा दिया गया। यह न्याय नहीं, राजनीतिक प्रतिशोध है। भाजपा प्रशासन का उपयोग विपक्ष को डराने के लिए कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि कांग्रेस हर स्तर पर संघर्ष करेगी और किसी भी कार्यकर्ता को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।

खबर संक्षेप

कोलेंग घाटी में ट्रक पलटने से एक की मौत

जगदलपुर। दरभा थाना क्षेत्र के कोलेंग नाला में मंगलवार दोपहर ट्रक पलटने से सवार दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। एक मजदूर की उपचार के दौरान मौत हो गई वहीं दूसरे का उपचार जारी है। जानकारी के मुताबिक वन विभाग द्वारा लकड़ी के गोले छिंदगुर से जगदलपुर लाया जा रहा था। तभी कोलेंग व कोलेग नाला के मध्य ट्रक अनियंत्रत हो कर पलट गया। हादसे की जानकारी लगते ही दरभा टीआई चाणक्य नाग, नानगुर टीआई गणेशराम यादव व सीआरपीएफ की टीम मौके पर पहुंच रेस्क्यू करते हुए घायलों को बाहर निकाला और उपचार के लिए डिमरापाल मेडिकल कालेज रवाना किया। हादसे में परपा थाना क्षेत्र के तरईगुड़ा निवासी उमेश बघेल व मिट्ठू बघेल गंभीर रूप से घायल हो गए। दरभा टीआई ने बताया कि उपचार के दौरान उमेश बघेल की मौत हो गई जबकि मिट्ठू बघेल का उपचार जारी है। जानकारी के मुताबिक वन विभाग द्वारा कोलेंग से लगे छिंदगुर के जगंल से लकड़ी लोड कर जगदलपुर लाया जा रहा था तभी हादसा हुआ। एक मजदूर की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

बकरीद अवकाश अब 28 मई को

रायपुर। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पहले बकरीद के लिए 27 मई बुधवार को अवकाश घोषित किया गया था, जिसे बदलकर अब 28 मई गुरुवार कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य उर्दू अकादमी के अध्यक्ष इदरीस गांधी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस संबंध में मांग की थी। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि विभाग की पूर्व अधिसूचना 6 नवंबर 2025 में वर्ष 2026 के लिए घोषित सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाशों की सूची में बकरीद के लिए 27 मई का अवकाश निर्धारित था। अब राज्य शासन ने आंशिक संशोधन करते हुए 28 मई को सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया है। इस निर्णय के बाद राज्य के सभी शासकीय कार्यालय, स्कूल-कॉलेज और अन्य सरकारी संस्थान 28 मई को बंद रहेंगे।

वक्फ बोर्ड का फरमान सड़क पर न हो नमाज

रायपुर। प्रदेश में गुरुवार को बकरीद को लेकर प्रदेशभर की मजिस्दों में नमाज की तैयारी चल रही है। इस बीच छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने एक बार फिर आदेश जारी किया है कि किसी भी हाल में किसी भी शहर की मजिस्द में नमाज के समय सड़क पर कोई भी नमाज पढ़ता नहीं मिलना चाहिए। अगर किसी मजिस्द में नमाज पढ़ने वालों की संख्या ज्यादा है, तो एक, दो या फिर तीन बार में नमाज की व्यवस्था की जाए। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राज का कहना है कि किसी भी हाल में इबादत के लिए किसी को परेशान नहीं करना ही मकसद है। उन्होंने बताया कि कई बार यह देखा गया है कि नमाज के समय किसी मजिस्द में ज्यादा संख्या में नमाजियों के होने के कारण मजिस्द के बाहर सड़क पर भी बैठकर मजबूरी में नमाजियों को नमाज पढ़नी पड़ती है।

छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ ने परिवहन मंत्री केदार कश्यप के सामने रखी मांग

पेट्रोल-डीजल महंगे होने का साइड इफेक्ट बसों का किराया 50 फीसदी बढ़ाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफे का असर दिखने लगा है। छत्तीसगढ़ में बस मालिकों ने किराया 50 फीसदी तक बढ़ाने की मांग की है। छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ ने परिवहन मंत्री केदार कश्यप से मंगलवार को मुलाकात कर पेट्रोल, डीजल के साथ ही बसों की कीमत में इजाफा होने का हवाला देते हुए किराया बढ़ाने की मांग रखी है। इधर लंबी दूरी का माल भाड़ा अभी नहीं बढ़ा है लेकिन लोकल मालभाड़ा सौ से दो सौ रुपए तक बढ़ा दिया गया है।

महासंघ के सईद अनवर अली ने बताया सामान्य बसों का किराया 50 फीसदी बढ़ाने की मांग इसलिए की गई है क्योंकि बीते साल मार्च में प्रदेश सरकार की अधिसूचना में बसों के किराए में भूलवश 25 फीसदी की कमी कर दी गई थी। उन्होंने बताया, उच्च न्यायालय ने किराया राउंड फिगर में करने के लिए कहा था। इसका मतलब यह था कि अगर कहीं का किराया 12.50 रुपए है तो उसको 15 रुपए कर दिया जाए और कहीं का 11 या 12 रुपए है तो उसको दस रुपए कर दिया जाए। लेकिन इसके स्थान किराया 25 फीसदी कम कर दिया गया। इसकी वजह से बीते एक साल से बस संचालकों को बहुत परेशानी हो रही है। पुराना जो 25 फीसदी किराया कम किया गया था, वो और नया पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने के साथ बसों की कीमत बढ़ने के कारण परेशानी हो रही है, उसको देखते हुए 25 फीसदी और किराया बढ़ाने की मांग रखी है। ऐसे में कुल किराया 50 फीसदी बढ़ाने की मांग है। उन्होंने बताया वैसे भी सितंबर 2021 के बाद से बसों का किराया बढ़ा नहीं है। प्रतिनिधि मंडल में सईद अनवर अली, अमरजीत सिंह चहल, खेमराज साहू, मोहम्मद अकरम खान, विकम साहू, राजेश देवांगन, संतोष साहू, ललित विश्वकर्मा, लोकेश्वर सिंह राजपूत, सुमित ताम्रकार, सिकंदर सिंह, शोएब अली, राजेश देवांगन, ललित विश्वकर्मा एवं प्रदेश के सभी जिलों से आए बस संचालक शामिल थे।

लोकल माल भाड़ा बढ़ा

राजधानी रायपुर में कई राज्यों से सब्जी, अनाज, किराना सामानों के साथ आलू और प्याज आते हैं। कारोबारियों के मुताबिक इस समय गर्मी के कारण बाजार में मंदी का दौर चल रहा है। ऐसे में लंबी दूरी का किराया नहीं बढ़ा है, लेकिन लोकल किराया सौ से दो सौ रुपए प्रति टन पर बढ़ा है। आने वाले समय में जैसे ही बाजार में डिमांड में इजाफा होगा तो ट्रक संचालक माल भाड़ा बढ़ा सकते हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन का निज सहायक बन विधायक पुरंदर से 10 हजार की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर उत्तर के भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा से 10 हजार रुपए की ठगी हो गई। एक अज्ञात आरोपी ने खुद को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का निजी सहायक बताते हुए विधायक के मोबाइल वाट्सप नंबर पर मैसेज भेजकर पैसों की मदद की मांग की।

विधायक ने मैसेज देखकर जब उस नंबर पर कॉल किया तो ठग ने संबलपुर के बीच जंगल में गाड़ी का डीजल खत्म होने के कारण अपने परिवार सहित फंसे होने की जानकारी देते हुए 5 हजार रुपए की मदद मांगी, जिसे सही मानकर विधायक ने तत्काल आरोपी के भेजे गए खाता नंबर पर 10 हजार रुपए भेज दिए। विधायक के साथ हुई ठगी की घटना की रिपोर्ट खम्हारडीह थाना में दर्ज कराई गई है। विधायक पुरंदर मिश्रा ने हरिभूमि से बातचीत में बताया कि रविवार दोपहर को उनके मोबाइल वाट्सप नंबर पर एक मैसेज आया था। जिस नंबर से मैसेज आया था, उसके नंबर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का निजी सहायक लिखा हुआ था। पार्टी के प्रशिक्षण शिविर में होने के कारण वे मैसेज देख नहीं पाए थे। शाम को जब वे घर पहुंचे, तो मैसेज देखने के बाद उन्होंने तत्काल उस नंबर पर कॉल किया।

नंबर उठाने वाले व्यक्ति ने खुद को राष्ट्रीय अध्यक्ष का निजी सहायक बताते हुए कहा कि वह अपने परिवार के साथ संबलपुर से भुवनेश्वर जा रहा है। लेकिन संबलपुर के पास जंगल में उसकी गाड़ी का डीजल खत्म हो गया है, उसे डीजल भराने के लिए 5 हजार रुपए की आवश्यकता है। पैसे नहीं मिलेंगे, तो उसका परिवार भुवनेश्वर नहीं जा पाएगा। ठग ने पैसे मांगते समय राजनीतिक पहचान का हवाला देते हुए विधायक को अपने झांसे में लिया।

विधायक ने भी मोबाइल पर उसकी परेशानी सुनकर तत्काल उसके बताए खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए। विधायक ने अपनी दरियादिली दिखाते हुए 5 हजार की जगह 10 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए, ताकि रास्ते में जरूरत पड़ने पर उसे दोबारा मदद मांगनी नहीं पड़े।

नेशनल हाईवे पर कार से 65 लाख से अधिक नकदी बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

पुलिस ने रायपुर–जगदलपुर नेशनल हाईवे–30 पर चेकिंग के दौरान कार से बालोद के एक व्यापारी से 65 लाख रुपए से अधिक कैश बरामद किया गया। व्यापारी केशकाल से झोले में कैश लेकर आ रहे थे। पुलिस पड़ताल के दौरान व्यापारी स्थल पर उसका वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। मामला पुरुर थाना इलाके का है। नोटो को गिनने में पुलिस को घंटों लग गए। जानकारी के मुताबिक, कार केशकाल से बालोद की ओर आ रही थी। पुलिस ग्राम मरकाटोला के पास वाहन की जांच की, जहां कार में रखे दो अलग–अलग झोलों से 500–500 रुपए की नई करेंसी मिली। रकम की मात्रा अधिक होने पर पुलिस ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। बताया जा रहा है कि कार में शहर के व्यापारी अमित जैन थे। पुरुर थाना प्रभारी जोगेंद्र साहू ने बताया कि जांच के दौरान वाहन से करीब 65 लाख रुपए कैश बरामद किए गए हैं।

- केशकाल से बालोद ला रहे थे रकम

व्यापारी से पूछताछ जारी, दस्तावेज नहीं मिलने पर जब्ती कार्रवाई

प्रशासन व आयकर विभाग को दी सूचना

पुलिस के अनुसार, संदिग्ध युवक अब तक रकम से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया है। इसके चलते पूरी राशि को जब्त कर लिया गया है। मामले की सूचना एसडीएम, तहसीलदार और आयकर विभाग को भी दी गई। फिलहाल पुलिस जब्त रकम को आगे की जांच के लिए आयकर विभाग को सौंपने की तैयारी कर रही है। वहीं यह पता लगाने की कोशिश जारी है कि इतनी बड़ी नकदी कहां से लाई जा रही थी और इसका इस्तेमाल किस उद्देश्य के लिए होना था।

खदानें बंद, अब अवैध भंडारण की गई रेत का परिवहन शुरू

5 हाईवा सहित 6 गिट्टी से भरे वाहन भी जब्त

रायपुर। रायपुर जिले में खनिज विभाग के राज्य एवं जिला उड़नदस्ता की टीम लगातार खनिज सामग्री के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर कार्रवाई कर रही है। इसके तहत जिलेभर की सभी रेत खदानों को बंद करा दिया गया है, जिसमें 6 वैध खदानें भी शामिल हैं। इन खदानों के बंद होने के बाद अब रेत माफिया नेअवैध रूप से भंडारण की गई रेत का परिवहन शुरू कर दिया है। इसके तहत सोमवार रात को गश्त के दौरान उड़नदस्ता टीम ने रेत से भरे 5 हाईवा को अवैध रूप से परिवहन कर ले जाते पकड़ा है। इन गाड़ियों को खरोरा तहसील क्षेत्र में पकड़ा है।

खनिज विभाग के जिला अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार जिले में खनिज सामग्री के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए टीम लगातार दिन और रात में गश्त पर निकल रही है। जिला सहायक खनिज अधिकारी उमेश भार्गव के नेतृत्व में निकली टीम 25 मई की रात में खरोरा और मंदिर हसौद क्षेत्र के निरीक्षण पर निकली थी। इस दौरान खरोरा क्षेत्र में रेत से भरे 5 हाईवा को पकड़ा गया। इन गाड़ियों के चालक से पूछताछ पर उनके पास कोई रायल्टी पर्ची नहीं मिली। इसी प्रकार मंदिर हसौद क्षेत्र में गिट्टी से भरे 2 हाईवा गाड़ी को पकड़कर पूछताछ की गई। इन दोनों गाड़ी चालकों के पास भी रायल्टी पर्ची नहीं मिली। इस तरह इन सभी गाड़ियों को जब्ती बनाकर संबंधित थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

पिरदा जांच चौकी के पास गिट्टी से भरी 4 गाड़ी पकड़ाई

खनिज विभाग की टीम मंगलवार को भी निरीक्षण करने निकली थी। इस दौरान पिरदा जांच चौकी के पास गिट्टी से भरी चार गाड़ियों को पकड़ा गया। इनमें से किसी गाड़ी चालक के पास गिट्टी परिवहन करने की रायल्टी पर्ची नहीं थी। टीम ने इन चारों गाड़ियों को भी जब्ती बनाया है।

जुर्माना राशि लगाकर छोड़ी जा रही गाड़ियां

जब्त की गई सभी गाड़ियों के मालिकों पर जुर्माना लगाया जा रहा है। रेत से भरे हाईवा मालिक पर 28 हजार रुपए तथा गिट्टी से भरे हाईवा मालिक पर 33 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जा रहा है। इस तरह दो दिन में कुल जब्त की गई 11 हाईवा मालिकों के खिलाफ कुल 3 लाख 38 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना राशि अदा करने के बाद ही गाड़ियों को छोड़ा जाएगा।

भाजपा को जल्द मिलेगा नया प्रदेश प्रभारी, नवीन की कार्यकारिणी में भी छत्तीसगढ़ को मिलेगी अहमियत

रायपुर। भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन अब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। जल्द ही प्रदेश भाजपा संगठन को नया प्रदेश प्रभारी मिलने वाला है। इसी के साथ नितिन नवीन की नई कार्यकारिणी में भी छत्तीसगढ़ को बहुत अहमियत मिलने वाली है। छत्तीसगढ़ के किसी एक नेता को महामंत्री का पद मिलना लगभग तय है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी तय करने की कवायद चल रही है। जल्द ही इसका ऐलान होगा। वैसे भी छत्तीसगढ़ को हमेशा से राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महत्व मिलता है। एक बार सरोज पांडेय महामंत्री रह चुकी हैं। इस समय सरोज पांडेय के साथ लता उसेंडी उपाध्यक्ष हैं। छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद से ही छत्तीसगढ़ को हमेशा भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में कोई न कोई पद मिलता रहा है। छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह से लेकर सभी राष्ट्रीय नेता बहुत अहमियत देते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्षों का भी छत्तीसगढ़ से लगाव रहा है। छत्तीसगढ़ के लिए यह सौभाग्य की बात है कि भाजपा के इस बार के नए अध्यक्ष नितिन नवीन भी छत्तीसगढ़ के प्रभारी हैं। इसके पहले राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा भी छत्तीसगढ़ के प्रभारी रहे और वे भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। इनके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर छत्तीसगढ़ को महत्व भी मिला। नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद प्रदेश के कई नेताओं को बंगाल, असम के चुनाव में अहम जिम्मेदारी दी गई थी। छत्तीसगढ़ के नेताओं ने वहां पर कमाल भी किया है। अब ऐसे नेताओं को उनकी मेहनत का इनाम देने की तैयारी है।

सरोज रही हैं महामंत्री

सरोज पांडेय प्रदेश की एकमात्र नेत्री हैं जो राष्ट्रीय महामंत्री रही हैं। वह भाजपा की राष्ट्रीय महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रही हैं। करुणा शुक्ला भी राष्ट्रीय महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहने के साथ ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रही हैं। रामविचार नेताम जहां अजजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं, वहीं वे राष्ट्रीय महामंत्री भी रहे हैं। इस समय सरोज पांडेय और लता उसेंडी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। एक समय में राष्ट्रीय संगठन में डॉ. रमन सिंह, सरोज पांडेय और लता उसेंडी तीन उपाध्यक्ष थे। 2023 में विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद जब प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी और डा. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष बने तो उन्होंने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दिया। इस समय धरमलाल कौशिक और अजय चंद्राकर राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य हैं। अब नितिन नवीन की नई कार्यकारिणी में भी प्रदेश के नेताओं को अहमियत मिलेगी। श्री नवीन प्रदेश के हर नेता के बारे में जानते हैं, ऐसे में वे किसी भी नेता को बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं।

नए चेहरों को मिलेगा मौका- श्री नवीन की टीम में प्रदेश के नए चेहरों को मौका मिल सकता है। प्रदेश के कई नेता श्री नवीन के करीबी हैं। बंगाल चुनाव में जहां एक तरफ प्रदेश के कई नेताओं को कमान दी गई थी, वहीं प्रदेश के सौरभ सिंह और राम गर्ग को नितिन नवीन की टीम में स्थान मिला था। डिप्टी सीएम विजय शर्मा को तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सभी कार्यक्रमों की कमान भी दी गई थी। यह इस बात का सबूत है कि प्रदेश के नेताओं को राष्ट्रीय संगठन में कितनी अहमियत दी जाती है। अब देखना होगा कि श्री नवीन की टीम में किनको मौका दिया जाता है।

निकायों में टेंडर से लेकर भुगतान तक के लिए निर्देश जारी

नगरीय निकायों में लागत से दस प्रतिशत कम पर ठेका लिया तो देनी पड़ेगी परफारमेंस गारंटी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सभी नगरीय निकायों, नगर निगम, पालिका और नगर पंचायतों में होने वाले कार्यों के ठेके के लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने निर्देश जारी किए हैं। अगर किसी ठेकेदार ने ठेके की मूल लागत से दस प्रतिशत कम (बिलो रेट) पर ठेका हासिल कर लिया, तो उसे परफारमेंस गारंटी देनी होगी। यही नहीं, कार्य का भूमिपूजन होने के तीन दिनों बाद से काम शुरू करना होगा।

- भूमिपूजन के तीन दिन बाद से काम शुरू करना होगा

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इस संबंध में राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को टेंडर से लेकर भुगतान तक की व्यवस्था को लेकर नए निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश में नगर निगमों, नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों को निर्माण कार्यों की पूरी प्रक्रिया, प्रस्ताव तैयार करने से लेकर अंतिम भुगतान तक तय नियमों के तहत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कम दर पर टेंडर लेने वालों से परफॉर्मेंस गारंटी

इस संबंध में कहा गया है कि निविदाकार को अनुमानित लागत से 10 प्रतिशत से कम निविदा दर होने पर सफल निविदाकार को निविदा दर एवं अनुमानित लागत के 90 प्रतिशत के अंतर की राशि के बराबर परफॉरमेंस गारंटी के रूप में राष्ट्रीयकृत बैंक का एफडीआर, पोस्ट ऑफिस टर्म डिपॉजिट एनएससी जो कि संबंधित निकाय के आयुक्त, या सीएमओ के नाम से देय होगा, मांग की तारीख से तय समयावधि में जमा कराना होगा। सरकार का मानना है कि इससे बेहद कम दर पर काम लेने के बाद गुणवत्ता से समझौता करने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी।

तकनीकी-प्रशासनिक स्वीकृति के लिए जवाबदेही

निर्देशों के मुताबिक निर्माण कार्यों की तकनीकी स्वीकृति निर्धारित सीमा के अनुसार सहायक अभियंता, कार्यपालन अभियंता, अधीक्षण अभियंता और मुख्य अभियंता स्तर पर दी जाएगी। वहीं प्रशासनिक स्वीकृति की वित्तीय सीमा नगर निगमों और नगर पालिका परिषदों की जनसंख्या के आधार पर तय की गई है। जिन मामलों में राशि निकाय की वित्तीय सीमा से अधिक होगी, वहां राज्य शासन की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य होगी।

हर टेंडर के लिए समय तय

निर्देशों में कहा गया है कि निविदा जारी होने और आवेदन प्राप्त होने के बीच न्यूनतम समय अवधि तय रहेगी। पहली निविदा के लिए 20 दिन, दूसरी के लिए 15 दिन और तीसरी के लिए 10 दिन का समय दिया जाएगा। ई-टेंडरिंग को बढ़ावा देते हुए 10 लाख रुपये से अधिक की सभी निविदाओं को अनिवार्य रूप से ई-टेंडर के जरिए जारी करने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि टेंडर फॉर्म हाथों-हाथ देने की व्यवस्था पूरी तरह बंद की जाएगी और आवेदन केवल रजिस्टर्ड डाक माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे।

इसके बिना कोई प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ेगा

सरकार ने साफ किया है कि किसी भी निर्माण कार्य का प्रस्ताव तैयार करने से पहले स्थल निरीक्षण अनिवार्य होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि भूमि किसी विवाद में न हो। विभाग ने यह भी कहा है कि ड्राइंग, डिजाइन और एसओआर का स्पष्ट उल्लेख किए बिना कोई प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता पर जोर

सरकार ने निविदा प्रक्रिया को लेकर भी कई सख्त प्रावधान लागू किए हैं। टेंडर दस्तावेजों में कार्यस्थल, अनुमानित लागत, अमानत राशि, ठेकेदार की श्रेणी और समय-सीमा का उल्लेख अनिवार्य किया गया है। साथ ही अमानत राशि और ठेकेदारों की पात्रता को लेकर अलग-अलग वित्तीय मानक तय किए गए हैं।

भूमिपूजन के 3 दिन बाद काम शुरू करना होगा

राज्य सरकार ने अनुबंध प्रक्रिया को भी समयबद्ध बनाया है। निविदा स्वीकृत होने के बाद अधिकतम 15 दिनों के भीतर अनुबंध करना होगा और अनुबंध के उसी दिन कार्यादेश जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। भूमि पूजन के तीन दिनों के भीतर काम शुरू कराना भी अनिवार्य किया गया है। निर्माण कार्य के दौरान लागत बढ़ने की स्थिति में पुनरीक्षित तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। इसके लिए मूल और संशोधित लागत का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करना होगा ।तीन करोड़ से बड़े प्रोजेक्ट में ही 'एस्केलेशन'सरकार ने स्पष्ट किया है कि तीन करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले कार्यों में ही पेट्रोलियम उत्पादों और मजदूरी दरों में बदलाव के आधार पर एस्केलेशन का लाभ दिया जाएगा।

मार्च से मई गर्मी का सीजन, बीमार होकर 63851 मरीज पहुंचे अस्पताल

राजनांदगांव में 44 से 46 डिग्री की गर्मी, इसलिए बीमार भी ज्यादा लोग हुए

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

भीषण गर्मी की चपेट में छत्तीसगढ़, हीट स्ट्रोक के 454 मामले
आधे से ज्यादा केस के साथ रेड जोन में राजनांदगांव शहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

भीषण गर्मी की चपेट में आ चुके छत्तीसगढ़ में आम जनजीवन को ग्रीष्म लहर ने बुरी तरह प्रभावित किया है। आसमान से आग की तरह बरसती गर्मी के बीच राज्य में हीट स्ट्रोक के 454 संदिग्ध केस सामने आए हैं। गंभीर बात यह है कि कुल आंकड़ों का पचास फीसदी मामला राजनांदगांव से संबंधित है, जिसे स्वास्थ्य विभाग ने रेड जोन में रखा है। इस बार गर्मी के सीजन में बीमार होकर अस्पताल पहुंचने वालों की संख्या 63851 है। जानकारों का तर्क है कि नांदगांव राज्य का सबसे गर्म जिला है, वहां का तापमान 44 से 46 डिग्री दर्ज किया जा रहा है, इसलिए लोग ज्यादा बीमार पड़ रहे हैं। ▶▶|शेष पेज 8 पर

रायपुर, दुर्ग, गरियाबंद में भी केस

गर्मी का ज्यादा प्रभाव राज्य के मैदानी जिलों में है। राजनांदगांव का आंकड़ा काफी अधिक है, मगर लू लगने की वजह से बीमार होकर अस्पताल पहुंचने वालों में रायपुर, दुर्ग और गरियाबंद के भी काफी लोग शामिल हैं। रायपुर जिले में भी आंबेडकर अस्पताल, जिला अस्पताल के साथ विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बड़ी संख्या में लोग लू जैसे लक्षणों के साथ इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। राहत की बात यह है कि प्रदेश में लू लगने की वजह से मौत नहीं हुई है।

स्ट्रोक के संदिग्ध केस

राजनांदगांव	225
रायपुर	48
गरियाबंद	38
दुर्ग	30
जशपुर	28
रायगढ़	20
बेमेतरा	13
बीजापुर	12

ओपीडी में मरीज पर भर्ती नहीं

अस्पतालों की ओपीडी में तो बढ़ी संख्या में इलाज के लिए मरीज पहुंच रहे हैं मगर उन्हें बनाए गए लू वार्डों में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी है। राज्य के तमाम मेडिकल कालेजों में लू के पृथक वार्ड बनाए गए हैं। रायपुर, राजनांदगांव समेत अन्य जिला अस्पतालों में बॉथ टब और बर्फ मशीन की सुविधा वाले वार्ड तैयार किए गए हैं। इसके अलावा अन्य स्वास्थ्य केंदग्रों में भी इस तरह के इंतजाम है जिसकी जरूरत मरीजों को नहीं पड़ी है।

लू से बचने क्या सावधानी जरूरी

1. दोपहर 12 से 4 बजे तक बिना किसी जरूरी काम के सीधे धूप में निकलने से बचें।
2. प्यास न भी लगे, तो भी लगातार पानी, ओआरएस घोल, नींबू पानी या छाछ पीते रहें।
3. बाहर निकलते समय शरीर को सूती और हल्के रंग के कपड़ों से ढककर रखें, सिर पर टोपी या स्कार्फ जरूर बांधें।

सावधानी बरतना जरूरी

तेज गर्मी के बीच घरों एवं दफ्तरों से बाहर निकलने के दौरान सावधानी बरतना जरूरी है। राज्य में हीट स्ट्रोक के केस सामने आए, मगर स्थिति गंभीर नहीं है। प्रभावितों के इलाज के लिए तमाम अस्पतालों में पर्याप्त इंतजाम किया गया है।

- डा. स्मृति देवागंन, राज्य नोडल अफसर, राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्यकम

सीएम साय ने भाजपा अध्यक्ष से की मुलाकात

छत्तीसगढ़ के विकास को गति देने पर हुई चर्चा

एक्स पर पोस्ट की जानकारी

श्री साय ने एक्स पर पोस्ट कर इस बात की जानकारी साझा की है। श्री साय ने लिखा है कि नई दिल्ली प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से आत्मीय भेंट हुई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने दो दिवसीय दिल्ली दौरे के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर प्रदेश के विकास और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर अहम चर्चा की। इस दौरान उन्होंने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से भेंट कर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री साय ने मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए तस्वीरें भी पोस्ट कीं। उन्होंने लिखा कि संगठनात्मक विषयों, छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति देने तथा गरीब, किसान, युवा और मातृशक्ति के कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने नितिन नबीन को छत्तीसगढ़ आने का दिया न्योता

उल्लेखनीय है कि सीएम श्री साय ने सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की थी। मुलाक़ात में दोनों मुख्यमंत्रियों ने सुशासन को मजबूत करने, नागरिक सेवाओं के विस्तार और शहरी विकास की गति बढ़ाने पर जोर दिया। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने राज्य में चल रही प्रमुख विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। दोनों नेताओं ने माना कि पारदर्शी प्रशासन और बेहतर सुविधाएं ही जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती हैं।

आईएमडी का अनुमान, उत्तर और पश्चिमी भारत में होगी बारिश

मॉनसून समय से पहले नहीं देगा दस्तक पर कल से हो सकती है राहत की बौछार!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिण पश्चिमी मॉनसून अपनी पहली संभावित तारीख पर केरल में दस्तक नहीं देगा। अब साफ हो गया है कि मॉनसून 26 मई को नहीं आ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, केरल में मॉनसून अपने सामान्य समय पर ही आएगा। इधर, देश में नौतपा शुरू हुए दो दिन बीत रहे हैं और भयंकर गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। इस बीच, मौसम विभाग ने जल्द ही गर्मी से राहत मिलने की संभावना जताई है।

देश में सबसे पहले केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून दस्तक देता है। आईएमडी ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में मॉनसून दक्षिण पश्चिम और दक्षिण पूर्व अरब सागर, कामोरिन क्षेत्र, दक्षिण पश्चिम, दक्षिण पूर्व और पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के बाकी हिस्सों में आगे बढ़ सकता है। इसके लिए स्थितियां अनुकूल है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि मॉनसून दो से तीन दिनों में केरल नहीं पहुंच रहा है।

■ नौतपा के दो दिन बीते, गर्मी ने लोगों का किया जीना मुहाल

आईएमडी के मुताबिक 28 मई से उत्तर और पश्चिमी भारत में बारिश का सिलसिला शुरू हो सकता है और तापमान में कमी आ सकती है। वैसे तो नौतपा दो जून तक चलने वाला है, हालांकि बीच में ही लू और भयंकर गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। ▶▶|शेष पेज 8 पर

एक जून को ही मॉनसून देगा दस्तक

सामान्य तौर पर मॉनसून एक जून को केरल में दस्तक देता है। आईएमडी समेत कई मौसम एजेंसियों ने यह दावा किया था कि मॉनसून समय से पहले इस बार भारत में दस्तक दे सकता है। इस बीच केरल और माहे में कुछ जगहों पर 11 से 20 सेंटीमीटर, तमिलनाडु, पुडुचेरी और करिकल सब हिमालयन वेस्ट बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में 7 से 11 सेंटीमीटर तक बारिश हुई है।

कब-कहां होगी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 26 से 28 तारीख तक बारिश की संभावना है। इसके अलावा झारखंड और गंगीय पश्चिम बंगाल में 26 से 30 मई तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 26 और 27 तारीख को बिहार के भी कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में 28 और 29 तारीख को बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 28 और 29 मई को पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी मध्यम बारिश की संभावना है।

यूपी और मप्र में कल से राहत की उम्मीद

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 28 मई से यूपी को भी गर्मी से राहत मिल सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 29 मई से बारिश का सिलसिला शुरू हो सकता है। इसके अलावा हवाओं की गति 70 से80 किलोमीट प्रतिघंटे तक हो सकती है। मध्य प्रदेश में भी 29 से 31 तारीख के बीच हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है।

इधर, आंधी बारिश से उत्तरप्रदेश में छह की मौत

उत्तरप्रदेश के गोंडा, लखीमुपर, बस्ती, शाहजहांपुर और सीतापुर में गर्मी के बीच सोमवार रात आंधी-तूफान चला। इससे जुड़े हादसों में बच्चे समेत 6 की मौत हो गई है। बात मानसून की करें तो यह पिछले तीन दिन से केरलम के तट से 30-35 किमी दूर अटका है। प्री-मानसून के चलते केरलम के तटीय इलाके, तमिलनाडु और कर्नाटक में बारिश हो रही है।

भट्टी की तरह तप रहे देश के ये शहर

उत्तर और मध्य भारत के कई राज्य इस समय भट्टी की तरह तप रहे हैं। उत्तर प्रदेश के बांदा का अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं महाराष्ट्र के ब्रह्मपुरी का तापमान 47.6 डिग्री पर पहुंच गया।

व्यापारी की गोली मारकर हत्या, जेवर से भरा बैग लेकर भागे तीन नकाबपोश

कोटमी साप्ताहिक बाजार में वारदात से मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर/पेंड्रा

मंगलवार की शाम कोटमी के साप्ताहिक बाजार में सामान समेट रहे सराफा व्यापारी की गोली मारकर हत्या करने के बाद तीन नकाबपोश जेवरात से भरा बैग लेकर भाग गए। गोलीकांड के बाद बाजार में भगदड़ मच गई। देर रात तक पुलिस नाकाबंदी कर नकाबपोशों की पतासाजी में लगी रही। समाचार लिखे जाने तक नकाबपोशों का सुराग नहीं लग पाया था।

मृतक प्रदीप सोनी

पुलिस के अनुसार पेंड्रा निवासी प्रदीप सोनी सोने चांदी के व्यापारी थे। मंगलवार को वे कोटमी के साप्ताहिक बाजार में दुकान लगाकर बैठे हुए थे। शाम 7 बजे ज्वेलरी समेट कर बैग में रख लिए और अन्य सामान समेट रहे थे। इसी दौरान पल्सर बाइक से तीन नकाबपोश आए और श्री सोनी से जेवरात से भरा बैग लूटने की कोशिश करने लगे। श्री सोनी बैग पकड़कर तीनों से भिड़ गए और उनके बीच हाथापाई शुरू हो गई। इसी दौरान नकाबपोशों ने उन पर फायरिंग कर दी। जिससे श्री सोनी खून से लथपथ होकर गिर गए। उसके बाद नकाबपोश जेवरात ▶▶|शेष पेज 8 पर

आईजी पहुंचे मौके पर

सराफा व्यापारी की गोली मारकर हत्या की खबर मिलते ही आईजी रामगोपाल गर्ग बिलासपुर से जीपीएम के लिए रवाना हो गए। देर रात उन्होंने मौके का निरीक्षण कर प्रभारी एसपी से घटना की जानकारी ली और नकाबपोशों को पकड़ने का निर्देश दिया है।

चौक पर लाश रखकर चक्काजाम

सराफा व्यापारी प्रदीप सोनी की हत्या के बाद शहर में हालात तनावपूर्ण है। हत्या के विरोध में परिजन और व्यापारियों ने मृतक की लाश को दुर्गा चौक में रखकर चक्काजाम शुरू कर दिया है। मौके पर भारी भीड़ जुटी हुई है और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की जा रही है। स्थिति को संभालने के लिए एसपी अविनाश मिश्रा खुद मौके पर पहुंचे और परिजन को समझाने में जुटे हैं। वहीं घटना के विरोध में सराफा व्यापारी संगठन और अन्य व्यापारी संगठनों ने कल गौरेला-पेंड्रा बंद का ऐलान किया है।

जांच जारी

साप्ताहिक बाजार में सराफा व्यापारी को गोली मारी गई। डाक्टरों ने व्यापारी को मृत घोषित किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। मामले की जांच की रही है।

-शनिप रात्रे, थाना प्रभारी, गौरेला

की जा रही आरोपियों की तलाश

व्यापारी ने साप्ताहिक बाजार में जेवरों की दुकान लगाई थी। शाम 7 बजे सामान समेट रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन नकाबपोश आए और गोली मारकर व्यापारी की हत्या कर जेवर लूटकर भाग गए हैं। नकाबपोशों की तलाश की जा रही है। -अविनाश मिश्रा, प्रभारी एसपी, जीपीएम

मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने की बात

थाना परिसर में लगे टॉवर पर चढ़ी युवती ने लगाई फांसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

कुनकुरी थाना परिसर में सोमवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 22 वर्षीय युवती ने टॉवर पर चढ़कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान सीमावर्ती ग्राम धुमाडांड निवासी नीलिमा लकड़ा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही थाना परिसर में परिजनों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई, जिससे माहौल गमगीन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच हुई। टॉवर की ऊंचाई अधिक होने के कारण पुलिस, नगर सेना और एसडीआरएफ की टीमों ने काफी मशक्कत के बाद शव नीचे उतरा। करीब 3 ▶▶|शेष पेज 8 पर

हर एंगल से हो रही जांच

हालांकि मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस किसी भी एंगल को नजरअंदाज नहीं कर रही है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। थाना परिसर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में हुई इस घटना से पूरे कुनकुरी क्षेत्र में शोक और सनसनी का माहौल है।

रूपनारायण के निधन से शोक की लहर

भाजपा प्रशिक्षण शिविर में योग आयोग के अध्यक्ष को हार्टअटैक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया है। बिलासपुर के तिफरा में सोमवार को भाजपा जिला संगठन की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हुआ था। प्रशिक्षण शिविर में मौजूद नेताओं ने बताया कि दोपहर को उन्हें थोड़ा असहज महसूस हुआ और तेजी से पसीना निकला, नेताओं ने उन्हें दूसरे कमरे में ले जाकर आराम करने कहा तब तक उनकी हालत और बिगड़ने लगी, सूचना पर सिम्स से एंबुलेंस पहुंची और उन्हें दाखिला कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनके दिवंगत होने की जानकारी दी।

सिन्हा को साय सरकार में कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त था। उनके निधन की खबर से भाजपा और राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। वे तिफरा में भाजपा के 2 दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यक्रम में थे इसी ▶▶|शेष पेज 8 पर

लाल किला कार विस्फोट मामले में खुलासा

नकली पहचान से खरीदे थे विस्फोटक रसायन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किला कार विस्फोट मामले के मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी विस्फोट में मारा गया था। एनआईए की जांच में पता चला है कि उमर ने विस्फोटक तैयार करने के लिए बाजार में आसानी से उपलब्ध रसायनों की खरीद फर्जी पहचान के जरिए की थी। उन्होंने बताया कि उमर ने विभिन्न रसायनों से जुड़ी जानकारी ऑफलाइन और ऑनलाइन माध्यमों से जुटाई थी।

साथ ही उसने विस्फोटक सामग्री का प्रारूप तैयार करने के उद्देश्य से फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय में अपने फ्लैट में अस्थायी प्रयोगशाला भी बना रखी थी जहां वह प्रयोग करता था। जांच के दौरान एनआईए अधिकारियों को 25 सितंबर 2024 का एक 'डिलीवरी' चालान मिला जिसे मुंबई के एक छोटे कारोबारी ने जारी किया था। इसी दस्तावेज के जरिए विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल की गई सामग्री की आपूर्ति श्रंखला का खुलासा हुआ। 'क्लोरेट' और 'परक्लोरेट' ▶▶|शेष पेज 8 पर

गुजरात भी गए थे आरोपी

जांच में यह भी सामने आया कि उमर और सह-आरोपी डॉ. मुजम्मिल शकील पिछले वर्ष 12 अप्रैल को विस्फोटक बनाने के लिए रसायन खरीदने के उद्देश्य से गुजरात के अहमदाबाद भी गए थे।

मुंबई से डिलीवरी फरीदाबाद पहुंची

आरोपपत्र के मुताबिक, उसने अगस्त 2024 में मुंबई के दुकानदार से संपर्क किया और डिजिटल भुगतान मंच 'फोनपे' के जरिए 25 हजार रुपये का भुगतान किया। दुकानदार ने कुरियर कंपनी के माध्यम से एनोड को अल फलाह विश्वविद्यालय के बाहर के एक पते पर भेजा, जहां से उमर ने उसे प्राप्त किया।

खरीदार का नाम व नंबर फर्जी

जांच में यह भी सामने आया कि एनोड की खरीद उमर ने की थी, लेकिन चालान पर खरीदार का नाम और मोबाइल नंबर किसी अन्य व्यक्ति का दर्ज था। एनआईए के अनुसार, उमर ने राहुल भट्ट के नाम से मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करते हुए वाणिज्यिक मंच 'इंडिया मार्ट' पर फर्जी पहचान बनाई थी।

बेबेसिया वायरस संक्रमण का अंदेशा

गुजरात में 5 शावकों समेत 8 शेरों की मौत

2018 में भी हुई थी 11 शेरों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के गिर वन क्षेत्र में पांच शेरों की मौत से वन विभाग में हड़कंप मच गया। मृतक शेरों में दो शावकों की जान बेबेसिया वायरस के संक्रमण के कारण जाने का संदेह है, जबकि तीन अन्य शेर ने प्राकृतिक कारणों और आपसी संघर्ष की घटनाओं में दम तोड़ दिया। राज्य के वन मंत्री अर्जुन मोधवाडिया ने गिर के जंगलों में किसी बड़ी महामारी या बीमारी के प्रकोप की आशंका से इनकार किया। उन्होंने बताया कि बेबेसिया वायरस से केवल दो संदिग्ध मौतें जुड़ी हैं, जबकि बाकी तीन शेरों की ▶▶|शेष पेज 8 पर

अलग-अलग रेंज में हुई शावकों की मौत

प्रिंसिपल चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स जयपाल सिंह ने कहा कि लिलिया रेंज में 1, सावरकुंडला रेंज और सरसिया रेंज में 1 शावक की मौत हुई है। इनमें से जिन दो शावकों की मौत हुई, वे बहुत छोटे थे। वहीं, दो अन्य शेरों की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई, जबकि एक शेर की जान आपसी संघर्ष में गई है। इनकी मौत का वायरस से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए किसी महामारी जैसी स्थिति की बात नहीं है।

चिंतन

घुसपैठियों से सुरक्षा का बड़ा खतरा, संसाधनों पर दबाव

देश की बदलती डेमोग्राफी अब राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संतुलन से जुड़ा गंभीर विषय बनती जा रही है। खासकर पश्चिम बंगाल, असम और अन्य सीमावर्ती राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की बढ़ती मौजूदगी ने सरकार के कान खड़े कर दिए हैं। बंगाल में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के बाद जिस तरह बड़ी संख्या में लोग सामने आए हैं, उसने यह साबित किया है कि यह समस्या वर्षों से लगातार बढ़ती रही है। पूर्व की सरकारों ने इन्हें आश्रय दिए हैं। अवैध घुसपैठ केवल जनसंख्या संतुलन यानी डेमोग्राफी को प्रभावित नहीं करती, बल्कि देश की सुरक्षा और संसाधनों पर भी दबाव बढ़ाती है। फर्जी दस्तावेजों के सहारे कई घुसपैठिये विभिन्न राज्यों में काम कर रहे हैं। उत्तराखंड, यूपी, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर तक इनके नेटवर्क फैलने की खबरें सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है। कई मामलों में नशा, हथियार तस्करी और सेना व अर्धसैनिक बलों की जासूसी जैसी गतिविधियों में भी इनके शामिल होने की आशंका जताई गई है। अब यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों और सामाजिक संतुलन के लिए गंभीर चुनौती बन जाता है। केंद्र सरकार द्वारा देश में "असामान्य जनसंख्या बदलाव" की जांच के लिए हाई-लेवल कमेटी का गठन इसी चिंता का संकेत है कि समस्या अब राजनीतिक बहस से आगे बढ़कर राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन चुकी है। सीमावर्ती राज्यों में वर्षों से अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठता रहा है। राजनीतिक स्वार्थों और वोट बैंक की राजनीति ने इस समस्या को समय रहते गंभीरता से नहीं लिया। ये लोग केवल मजदूरी या छोटे-मोटे रोजगार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ऑनलाइन ट्रांसपोर्ट, गिग वर्क, किराए के मकानों और पहचान आधारित सुविधाओं तक पहुंच बना चुके हैं। इससे सुरक्षा एजेंसियों के सामने पहचान और सत्यापन की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। सबसे गंभीर पहलू यह है कि अवैध घुसपैठ केवल जनसंख्या का मामला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ प्रश्न है। दुनिया इस समय युद्ध, साइबर हमलों और खुफिया गतिविधियों के दौर से गुजर रही है। सूचना आज सबसे बड़ा हथियार बन चुकी है। ऐसे में यदि सीमाओं के रास्ते बिना सत्यापन के लोग देश में प्रवेश करें और वर्षों तक फर्जी पहचान के साथ रह सकें, तो यह किसी भी राष्ट्र के लिए खतरनाक स्थिति है। कई मामलों में विदेशी जासूसी नेटवर्क, तस्करी और आतंकी गतिविधियों से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी ने इस खतरे को और स्पष्ट किया है। इसके साथ ही देश के संसाधनों पर बढ़ता दबाव भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। भारत पहले से ही रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसी बुनियादी जरूरतों के दबाव से जूझ रहा है। सरकारें जिन योजनाओं और सुविधाओं को देश के नागरिकों के लिए तैयार करती हैं, उन पर अवैध रूप से रह रहे लोगों का बोझ बढ़ने से स्थानीय आबादी प्रभावित होती है। गरीब और मध्यम वर्ग के नागरिकों के हिस्से की सुविधाएं कम पड़ने लगती हैं। यह स्थिति सामाजिक असंतोष और प्रतिस्पर्धा को जन्म देती है, जो आगे चलकर सांप्रदायिक और क्षेत्रीय तनाव का कारण बन सकती है। ऐसे समय में अवैध रूप से रह रहे विदेशी तत्व देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि सरकार डेमोग्राफी के बदलते प्रभाव को गंभीरता से लेते हुए घुसपैठियों की पहचान करे, सीमा सुरक्षा मजबूत बनाए और उन्हें वापस भेजने की प्रभावी कार्रवाई करे।

मंथन

अम्बरीष प्रजापति

डिजिटल प्रतिरोध या एल्गोरिदम का खेल

लोकतंत्र की आत्मा संवाद में बसती है। संवाद और प्रतिरोध लोकतांत्रिक परंपराएं रही हैं। जब संवाद की भाषा में मर्यादा की सीमाएं टूटने लगती हैं, तो समाज विरोध के नए रास्ते तलाश लेता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार देश के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए बेरोजगार युवाओं और सोशल मीडिया, आरटीआई एक्टिविस्ट की तुलना कॉकरोच और समाज के परजीवियों से कर दी। जब इस टिप्पणी का विरोध हुआ तो 16 मई को जस्टिस सूर्यकांत ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि मेरी टिप्पणी को कांट-छांट कर एवं गलत अर्थों में पेश किया गया। मैंने फर्जी डिग्री वाले कुछ युवाओं के लिए कहा था, लेकिन तब तक यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी थी। उनकी इस टिप्पणी ने देश के युवाओं की दुखती रग पर हाथ रख दिया था। युवा पहले से ही बेरोज़गारी, पेपर लीक और व्यवस्था की उदासीनता से जूझ रहे थे। इसके जवाब में देश के युवाओं ने सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने या पारंपरिक तरीके से नारेबाजी करने के बजाय इंटरनेट के युग में डिजिटल प्रतीकात्मक आंदोलन करना चुना – व्यंग्य, हास्य और मीम। इसी बीच सोशल मीडिया पर वर्चुअल 'कॉकरोच जनता पार्टी' का जन्म हुआ। इसने चंद ही दिनों में देश की सबसे बड़ी और स्थापित राजनीतिक पार्टियों के फॉलोअर्स की संख्या को पीछे छोड़कर सोशल मीडिया पर एक नया इतिहास रच दिया। इससे बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषक हैरत में पड़ गए। यह महज एक सोशल मीडिया ट्रेंड नहीं, बल्कि इसे देश के युवाओं का व्यवस्था के प्रति एक गहरा प्रतीकात्मक विरोध बताया गया।

सवाल यह है कि इस डिजिटल राजनीतिक मोर्चे की नींव किसने रखी और इसके पीछे की वास्तविक मंशा क्या थी? क्या यह कॉकरोच जनता पार्टी का डिजिटल अभियान वास्तव में युवाओं के मुद्दों के लिए चलाया गया या कोई नैरेटिव/ एजेंडा तो नहीं? इसे समझना आवश्यक है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके हैं, जो पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई करने के बाद वर्तमान में अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशंस में मास्टर्स कर रहे हैं। दिपके कोई नौसिखिए इंटरनेट यूजर नहीं हैं बल्कि राजनीतिक संचार और सोशल मीडिया नैरेटिव बिल्डिंग के रणनीतिकार हैं। वर्ष 2020 में दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी की सोशल मीडिया टीम में काम किया था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीजेपी के नेताओं ने दावा किया कि इन फॉलोअर्स में एक बहुत बड़ा हिस्सा 'बॉट्स' (फर्जी कंप्यूटर अकाउंट्स) का है, जिनका संचालन पाकिस्तान, बांग्लादेश और अन्य देशों से किया जा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक चेतावनी की तरह है। यह इस बात का संकेत है कि भविष्य के चुनाव केवल जमीनी स्तर पर नहीं, बल्कि डिजिटलमैनिपुलेशन और एल्गोरिदमके जरिए भी लड़े जा सकते हैं। इस सटायरिकल डिजिटल मूवमेंट को मीडिया थ्योरीज से समझते हैं। रूसी दार्शनिक मिखाइलबख्तिन ने सदियों पहले कार्निवलेस्क का सिद्धांत दिया था जिसके अनुसार लोक संस्कृति में आम जनता हास्य और प्रतीकों के जरिए अपनी बात रखती थी और प्रतिरोध करती थी। सीजेपी का इसी कार्निवलेस्क सिद्धांत के तहत प्रतिरोध है। यह प्रतीकात्मक आंदोलन डिजिटल संचार की उन आधुनिक कूटनीतियों पर टिका है जो पारंपरिक मीडिया के पूरे ढांचे को चुनौती देती है। मैकोम्ब्स और शॉ का 'एजेंडा-सेटिंग' सिद्धांत कभी यह दावा करता था कि एजेंडे मुख्यधारा का मीडिया तय करता है। कॉकरोच जनता पार्टी का यह डिजिटल मूवमेंट नेटवर्क एजेंडा सेटिंग के जरिए काम कर रहा है। जहां इंटरनेट पर पैरोडी घोषणा पत्रों, व्यंग्यात्मक मीम्स और हैशटैग्स को वायरल किया जाता है। जो सोशल मीडिया के एल्गोरिदम को प्रभावित करते है। इस पूरे प्रकरण से यह साफ है कि जनता को यह समझना होगा कि हर चमकती हुई चीज सोना नहीं होती और सोशल मीडिया पर दिखने वाले फॉलोअर्स असली जनसमर्थन का प्रतीक नहीं होते। इस तरह के डिजिटल संगठनों के उभार, उनके पीछे छिपे अज्ञात चेहरों और फंडिंग के स्त्रोतों की गहन जांच होनी चाहिए ताकि हमारे देश की संप्रभुता और लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया को किसी भी तरह के बाहरी या आंतरिक डिजिटल मैनिपुलेशन से बचाया जा सके। जब तक इस आभासी संगठन के पीछे के सच को पूरी तरह नहीं समझ लेते, तब तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी और देश के लोकतंत्र को इस तरह के सैटिरिकल से बचाए रखना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संक्रमण

महेन्द्र तिवारी

इबोला के खतरे के बीच भारत सतर्क

> भारत में फिलहाल इबोला का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है, लेकिन सरकार कोई जोखिम लेने के पक्ष में नहीं है। कोविड महामारी के दौरान मिले अनुभवों के आधार पर इस बार पहले से ही तैयारी शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय लगातार विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है ताकि ताजा जानकारी मिलती रहे और जरूरत पड़ने पर तुरंत कदम उठाए जा सकें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है लेकिन सावधानी बहुत जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति हाल में प्रभावित देशों से लौटा हो और उसे बुखार, कमजोरी, उल्टी या रक्तस्राव जैसे लक्षण महसूस हों तो उसे तुरंत अस्पताल जाकर जांच करानी चाहिए।

अफ्रीका के कुछ देशों में इबोला विषाणु के नए और बेहद खतरनाक प्रकोप ने पूरी दुनिया को एक बार फिर से चिंता और सतर्कता की स्थिति में ला खड़ा किया है। युगांडा और कांगो जैसे देशों में तेजी से फैल रहे इस घातक संक्रमण को देखते हुए भारत ने भी अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और विशेषकर हवाई अड्डों पर निगरानी को अत्यधिक कड़ा कर दिया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने नई और सख्त मानक संचालन प्रक्रिया लागू करते हुए विमानन कंपनियों और हवाई अड्डा प्रशासन को विशेष निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का मुख्य उद्देश्य किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति की समय रहते पहचान करना और इस बीमारी को देश के भीतर फैलने से रोकना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई 2026 को इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित कर दिया। संगठन के अनुसार कांगो और युगांडा में तेजी से फैल रहे संक्रमण ने वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार 246 संदिग्ध मामले और 80 मौतें दर्ज की गई थीं, लेकिन बाद में यह संख्या लगातार बढ़ती चली गई। कई रिपोर्टों में 600 से अधिक संदिग्ध मामलों और 139 से अधिक मौतों का उल्लेख किया गया है। कुछ ताजा रिपोर्टों में 900 से अधिक संदिग्ध मामलों और 220 संभावित मौतों की भी आशंका जताई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह संक्रमण बंडिबुग्यो प्रकार के इबोला विषाणु से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार को बेहद खतरनाक इसलिए माना जा रहा है क्योंकि इसके लिए अब तक कोई स्वीकृत और पूरी तरह प्रभावी टीका उपलब्ध नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी स्वीकार किया है कि इस प्रकार के संक्रमण के लिए अभी केवल सहायक उपचार ही संभव है। यही कारण है कि संक्रमित व्यक्ति की जल्दी पहचान और उसे तुरंत अलग करना सबसे प्रभावी उपाय माना जा रहा है। भारत सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे बड़े हवाई अड्डों पर अतिरिक्त स्वास्थ्य दल तैनात किए गए हैं। अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों की उष्मीय जांच की जा रही है ताकि बुखार या संक्रमण के शुरुआती संकेत तुरंत पकड़े जा सकें। यात्रियों से स्वास्थ्य घोषणा पत्र भी भरवाए जा रहे हैं जिनमें उनकी पिछली यात्राओं और स्वास्थ्य स्थिति से संबंधित जानकारी ली जा रही है। इबोला का सबसे खतरनाक पहलू इसका लंबा उद्भवन काल माना जाता है। संक्रमण के बाद लक्षण सामने आने में 2 से 21 दिन तक का समय लग सकता है। इस दौरान संक्रमित व्यक्ति सामान्य दिखाई दे सकता है, लेकिन वह दूसरों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। इसी कारण भारत में आने वाले यात्रियों की पिछले 1 महीने की यात्रा जानकारी को बारीकी से जांचा जा रहा है। यदि कोई यात्री हाल में प्रभावित देशों में गया हो या वहां से होकर आया हो तो उस पर अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है। हवाई अड्डों पर विशेष पृथक कक्ष बनाए गए हैं ताकि किसी यात्री में लक्षण मिलने पर उसे तुरंत सामान्य लोगों से अलग किया जा सके। ऐसे यात्रियों के रक्त और अन्य नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेजा जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने अस्पतालों को भी तैयार रहने के

निर्देश दिए हैं। डॉक्टरों और नर्सों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे संक्रमण से सुरक्षित रहते हुए मरीजों का इलाज कर सकें। सुरक्षात्मक कपड़े, दस्ताने और उच्च गुणवत्ता वाले मास्क के उपयोग को अनिवार्य किया गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने विमानन कंपनियों को भी सख्त निर्देश दिए हैं। यदि उड़ान के दौरान कोई यात्री अचानक तेज बुखार, उल्टी, कमजोरी या रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाता है तो चालक दल को तुरंत वायु यातायात नियंत्रण और स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचना देनी होगी। कुछ मामलों में संदिग्ध यात्रियों को विमान में अलग सीटों पर बैठाने और उनके संपर्क में आए यात्रियों की जानकारी सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनसे संपर्क किया जा सके। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार इबोला दुनिया की सबसे घातक बीमारियों में से एक है। यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के खून, पसीने, उल्टी, लार या शरीर के अन्य तरल पदार्थों के संपर्क से फैलती है। इसके शुरुआती लक्षण सामान्य वायरल बुखार जैसे लग सकते हैं। मरीज को तेज बुखार, सिरदर्द, गले में दर्द, कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द होता है। बाद में उल्टी, दस्त और गंभीर स्थिति में आंतरिक या बाहरी रक्तस्राव शुरू हो सकता है। यही कारण है कि शुरुआती पहचान को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। युगांडा और कांगो में स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। कई स्वास्थ्यकर्मी भी संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों, सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं और स्थानीय अविश्वास के कारण संक्रमण को नियंत्रित करना बेहद कठिन हो रहा है। कुछ इलाकों में उपचार केंद्रों पर हमले तक किए गए हैं, जिससे राहत कार्य प्रभावित हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आज की दुनिया पहले की तुलना में कहीं अधिक जुड़ी हुई है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और व्यापार के कारण कोई भी संक्रमण कुछ घंटों में दूसरे महाद्वीप तक पहुंच सकता है। यही कारण है कि अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर और यूरोप के कई देशों ने भी यात्रियों की अतिरिक्त जांच और निगरानी शुरू कर दी है। कई देशों ने प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा को लेकर चेतावनी भी जारी की है। भारत में फिलहाल इबोला का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है, लेकिन सरकार कोई जोखिम लेने के पक्ष में नहीं है। कोविड महामारी के दौरान मिले अनुभवों के आधार पर इस बार पहले से ही तैयारी शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय लगातार विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है ताकि ताजा जानकारी मिलती रहे और जरूरत पड़ने पर तुरंत कदम उठाए जा सकें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है लेकिन सावधानी बहुत जरूरी है। यदि कोई व्यक्ति हाल में प्रभावित देशों से लौटा हो और उसे बुखार, कमजोरी, उल्टी या रक्तस्राव जैसे लक्षण महसूस हों तो उसे तुरंत अस्पताल जाकर जांच करानी चाहिए। बीमारी को छिपाना या इलाज में देरी करना समाज के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

लोगों को हाथों की सफाई, संक्रमित व्यक्ति से दूरी और स्वास्थ्य संबंधी निर्देशों का पालन करना चाहिए। इबोला के बढ़ते मामलों ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिलाया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को हर समय तैयार रहना चाहिए। महामारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं होती बल्कि वह सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक चुनौती भी बन जाती है। यदि समय रहते तैयारी न की जाए तो छोटी सी लापरवाही भी बड़े संकट में बदल सकती है। फिलहाल भारत की कोशिश यही है कि यह बीमारी देश की सीमाओं तक पहुंचे ही नहीं और यदि कोई मामला सामने आए भी तो उसे तुरंत नियंत्रित किया जा सके ताकि देश की जनता सुरक्षित रह सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

रिलेशनशिप रखने इन बातों की बांध लें गांठ

संकलित

दर्शन

किसी संबंध का आरंभ आकर्षण से होता है। यदि आप आसानी से उसे प्राप्त कर लेते हैं, तो आकर्षण समाप्त हो जाता है। किंतु यदि प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होती है तो उसके प्रति प्रेम का जन्म होता है। जब आप प्रेम का अनुभव करते हैं तो कुछ समय के पश्चात मांग उठती है। जब आप मांगना शुरू करते हैं, तो प्रेम घट जाता है। मांग प्रेम को नष्ट कर देती है। आनंद दूर हो जाता है, तो आप कहते हैं, 'ओह, मैंने यह संबंध बनाकर भूल की है।' फिर उससे बाहर निकलने के लिए संघर्ष और पीड़ा से गुजरना पड़ता है। इससे बाहर निकलने के बाद आप एक अन्य संबंध बनाते हैं, और वही कहानी दोहराई जाती है। किसी भी संबंध को बनाए रखने में तीन बातें आवश्यक हैं : समुचित धारणा, समुचित अवलोकन और समुचित अभिव्यक्ति। अक्सर लोग कहते हैं कि कोई भी उन्हें नहीं समझता है। कोई भी मुझे नहीं समझता है, ऐसा कहने के बजाय आप कह सकते हैं कि मैं स्वयं को ठीक से व्यक्त नहीं कर पाता हूं। यदि आप एक स्पेनिश व्यक्ति से रूसी भाषा बोलते हैं, तो वह निश्चित रूप से नहीं समझेगा। सही धारणा तब हो सकती है, जब आप स्वयं को दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण से देखते हैं। सही धारणा, फिर सही अवलोकन। आपकी धारणा समुचित हो सकती है, लेकिन आप प्रतिक्रिया किस प्रकार देते हैं? आप अपने भीतर कैसा अनुभव करते हैं? अपने स्वयं के मन का निरीक्षण करना दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है। आपके भीतर संवेदना तथा प्रवृत्तियों के अवलोकन के साथ संस्कारों का अवलोकन भी आवश्यक है।

ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है

संकलित

प्रेरणा

एक बार स्वामी विवेकानद जी अपने आश्रम में एक छोटे पालतू कुत्ते के साथ टहल रहे थे। तभी अचानक एक युवक उनके आश्रम में आया और उनके पैरों में झुक गया और कहने लगा- स्वामीजी मैं अपनी जिंदगी से बड़ा परेशान हूँ। मैं प्रतिदिन पुरुषार्थ करता हूँ लेकिन आज तक मैं सफलता प्राप्त नहीं कर पाया। पता नहीं ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है, जो इतना पढ़ा-लिखा होने के बावजूद भी मैं नाकामयाब हूँ। युवक की परेशानी को स्वामीजी ने तुरंत समझ लिया। उन्होंने युवक से कहा- भाई! थोड़ा मेरे इस कुत्ते को कहीं दूर तक सैर करा दो। उसके बाद मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दूंगा। उनकी इस बात पर युवक को थोड़ा अजीब लगा लेकिन दोबारा उसने कोई प्रश्न नहीं किया और कुत्ते को दौड़ाते हुए आगे निकल पड़ा। कुत्ते को सैर कराने के बाद, जब वह युवक आश्रम में पहुंचा तो यह देखा कि युवक का चेहरा तेज है लेकिन उसका छोटा कुत्ता थक के जोर-जोर से हांफ रहा था। स्वामीजी ने पूछा- भाई, मेरा कुत्ता इतना कैसे थक गया? तुम तो बड़े शांत दिख रहे हो। क्या तुम्हें थकावट नहीं हुई? युवक ने कहा- स्वामीजी, मैं धीरे-धीरे आराम से चल रहा था, लेकिन मेरा कुत्ता अशांत था। सभी जानवरों के पीछे दौड़ता था, इसीलिए बहुत थक गया था। तब विवेकानंद ने कहा- भाई, तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर तो यही है! तुम्हारा लक्ष्य तुम्हारे आसपास है, लेकिन तुम उससे दूर चलते हो। अन्य लोगों के पीछे दौड़ते रहते हो और तुम जो चाहते हो वह दूर हो जाता है। युवक ने विवेकानंद के उत्तर से संतुष्ट होकर अपनी गलती को सुधारने का निर्णय लिया।

अंतर्मन

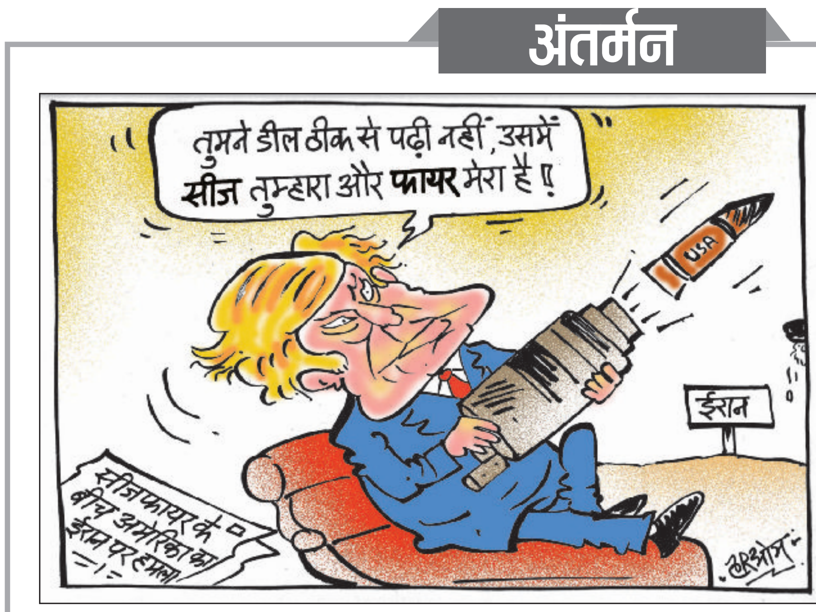

आज की पाती

रुपए का अवमूल्यन चुनौती भी, अवसर भी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ती महंगाई के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था एक नए दबाव का सामना कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऊर्जा की बचत की अपील और आर्थिक मंदी की आशंका व्यक्त करना इसी चिंता को दर्शाता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के कारण कच्चे तेल, गैस और उर्वरकों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है, जिससे भारत का आयात बिल काफी बढ़ गया है। इसका सीधा असर भारतीय रुपए पर पड़ रहा है और अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि भविष्य में रुपया प्रति डॉलर 100 रुपए के स्तर तक पहुंच सकता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। रुपए का अवमूल्यन चुनौती भी है, और अवसर भी है। *- अशोक साहू, जगदलपुर*

करंट अफेयर

गर्मियों के दौरान वायु गुणवत्ता अधिक खराब हो सकती है

दुनिया भर में वायु प्रदूषण को किसी भी अन्य पर्यावरणीय जोखिम की तुलना में समय से पहले होने वाली अधिक मौतों से जोड़ा जाता है। इससे फेफड़ों के कैंसर, श्वसन संक्रमण, हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों तथा अन्य कारणों से मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। कनाडा जैसे देशों में भी, जहां वायु प्रदूषण को आमतौर पर कम जोखिम वाला माना जाता है, हर साल 17,000 से अधिक समयपूर्व मौतें और 140 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के आर्थिक नुकसान इससे जुड़े हैं। भारी उद्योगों और जंगलों में लगने वाली आग से उत्पन्न प्रदूषण बाहरी हवा को इतना दूषित कर सकता है कि वह तत्काल स्वास्थ्य जोखिम पैदा करने लगती है। जलवायु परिवर्तन तापमान, हवाओं और वर्षा के स्वरूप में बदलाव के जरिए वायु गुणवत्ता को और खराब कर सकता है, जिससे प्रदूषकों का उत्सर्जन बढ़ता है। वर्ष 2100 तक अमेरिका में 10 करोड़ लोग गर्मियों के दौरान अस्वास्थ्यकर हवा में सांस लेने को मजबूर हो सकते हैं। यह संख्या वर्ष 2000 की तुलना में सात गुना अधिक होगी। शोध के अनुसार यदि वायु को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो लोगों के सामने या तो घरों के भीतर रहने जैसे बचाव उपाय अपनाने अथवा बीमारी और मृत्यु के बढ़े हुए जोखिम का सामना करने का विकल्प होगा।

ऑफ बीट

क्या छोटे व्यायाम सत्र भी उपयोगी हो सकते हैं ?

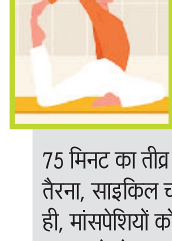

'माइक्रोडोज़िंग' शब्द की शुरुआत साइकेडेलिक ड्रग्स की बेहद कम मात्रा में सेवन को लेकर हुई थी, जिससे मूड और प्रदर्शन में सुधार हो सके और दुष्प्रभाव कम हों। अब यह शब्द किसी भी चीज़ की अल्प मात्रा में खपत के लाभ को संदर्भित करने लगा है–जिसमें व्यायाम भी शामिल है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति समयाभाव के कारण 30 मिनट की दौड़ नहीं कर सकता, तो छोटे–छोटे व्यायाम सत्र भी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकते हैं। कम से कम कितना चलना जरूरी है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वयस्कों को सप्ताह में कम से कम 150 मिनट का मध्यम तीव्रता वाला एरोबिक व्यायाम (जैसे कि तेज़ चलना) या 75 मिनट का तीव्र व्यायाम (जैसे दौड़ना) करना चाहिए। यह व्यायाम दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना या टीम स्पोर्ट्स जैसी गतिविधियां हो सकती हैं। साथ ही, मांसपेशियों को मज़बूत करने वाले व्यायाम (जैसे भार उठाना या स्प्रिंटिंग) सप्ताह में दो बार करना भी आवश्यक है। क्या घरेलू काम भी व्यायाम है? रोज़मर्रा की गतिविधियां जैसे बच्चों के साथ खेलना या बस स्टॉप तक पैदल जाना भी कुल शारीरिक गतिविधि में योगदान देती हैं। जैसे कि पोछा लगाना आदि मध्यम तीव्रता की गतिविधियों के अंतर्गत आ सकते हैं।

ट्रेंड

जनमानस परिवर्तन

देश जनमानस परिवर्तन जैसे गंभीर मुद्दों पर निर्णायक कदम उठा रहा है। यह मुद्दा केवल जनसंख्या परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सांस्कृतिक संरचना से भी जुड़ा है।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

मुफ्त राशन

अब दिल्ली सरकार की ओर से 25 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों को भी मुफ्त राशन मिलेगा। नई सीबीडीसी-आधारित प्रणाली के माध्यम से राशन का लाभ सीधे लोगों के खातों में पहुंचेगा।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

देश की बर्बादी

यह एक तरह का धीमा जहर है जो गरीबों को तबाह कर रहा है। मोदी सरकार हर दिन थोड़ा-थोड़ा करके कीमतें बढ़ा रही है। अगर एक हफ्ते में कीमतें 10-12 रुपये बढ़ जाती हैं, तो इसका मतलब है कि मोदी जी इन मुद्दों पर ध्यान नहीं देना चाहते और देश को बर्बादी की ओर धकेल रहे हैं।
- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

आंतरिक शांति का संदेश

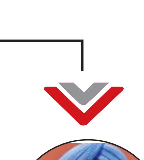

ऐसे समय में जब दुनिया संघर्ष, तनाव, विभाजन और अशांति का सामना कर रही है, गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर का करुणा, सहअस्तित्व और आंतरिक शांति का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। संवाद और मानवता में उनका विश्वास लाखों लोगों को प्रेरित करता रहता है।
- विक्रमजीत सिंह, राज्यसभा सदस्य

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

किसी को धुंधली, अपठनीय उत्तर पुस्तिकाएं तो किसी को कोरी कॉपियां

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

नीट पेपर लीक के बाद सीबीएसई 12वीं की ऑन-स्क्रीन मार्किंग में हुई 'गड़बड़' ने भारत की परीक्षा प्रणाली की पूरी व्यवस्था की कलई खोलकर रख दी है। 17 लाख छात्रों द्वारा दी गई सीबीएसई 12वीं की बोर्ड परीक्षा में पहली बार लागू की गई ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली में गंभीर शिकायतें, तकनीकी अव्यवस्था और आननफानन में लागू करने की दोषपूर्ण प्रक्रिया सामने आई है। एक तरफ जहां देश भर के हजारों छात्र अपनी स्कैन की गई आंसर शीट प्राप्त करने के लिए दर-दर भटक रहे हैं वहीं, कई छात्रों ने सीबीएसई पोर्टल से डाउनलोड की गई धुंधली, कटी-फटी और आंशिक रूप से पूरी तरह अपठनीय स्कैन उत्तर पुस्तिकाओं के स्क्रीनशॉट साझा किए हैं। कई छात्रों ने तो यहां तक दावा किया कि उनके बैंक खातों से फीस के पैसे सफलतापूर्वक कट जाने के बावजूद उन्हें उनकी उत्तर पुस्तिकाएं नहीं मिलीं, और जिन्हें मिलीं, उनमें से कुछ को पूरी तरह से कोरी स्कैन कॉपियां थमा दी गईं।

भारत की परीक्षा प्रणाली की पूरी व्यवस्था की खुली कलई

सीबीएसई 12वीं की ऑन-स्क्रीन मार्किंग में गंभीर शिकायतें, छात्रों का गुस्सा फूटा

जैसे ही बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी हुआ, वैसे ही देश के विभिन्न स्ट्रीम्स के छात्रों ने अपने अंकों को देखकर गहरी निराशा और असंतोष जताना शुरू कर दिया। नॉन-मेडिकल स्ट्रीम के छात्र स्पर्श, और कॉमर्स स्ट्रीम के विवेक यादव व हैदर उन बदनसीब छात्रों में शामिल हैं, जिन्होंने प्रामाणिक रूप से दावा किया कि उनके अंक उनकी वास्तविक अपेक्षाओं और मेहनत से काफी कम आए हैं। इन पीड़ित छात्रों ने अपनी आपबीती साझा करते हुए कहा कि यह परिणाम उनके साल भर के प्रदर्शन और योग्यता को सही तरीके से बिल्कुल नहीं दर्शाता। एक छात्र ने बेहद भावुक होकर कहा, 'हमने इस परीक्षा के लिए दिन-रात एक करके बहुत कड़ी मेहनत की थी और एक बेहतर परिणाम की उम्मीद थी। लेकिन आज जो अंक हमें स्क्रीन पर दिख रहे हैं, वे हमारी लिखी हुई मूल कॉपी से किसी भी कीमत पर मेल नहीं खाते।' इन तस्वीरों को देखकर अब देशव्यापी सवाल उठने लगा है कि जब कॉपियां इतनी धुंधली थीं, तो क्या परीक्षक कंप्यूटर स्क्रीन पर उन उत्तरों को स्पष्ट रूप से पढ़ भी पा रहे थे या उन्होंने बिना पढ़े ही नंबर बैठा दिए?

आखिर क्या है ओएसएम

तकनीकी भाषा में समझें तो ऑन-स्क्रीन मार्किंग असल में एक डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली है। इसमें छात्रों द्वारा परीक्षा हॉल में लिखी गई उत्तर पुस्तिकाओं को पहले स्कैन किया जाता है, फिर उन्हें एक सुरक्षित सर्वर पर अपलोड कर दिया जाता है, जहाँ से देश भर के परीक्षक अपने कंप्यूटर स्क्रीन पर कॉपियों को देखकर उनका मूल्यांकन करते हैं। सीबीएसई ने इस प्रणाली को इस वर्ष पहली बार इतनी बड़ी संख्या में लागू करते हुए बकायदा दावा किया था कि इससे मूल्यांकन अत्यधिक सटीक होगा, मानवीय त्रुटियां न्यूनतम हो जाएंगी और पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता बढ़ेगी।

सर्वर क्रैश, फीस फंसी और उत्तर पुस्तिकाएं ही गायब!

रिजल्ट के इस बड़े झोल के बाद जब बवाल बढ़ा, तो सीबीएसई ने लीपापोती करते हुए छात्रों को पुनर्मूल्यांकन और अपनी उत्तर पुस्तिका की स्कैन कॉपी ऑनलाइन प्राप्त करने का विकल्प दिया। लेकिन छात्रों का आरोप है कि कागजों पर दिखने वाली यह सुंदर प्रक्रिया व्यावहारिक रूप से एक मानसिक प्रताड़ना साबित हुई। देश भर के हजारों छात्रों ने शिकायत दर्ज कराई कि आवेदन के दौरान सीबीएसई का मुख्य पोर्टल और वेबसाइट बार-बार क्रैश हो रही थी, सर्वर पूरी तरह डाउन था और पेमेंट गेटवे लगातार फेल हो रहे थे।

सीबीएसई पोर्टल 72 घंटे से अधिक समय से स्थिर

आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि ने मंगलवार को कहा कि संस्थान और आईआईटी कानपुर के चार सदस्यीय दल ने सीबीएसई पोर्टल में हाल ही में आई गड़बड़ियों की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, पोर्टल पिछले '72 घंटों से अधिक" समय से स्थिर बना हुआ है।

दिल्ली में हुई बैठक में जयशंकर बोले- 3 बड़े फैसलों पर बनी सहमति

'समंदर में नहीं चलेगी मनमानी' होर्मुज को खुला रखने के लिए क्वाड देश एकजुट

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, भारत और अमेरिका सहित क्वाड देशों ने वैश्विक व्यापार को बचाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। क्वाड ने साफ कर दिया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे दुनिया के प्रमुख समुद्री रास्तों पर व्यापारिक जहाजों की आवाजाही किसी भी कीमत पर नहीं रुकने दी जाएगी। अगर किसी ने भी इन जहाजों को रोकने की कोशिश की, तो चारों देश मिलकर उसका कड़ा विरोध करेंगे। क्वाड में ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। इसका मकसद समुद्री सुरक्षा, सप्लाई चेन को मजबूत करना, जरूरी खनिज, बुनियादी ढांचा विकास, आपदा राहत और नई तकनीकों जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना है।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

क्वाड देशों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी ने समुद्र में गतिशीलता को बनाए रखने का समर्थन किया। क्वाड देशों ने ऊर्जा बाजार को स्थिर और पारदर्शी बनाने की बात कही है। इसके लिए आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत और विविध बनाया जाएगा। समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए। यह वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक है। बैठक में शामिल भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, 3 बड़े फैसलों पर सहमति बनी है। बैठक के बाद ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा, "हमारी जितनी भी बैठकें हुई हैं, उन सभी में हमारा ध्यान गति बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने पर रहा है कि हम ऐसे नतीजे दें जो वास्तविक हों. जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने कहा, "हमने महत्वपूर्ण खनिजों और अन्य सामग्रियों के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर भी अपनी गहरी चिंता साझा की।

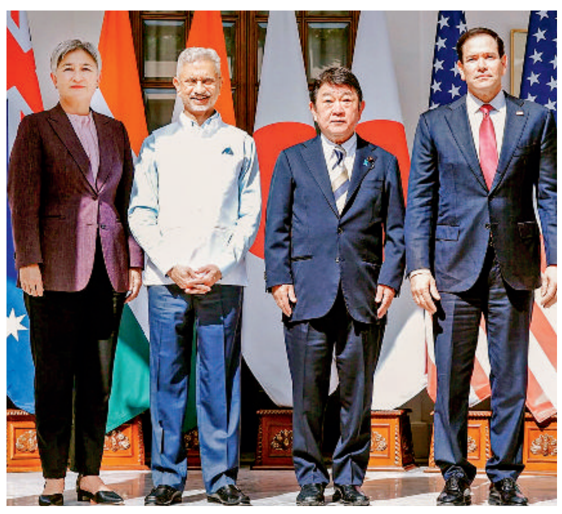

पश्चिम एशिया में तनाव बरकरार

पश्चिम एशिया में यह भारी तनाव 28 फरवरी 2026 को शुरू हुआ। तब अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला किया था। इस हमले में ईरान के सबसे बड़े नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इसके बाद पूरे इलाके में जंग छिड़ गई। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उसी दिन, यानी 28 फरवरी 2026 से ही होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद कर दिया। तब से अब तक करीब तीन महीनों से यह रास्ता बंद पड़ा है।

ये हुए 3 बड़े फैसले

जयशंकर ने बताया, क्वाड देशों ने समुद्र से जुड़ी जानकारी साझा करने और निगरानी बढ़ाने पर सहमति जताई है। बंदरगाहों से जुड़ी सुविधाओं के लिए एक एक्सपर्ट टीम बनाने पर भी विचार होगा। साथ ही फिजी में नया पोर्ट प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा और समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स पर मिलकर काम होगा। दूसरा अहम फैसले के तहत, क्वाड देशों ने क्रिटिकल मिनरल्स के लिए एक साझा फ्रेमवर्क तैयार किया है। भारत और अमेरिका ने भी इस मुद्दे पर अलग समझौता किया है। क्वाड अब इस काम में दूसरे देशों को भी जोड़ने की कोशिश करेगा। साथ ही तीसरा फैसला, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में ऊर्जा सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए नई पहल शुरू करने का है। इसमें नई तकनीक, बेहतर प्रबंधन, नीतियां, अंतरराष्ट्रीय बाजार की जानकारी और इमरजेंसी अभ्यास जैसी चीजें शामिल होंगी।

इधर, होर्मुज में अमेरिका ने ईरानी नावों और मिसाइल लॉन्चर पर की बमबारी

ईरान के साथ शांति वार्ता के बीच अमेरिका ने ईरान पर बड़ा हमला किया है। अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान में होर्मुज स्ट्रेट के पास इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नावों पर बमबारी की और मिसाइल लॉन्चर को भी निशाना बनाया। यह नावें होर्मुज स्ट्रेट में बारूदी सुरंग बिछाने का काम कर रही थीं। अमेरिका ने इस हमले को आत्मरक्षा के लिए किया गया हमला बताया है, लेकिन इस हमले का असर शांति वार्ता और शांति समझौते पर पड़ सकता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स के अनुसार, यह हमले किसी सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं हैं। युद्धविराम जारी है। आईआरजीसी की नावें मिसाइल लॉन्चर के साथ होर्मुज में सुरंगें बिछाने का काम कर रही थी, लेकिन होर्मुज में बारूदी सुरंग बिछाने नहीं दी जाएगी।

बंगाल में घुसपैठियों में दिखने लगा खौफ

बांग्लादेश बॉर्डर के चेकपोस्टों पर अवैध प्रवासियों की बाढ़

उत्तरी 24 परगना और मालदा में रह रहे थे प्रवासियों के समूह

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार की नई शुरू की गई 'पहचानो, हटाओ और वापस भेजो' नीति के बीच स्टेट बॉर्डर के कई पॉइंट्स पर कथित तौर पर अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के बड़े-बड़े समूह इकट्ठा होने लगे हैं। उत्तरी 24 परगना और मालदा से सामने आ रहे दृश्यों से पता चलता है कि राज्य का घुसपैठ-रोधी अभियान अब सिर्फ सियासी बयानबाजी से आगे बढ़कर प्रशासनिक कार्रवाई का रूप ले चुका है। उत्तरी 24 परगना के बशीरहाट सब-डिवीजन में स्थित हकीमपुर चेकपॉइंट पर, मंगलवार सुबह सौ से ज्यादा बांग्लादेशी पुरुष और महिलाएं इकट्ठा हुए। ये सभी अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके वापस अपने देश लौटना चाहते थे।

कई इलाकों में रह रहे बांग्लादेशी

कथित तौर पर इनमें से कई लोग पश्चिम बंगाल के अलग-अलग इलाकों में अवैध रूप से रह रहे थे। विदेशी नागरिकों को देश से निकालने और उनके लिए होल्डिंग सेंटर बनाने के संबंध में सरकार की हालिया घोषणाओं के बाद वे चेकपॉइंट पर पहुंचे. सीमा पर यह भीड़ मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के उस ऐलान के कुछ ही दिनों बाद देखने को मिली, जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्य घुसपैठियों के खिलाफ 'डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट' की पॉलिसी अपनाएगा।

इन्हें माना जाएगा घुसपैठिया

बीएसएफ के सीनियर अधिकारियों के साथ हाल ही में हुई एक मीटिंग में बोलते हुए, सीएम शुभेंदु ने कहा कि जो लोग नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के दायरे से बाहर हैं, उन्हें अवैध घुसपैठिया माना जाएगा। उन्हें पुलिस गिरफ्तार करके बीएसएफ को सौंप देगी। यह पहल गृह और पहाड़ी मामलों के विभाग की 'विदेशी शाखा' द्वारा जारी निर्देशों के बाद शुरू की गई है। ये निर्देश केंद्र सरकार के उन दिशानिर्देशों के मुताबिक हैं, जो भारत में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या लोगों से संबंधित हैं।

परियोजनाओं में बाधा डालने वाली याचिकाओं की आलोचना

सीजेआई की एक और टिप्पणी पर मचा कोहराम

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी को लेकर कानूनी और सामाजिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ द्वारा विकास परियोजनाओं में बाधा डालने वाली याचिकाओं की आलोचना किए जाने के बाद पूर्व नौकरशाहों, वकीलों, पर्यावरणविदों और नागरिक समाज के समूहों ने एकजुट होकर मोर्चा खोल दिया है। इस मामले में प्रधान न्यायाधीश को अलग-अलग समूहों द्वारा खुली चिट्ठी लिखकर इस टिप्पणी पर गंभीर चिंता जताई गई है। सीजेआई की इन टिप्पणियों के विरोध में पूर्व नौकरशाहों के मंच 'कॉन्स्टिट्यूशन कंडक्ट ग्रुप' के 71 सदस्यों ने एक खुली चिट्ठी लिखी है। इसके अलावा, देश के 600 से ज्यादा नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और 72 वकीलों व कानून के छात्रों ने भी अलग से पत्र लिखकर इन टिप्पणियों को वापस लेने की मांग की है।

यह है मामला

दरअसल 11 मई को सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ गुजरात के पिपावाव बंदरगाह के विस्तार को मिली पर्यावरण मंजूरी के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान देश में विकास परियोजनाओं को अदालतों में चुनौती देने की बढ़ती प्रवृत्ति पर पीठ ने नाराजगी जताई। सीजेआई ने तल्ख टिप्पणी करते हुए पूछा, 'हमें इस देश में एक भी ऐसी परियोजना दिखाएं, जहां इन तथाकथित पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने कहा हो कि हम इसका स्वागत करते हैं।' पीठ ने आगे कहा, 'आप हर चीज को अदालत में घसीट लाते हैं। इस देश में जिस तरह की याचिकाएं दायर की जा रही हैं, उनका मकसद सिर्फ विकास को रोकना है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो देश कैसे आगे बढ़ेगा?'

30 दिन की पैरोल पर राम रहीम

चंडीगढ़। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के मामले में 20 साल कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम 30 दिन की पैरोल मिलने के बाद मंगलवार सुबह रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर आया। राम के 2017 में दोषी ठहराए जाने के बाद यह 16वीं बार है जब वह जेल से बाहर आया है।

सास गिरिबाला के घर पहुंची सीबीआई, की छानबीन

एक्ट्रेस त्विशा मौत मामला

एजेंसी ▸▸| भोपाल

भोपाल, एमपी में त्विशा मौत मामले की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में लेने के बाद तुरंत ही एक्शन में आ गई है। जांच के पहले ही दिन सीबीआई की टीम गिरिबाला सिंह के घर पहुंची थी, वहां 30 मिनट तक छानबीन और जांच के बाद अब त्विशा के परिवार से मुलाकात करने पहुंची है। सीबीआई ने त्विशा की सास गिरिबाला के घर यानी क्राइम सीन का बारीकी से निरीक्षण किया। सीबीआई के अफसर तीन गाड़ियों में मौके पर पहुंचे थे और घर के अंदर जाकर घटनास्थल से जुड़े पहलुओं की जांच शुरू की। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई टीम ने घर के अलग-अलग हिस्सों का निरीक्षण किया और मामले से जुड़े सबूत जुटाए। सीबीआई की जांच टीम में दो महिला अधिकारी भी शामिल थीं। सीबीआई ने सोमवार को ही राज्य पुलिस की ओर से पहले से दर्ज एफआईआर को फिर दर्ज कर लिया है। इसमें त्विशा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को आरोपी बनाया गया है।

त्विशा के शरीर पर आए जख्मों का खोजेगी जवाब

त्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में सबसे बड़ा सवाल उनके शरीर पर मिले जख्मों को लेकर है। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ये साफ कहा गया है कि मौत का कारण फंदे से लटकने (हैंगिंग) की वजह से हुआ है, लेकिन इसके साथ ही उनके शरीर के अन्य हिस्सों पर 'कई चोटों के निशान' भी पाए गए हैं। जो मौत से पहले लगी थीं. रिपोर्ट के मुताबिक ये चोटें किसी भोथरी चीज या भारी दबाव (ब्लंट फोर्स) के कारण लगी हो सकती हैं, जो गहरी साजिश की ओर इशारा करती हैं।

बैंकों का प्रदर्शन मजबूत, सालाना 15.90 प्रतिशत की वृद्धिः नागराजू

अगरतला। वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने मंगलवार को कहा कि देश के सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के बैंक सालाना 15.90 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 'बहुत अच्छा' प्रदर्शन कर रहे हैं। सचिव ने कहा, ''हमारे सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंक 15.90 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह भारतीय इतिहास में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि है। देश भर में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) भी घटकर 0.40 प्रतिशत रह गई हैं, जो पिछले आंकड़ों की तुलना में कम है। नागराजू ने पूर्वोत्तर राज्य में दो कार्यक्रमों में भाग लिया, जहां 8,000 लाभार्थियों के लिए 604 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए। उन्होंने कहा कि बैंकों के पास अब मजबूत पूंजी आधार है, जबकि कम एनपीए बैंकों की मजबूती के पीछे एक प्रमुख कारण है।

OFFICE OF THE NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA DISTT- RAIGARH (C.G)

No./397/NIT/ 2026-27-:: 4th Call :: GHARGHODA Dated 25/05/2026

Chief Municipal Officer invites Online Tenders on behalf of Nagar Panchayat GHARGHODA for providing labour (C.G. Contract labour Act 1690 & 1969) in Percentage Rate in form A from Eligible class Registered contractors in "Unified Registration System e-Registration" PWD Chhattisgarh/Registered firms and their undertaking on UADD website https:// eproc. cgstate.gov.in

System Tender No.	Name of work	Estimated cost (in Lacs)	Earnest Money Deposit	Tender Form Fees	Time Period of Completion
191581	Construction of R.C.C. Drain in Ward No. 09 Bagmuda Talab to Purana Chir house. (4th Call)	Rs 23.93	Rs.18000/-(EMD in Favour of CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA)	750/- DD at (Payable to CHIEF MUNICIPAL OFFICER, NAGAR PANCHAYAT, GHARGHODA	Period - 06 month (from the date of Work Order) including rainy season

Chief Municipal Officer
NAGAR PANCHAYAT GHARGHODA

सार्वजनिक सूचना

धारा 62 एवं 86 के अनुपालन में विद्युत अधिनियम, 2003, तथा लागू छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (आयोग) मल्टी ईयर टैरिफ टैरिफ सिद्धांत विनियमों के अंतर्गत, मेसर्स ए.सी.बी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु परिवर्ती लागत (Variable Cost) और प्रतिपूर्ति योग्य खर्चों के ट्रू-अप के अनुमोदन हेतु आयोग के समक्ष एक याचिका दायर की गई है। यह याचिका ग्राम कसायपाली, तहसील कटघोरा, जिला कोरबा (छ.ग.)-495445 स्थित 2x135 मेगावाट कोल वॉशरी रिजेक्ट आधारित ताप विद्युत संयंत्र के संबंध में है, जो अपनी शुद्ध उत्पादित विद्युत का पाँच प्रतिशत (5%) भाग परिवर्ती लागत पर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को आपूर्ति करता है। उक्त याचिका को याचिका क्रमांक 34/2026 के रूप में पंजीकृत किया गया है।

उक्त याचिका में मेसर्स ए.सी.बी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए रू. 1.82 प्रति किलोवाट घंटा (kWh) की ऊर्जा प्रभार दर स्वीकृत करने तथा प्रतिपूर्ति योग्य शुल्कों की अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया गया है।

इस सूचना एवं याचिका की प्रति आयोग की वेबसाइट www.cserc.gov.in पर उपलब्ध है। उक्त याचिका की मुद्रित प्रति आयोग के कार्यालय में भी उपलब्ध है, जिसे किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक रू. 500/- का भुगतान कर प्राप्त किया जा सकता है। डाक द्वारा प्राप्त करने हेतु रू. 100/- अतिरिक्त डाक व्यय देय होगा।

उपरोक्त याचिका पर आपत्ति एव सुझाव प्रस्तुत करने के इच्छुक व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिवस के भीतर अपना अभ्यावेदन सचिव, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत विनियामक आयोग, इरीगेशन कॉलोनी, शांति नगर, रायपुर 492001 (छ.ग.), ई-मेल: cserc.sec.cg@nic पद पर प्रस्तुत कर सकते हैं तथा अथवा उसकी प्रति वरिष्ठ महाप्रबंधक, मेसर्स ए.सी.बी (इंडिया) लिमिटेड, ग्राम कसायपाली, तहसील कटघोरा, जिला कोरबा (छ.ग.) -495445, ई-मेल: rajesh.Sonkar@acbindia.com को प्रेषित कर सकते हैं।

आयोग उक्त याचिका पर जन-सुनवाई भी आयोजित करेगा, जिसकी तिथि, समय एवं स्थान की सूचना पृथक से समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाशित की जाएगी।

राजेश कुमार सोनकर
वरिष्ठ महाप्रबंधक
मेसर्स ए.सी.बी. (इण्डिया) लिमिटेड

पहली फेरारी इलेक्ट्रिक कार हुई लांच, कीमत 6.10 करोड़ रुपए

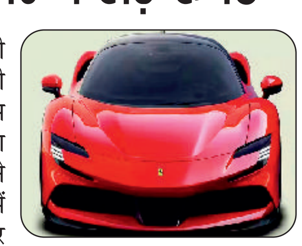

नई दिल्ली। सुपरकार बनाने वाली मशहूर कंपनी फेरारी ने रोम में अपनी पहली पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार लूस को आधिकारिक तौर पर पेश कर दिया है। यह पहली बार है जब कंपनी ने इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) सेगमेंट में कदम रखा है, यानी कंपनी ने पहली बार इलेक्ट्रिक कार पेश की है। इसकी कीमत 5,50,000 यूरो (लगभग 6.10 करोड़ रुपए) से शुरू होती है। हालांकि, फेरारी अपनी पेट्रोल और हाइब्रिड कारें भी बेचती रहेगी। लूस सिर्फ फेरारी की पहली इलेक्ट्रिक कार ही नहीं है, बल्कि यह कंपनी की पहली 4 दरवाजों और 5 सीटों वाली कार भी है। सिंगल चार्ज में यह कार 530 किलोमीटर की रेंज देगी। इसे किसी पुरानी पेट्रोल कार के स्ट्रक्चर पर नहीं, बल्कि पूरी तरह से नए इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है।

MATS UNIVERSITY — APPOINTMENTS NAAC GRADE A+

ACADEMIC/NON TEACHING POSITIONS

No.MU/2026/Advt./08 Raipur Dated: 27/05/2026

Last date to apply - 10th June 2026

Applications are invited from potential candidates in the prescribed format which can be downloaded from the University website www.matsuniversity.ac.in/career.

SN	Department	Name and No. of Posts: Professor	Associate Professor	Assistant Professor
1	School of Business Studies	1	2	2
2.	School of Management Studies	1	1	2
3.	School of Information Technology	1	2	2
4.	School of Library Science	1	1	1
5.	School of Fashion Designing	1	1	2
6.	School of Education (BA-BEd/BSc-BEd/BCom-BEd)	0	3	6
7.	School of Physical Education	1	1	2
8.	School of Pharmacy	0	1	4
9.	School of Law	1	1	2
10.	Department of Chemistry	0	1	1
11.	Department of Bioscience (Zoology/Botany)	0	0	4
12.	Department of Mathematics	0	1	2
13.	Department of Forensic Science	0	1	2
14.	Department of Social Work	1	1	2
15.	Department of Psychology	0	1	1
16.	Department of English (Mass Communication)	0	0	1
17.	Department of Political Science	1	2	2
18.	Department of Hindi	0	1	3
19.	Department of Yoga	0	1	0
20.	Department of Computer Sc. Engineering	1	2	1
21.	Department of CSE (AI/ML)	0	2	2
22.	Department of CSE (Data Science)	0	2	2
23.	Department of Mechanical Engineering	0	0	1
24.	Department of Mining Engineering	0	1	1
25.	Department of Civil Engineering	0	1	0
26.	Department of Aeronautical Engineering	0	1	1

NON-TEACHING POSITIONS

Director (IQAC)	01	Deputy Registrar	01
Assistant Registrar	02	Assistant COE	02
Senior Manager (Admission)	01	Manager (HR)	01
Hostel Superintendent (Boys& Girls)	06	ERP Manager	01
T&P Soft Skill Trainer	02	Admission Counselor (Female)	04

GENERAL CONDITIONS:

1. Qualification: As per the norms of UGC/AICTE/NCTE/BCI/PCI
2. Application prescribed format and other information can also be downloaded from the University website - www.matsuniversity.ac.in/career.
3. Please send the PDF copy of the filled application to: joinmats@matsuniversity.ac.in
4. The number of posts mentioned above may be varied.
5. The University reserves the right to fill-up the posts and or to call only short-listed candidates for interviews.
6. Application(s) incomplete in any respect shall be rejected without any further information.
7. No TA/DA in permissible for attending interview.

Registrar

RAIPUR CAMPUS : MATS TOWER, PANDRI, RAIPUR, CHHATTISGARH-492 004
UNIVERSITY CAMPUS : ARANG-KHARORA HIGHWAY, ARANG, RAIPUR, CHHATTISGARH-493 441
For any query contact : +91 96303 98098 and 0771-4078994,95,96

परंपरा
पवन यादव ' पहुना '

आज भी लगाए जाते हैं गांव में चरवाहा

भारत भूमि कृषि और ऋषि संस्कृति के लिए जाना जाता है । जहां कृषि है वहां पशुओं की हमेशा जरूरत बनी रहती है, यह अलग बात है। वर्तमान में आधुनिक खेती यंत्रों की वजह से मशीनों ने इसका जगह ले लिया है। इसके बावजूद हर किसान गांव में गाय पालन करते हैं। इसके लिए एक चराने वाला चरवाहे की भी जरूरत पड़ती है। गांव में सभी किसान मिलकर यादव जाति के व्यक्ति को चरवाहा नियुक्त करते हैं। किसानों द्वारा सम्मान के साथ उनको बरधिया, पहाटीया नाम से संबोधित करते हैं। यह मालिक और चरवाहा के बीच आपसी समरसता बढ़ाने का प्रतीक है। खेती किसानी के दिनों में मालिक के गाय को रोज गांव के बाहर चराने के लिए ले जाते हैं, जिससे उनके फसलों की रक्षा हो जाती है। (अक्ति) अक्षय तृतीया के दिन यादव जाति व्यक्ति को ग्रामीणों द्वारा पशुओं को चराने के लिए नियुक्त किया जाता है। उनका काम जेठ में धान बोने के समय प्रारंभ होता है जो फागुन महीने में (मार्च)के आसपास पूर्ण होता है। उनके परिश्रम के बदले उनको साल में एक बार अपने घर के (काठा) में नाप कर धान दिया जाता है। प्रति एकड़ या प्रति जानवर के हिसाब से उनके साल भर का परिश्रम का मजदूरी होता है। साथ में तीन दिन में चौथे दिन किसानों के घर के गाय को दूध निकालने के बदले हर चौथे दिन चरवाहा दूध स्वयं रखता है । जिसे (बरवही) कहा जाता है, यह परंपरा छत्तीसगढ़ के हर गांव में सदियों से चली आ रही है।

ऐतिहासिक
घनश्याम नाग

आज भी विद्यमान हैं खरदूषण पीढ़ा के अवशेष

बस्तर की प्राचीन राजधानी बड़े डोंगर का पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व है। इसी कड़ी में खरदूषण पीढ़ा का भी विशेष महत्व है। पौराणिक कथा के अनुसार रामायण काल में यह क्षेत्र दण्डकारण्य कहलाता था। लंकापति रावण के आदेश से सूर्पणखा यहां शासन करती थी और सुर्पणखा के सहयोग के लिए खरदूषण नामक राक्षस को भी यहां रावण ने भेजा था। शास्त्रों के अनुसार खर और दूषण दो भाई थे, किन्तु यहां प्रचलित किंवदंती में खरदूषण नाम का एक राक्षस था। यह मंद पीने के लिए बहादुर कलारिन की भट्टी में आता था। भाटी पखना के पास स्थित एक पत्थर को खरदूषण पीढ़ा कहा जाता है। बैठने के लिए लकड़ी से बनाए जाने वाले मोढ़ा को लोग स्थानीय भाषा में पीढ़ा कहते हैं। मान्यता है कि खरदूषण इसी पीढ़ा में बैठकर मंद पीता था।

परंपरा
डा. ज्योति किरण चंद्राकर

अंचल में नौतपा का महत्व

हर वर्ष नौतपा नौ दिनों तक रहता है। नौतपा इसलिए कहा जाता है,क्योंकि इस अवधि पर सूर्य की किरणें पृथ्वी पर सीधी पड़ती है। जिससे पृथ्वी का ताप बहुत बढ़ जाता है । और गर्म लू वाली हवाएं चलने लगती है, जिससे सड़कें तवा के समान तपने लगती है । इसी आशय से इस समय काल को नौतपा कहा जाता है। प्राचीन मान्यता के अनुसार माना जाता है कि जितना ज्यादा नौतपा का तापमान रहता है बारिश भी उतनी ज्यादा होने की संभावना रहती है । नौतपा केवल भीषण गर्मी का ही संकेत नहीं देता ,बल्कि यह जल संकट ,जनजीवन ,कृषि, जलवायु व ग्रामीण जीवन से गहरा संबंध दर्शाता है । यहां के किसान और ग्रामीण जीवन में नौतपा को विशेष महत्व देते हैं। इसे पारंपरिक कृषि से जोड़कर देखा जाता है। इस दौरान अधिक गर्मी होने पर अधिक फसल होने की सम्भावना व्यक्त की जाती है। इसके साथ ही नौतपा में ताप बढ़ने से धरती के अंदर जो कीटाणु , जीवाणु रहते हैं वह खत्म हो जाते हैं जिससे फसल नुकसान होने से बच जाते हैं। नौतपा में यदि बारिश या नमी हो जाए तो किसान इसे अच्छे उत्पादन के लिए शुभ संकेत नहीं मानते। इस तरह किसानों के लिए नौतपा का अपना अलग महत्व है।

लोक साहित्य
श्यामा सिंह

छत्तीसगढ़ी में संस्मरण लेखन व विवेचना

छत्तीसगढ़ी में जीवनी साहित्य या संस्मरण लेखन का आरम्भ कपिलनाथ कश्यप रचित 'मोर आत्मकथा ' से हुआ है, इसमें लेखक ने अपनी साहित्यिक उपलब्धियों का वर्णन आत्मकथा के रूप में किया है। डा. महेंद्र कश्यप ' राही ' रचित ' पईसा ' और डा. बघेल, डा. रामलाल कश्यप रचित डा. खूबचंद बघेल आदि। छत्तीसगढ़ी में जीवनी और संस्मरण की प्रथम पुस्तिका के लेखक डा. विनय कुमार पाठक हैं जिन्होंने ' एक रुख एकेच शाखा ' लिखकर छत्तीसगढ़ी में इस विधा को प्रतिष्ठित किया। इसमें एक अशिक्षित ममतामयी मां का अपने एकमात्र पुत्र के आकस्मिक निधन पर सर्वस्व दान करके बद्रीप्रसाद कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय आरंग की स्थापना करना एक मुख्य उद्देश्य है। लखनलाल गुप्त रचित ' सुरता के सोन किरण ' गुप्तजी के स्वयं के जीवन संघर्षों को लेकर लिखी गई है। पहले भी छत्तीसगढ़ी में जीवनी या संस्मरण लेखन की कमी देखी गई और आज भी इस लेखन में अपेक्षित वृद्धि का अभाव बना हुआ है। इसके पीछे कारणों का पता लगाकर इस लेखन को समृद्ध करना भी जरुरी है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

आस्थाः डा. राजेश पांडे

परगने की रक्षा करते हैं परगनिया बाबा

छत्तीसगढ़ राज्य के हृदय स्थल न्यायधानी बिलासपुर जिले के मस्तूरी जनपद पंचायत मल्हार है। नगर पंचायत के अंतिम छोर पर परगनिया बाबा का मंदिर है। लाल रंग में खड़े रूप में प्रतिमा की ऊंचाई 15 फीट है। यह प्रतिमा जैन धर्म के 24 जैन तीर्थंकरों में एक भगवान महावीर स्वामी की है जो पूरे छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ी जैन प्रतिमा है। मंदिर की विशेषता है कि दोनों नवरात्रि पर तेल और घी का दीपक प्रज्वलित होता है। यह प्रतिमा दसवीं से 11वीं शताब्दी के आसपास के है जो कार्योत्सर्जन मुद्रा में है। इस विषय में नगर के वरिष्ठ नागरिक बसंत पांडे बतलाते हैं कि पूर्व काल मंल ग्राम के रक्षा हेतु ग्राम रक्षक देवता जैसे ठाकुरदेव, सिद्धबाबा गोरैया बाबा, ओंगनपाठ , कुररूपाठ बरमबाबा और कालभैरव आदि अनेक नाम से ग्राम देवता होते हैं जो परगनी सीमा का रक्षा करते हैं परगनिया बाबा सीमा के अंतिम छोर पर होने के कारण इसका नाम परगनिया पड़ा है। शादी विवाह होने पर पहले दूल्हा दुल्हन को इसी मंदिर में लाते थे फिर घर वाले यहां से दुल्हन को परघा कर ले जाते हैं। मल्हारगढ़ में ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी से लेकर विभिन्न कालों के जैन धर्म बौद्ध हिंदू धर्म का बहुत प्राचीन मूर्तियों का विशाल संग्रह है।

कला जगत
डा. अर्चना पाठक

छत्तीसगढ़ अंचल में पखावज वादन की परंपरा

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ दरबार में पखावज और तबला वादन की दीर्घ परंपरा रही है। राजा घनश्याम सिंह, राजा भूपदेव सिंह के पिता स्वयं एक अच्छे पखावजी थे। इनके पुत्र लाल नारायण सिंह और पीत पाल सिंह को तबले की शिक्षा के लिए बनारस भेजा गया था। राजा भूपदेव सिंह के दरबार में ठाकुर लक्ष्मण सिंह जैसे श्रेष्ठ पखावजी थे। रायगढ़ दरबार में मृदंग और तबला के अच्छे वादकों का लगातार आगमन एक सदी पूर्व से होता आ रहा है। यह कला के प्रति प्रेम और आकर्षण निरंतर बढ़ता गया और राजा साहब के शासन काल उसका उत्कर्ष चरम पर था। राजा चक्रधर सिंह के दरबार में ठाकुर दास जी, शम्भू महाराज, पंडित रामदास, बासुदेव पखावजी, कादिर बख्श खां, उस्ताद नत्थू खां और बाबा मलंख खां आदि उस्ताद लम्बे समय तक रहे।

सुरताः डुमन लाल ध्रुव

नाम से भले ही वह राजपरिवार की लगती हों पर वनवासी वन और खेती पर जीवन बिताने वाली महिला थी। सरगुजा अंचल के छोटे से गांव शरदापुर में वीरसाय गोंड के घर में सबसे छोटी संतान के रूप मे इनका जन्म हुआ। राजमोहिनी का प्रारंभिक नाम रजमन था। आपके गांव से काफ़ी दूर प्रतापपुर में पांचवी तक पढ़ाई की व्यवस्था होने के कारण पांचवी तक आपकी शिक्षा हो सकी। 14वर्ष की उम्र में छोटे किसान के यहां आपका विवाह भी हो गया।

जन जागरण के लिए जीवन को समर्पित करने वाली महिला थी राजमोहिनी देवी

छत्तीसगढ़ तमाम सम्पन्नताओं के बावजूद पिछड़ेपन के अभिशाप से जकड़ा रहा है, विशेष रूप से दूरस्थ आदिवासी अंचल बस्तर और सरगुजा अत्यंत पिछड़े हैं। हालात चाहे जैसे भी रहे हों, यहां क्रन्तिकारी बदलाव आश्चर्य का कारण बन गया। बदलाव का माध्यम बनी गोंड महिला जिसे हम आज श्रद्धा से पद्मश्री राजमोहिनी देवी के नाम से जानते हैं। नाम से भले ही वह राजपरिवार की लगती हों पर वनवासी वन और खेती पर जीवन बिताने वाली महिला थी। सरगुजा अंचल के छोटे से गांव शरदापुर में वीरसाय गोंड के घर में सबसे छोटी संतान के रूप मे इनका जन्म हुआ। राजमोहिनी का प्रारंभिक नाम रजमन था। आपके गांव से काफ़ी दूर प्रतापपुर में पांचवी तक पढ़ाई की व्यवस्था होने के कारण पांचवी तक आपकी शिक्षा हो सकी। 14वर्ष की उम्र में छोटे किसान के यहां आपका विवाह भी हो गया। आपने जन जागरण के लिए कठिन तपस्या और मौन साधना की। इस घटना के बाद राजमोहिनी देवी आपको नाम निला। 1963-64 में दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय नशाबंदी परिषद के सम्मेलन में आपको व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। सम्मेलन में लालबहादुर शास्त्री और मोरारजी देसाई भी उपस्थित थे। आप लोगों ने राज मोहिनी के कार्यों की काफी सराहना की। राजमोहिनी वापस आने पर शराबबंदी आंदोलन को और तेज कर दी। 1965 में जिला मुख्यालय अंबिकापुर में कलेक्टरेट के सामने हजारों लोगों के साथ धरने पर बैठ गई। प्रशासन को न केवल झुकना पड़ा बल्कि खुलेआम शराब बनाने और पीने पर भी प्रतिबंध लगाना पड़ा। 1958 में वे संत विनोबा भावे के सर्वोदय आंदोलन में सक्रिय हो गई। सैकड़ों एकड़ जमीन भूदान में आपने प्राप्त की। 9 जुलाई 1858 को उन्होंने सरगुजा सर्वोदय समिति के माध्यम से 23 आश्रमो की स्थापना की। इसके साथ ही अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं का संचालन भी आपने किया। लगातार कार्य करते अचानक स्वास्थ्य कारणों से रायपुर के अम्बेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसमें सुधार नहीं आया और 6 जनवरी 1994 को उनका स्वर्गवास हो गया।

राज्य में निवेश आसान हुआ, और सभी जरूरतें पूरी हुईं

पीएम मोदी के 5 सूत्रों को सीएम डॉ.यादव ने अपनाया, तमाम जरूरतों को पूरा किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व का फायदा मध्य प्रदेश को मिल रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव उनके एक एक शब्द पर अमल करते हैं जिसके कारण राज्य के विकास को पंख लगे हैं। इसी कड़ी में पीएम मोदी ने 5 प्रमुख बिंदुओं पर बल दिया, जो निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यहां 5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कें बनीं। 100% रेलवे विद्युतीकरण का कार्य पूरा हुआ। राज्य में नए लॉजिस्टिक्स हब और औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए हैं। रीवा और ओंकारेश्वर सोलर प्रोजेक्ट्स से मध्यप्रदेश भारत की ग्रीन एनर्जी कैपिटल बना। मध्यप्रदेश में 31,000 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता है, जिसमें 30% नवीकरणीय ऊर्जा शामिल है। मध्यप्रदेश को देश का फूड प्रोसेसिंग हब बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मिलेट्स (श्री अन्न) और जैविक कृषि के क्षेत्र में नई संभावनाएं दिखाई दे रही है। मध्यप्रदेश में ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और फार्मा सेक्टर में रिकॉर्ड निवेश आ रहा है।

पीएम नरेंद्र मोदी से मार्गदर्शन लेते हुए सीएम डॉ.मोहन यादव

पीएम मोदी के 5 सूत्र जिससे निवेश आसान हुआ

(1) 5 लाख किमी की बेहतरीन चमचमातीं सड़कें
2) 100% रेलवे विद्युतीकरण का कार्य पूरा हुआ
(3) राज्य में नए लॉजिस्टिक्स हब और औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए,
(4) मध्यप्रदेश भारत की ग्रीन एनर्जी कैपिटल बना
(5) मध्यप्रदेश देश का फूड प्रोसेसिंग हब बना

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीथमपुर को भारत का डिफेंस और ऑटोमोबाइल हब बनाने की योजना है। ओंकारेश्वर, उज्जैन महाकाल लोक और सांची जैसे धरोहर स्थल वैश्विक आकर्षण के केंद्र बन रहे हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और हील इन इंडिया ₹अभियान को बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों की प्रशंसा की और निवेशकों को प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर को पार करेगी और मध्यप्रदेश इसमें अहम योगदान देगा।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अब विरासत भी, विकास भी की नीति के साथ आगे बढ़ रहा है । केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए उपयोगी नीतियाँ अपनाई गई हैं। लॉजिस्टिक्स हब, एक्सप्रेसवे और औद्योगिक गलियारों का तेजी से विकास हो रहा है। टेक्सटाइल, फार्मा,ऑटोमोबाइल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

भारत के औद्योगिक भविष्य की नींव बना प्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि राज्य सरकार ने उद्योग वर्ष घोषित कर नवाचार, तकनीक और निवेश को प्रोत्साहित किया। मध्यप्रदेश को कॉटन कैपिटल ऑफ इंडिया का दर्जा मिला है । चंदेरी और माहेश्वरी साड़ियों को जीआई टैग मिला है, जिससे इनके निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। महाकाल लोक और रामराजा लोक जैसे धार्मिक पर्यटन केंद्रों को विकसित किया गया है। राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्वों को इको-टूरिज्म से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि भोपाल, इंदौर और जबलपुर में नए टेक्नोलॉजी पार्क विकसित किए जा रहे हैं। राज्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), बायोटेक और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में निवेश को बढ़ावा मिल रहा है। इससे राज्य की युवा प्रतिभाओं का पलायन रुकेगा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का बड़ा हिस्सा मध्यप्रदेश से गुजर रहा है, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा। देवास, पीथमपुर और रतलाम में हजारों एकड़ में नए औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। ्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि मध्यप्रदेश भारत के औद्योगिक भविष्य की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मध्य प्रदेश का औद्योगिक विकास बना नजीर

सीएम डॉ.यादव ने औद्योगीकरण के लिए 'लोकल से ग्लोबल' दृष्टिकोण अपनाया

मध्यप्रदेश अब औद्योगिक विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए लोकल से ग्लोबल दृष्टिकोण को अपनाया गया है। इस रणनीति के तहत रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और रोड शो जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से निवेशकों और उद्योगपतियों को आकर्षित करने के ठोस प्रयास किए गए हैं। यह पहल न केवल राज्य की आर्थिक समृद्धि को गति दे रही हैं, बल्कि स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान भी दिला रही हैं। औद्योगिक विकास की नींव तब मजबूत होती है जब स्थानीय उद्योगों को आवश्यक संसाधन, तकनीकी सहायता और निवेश का अवसर मिलता है। इसी सोच के साथ मध्यप्रदेश सरकार ने बीते कुछ महीनों में संभाग स्तर पर 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए,

- संभाग स्तर पर 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए
- स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों से बात कर उनका भरोसा जीता
- नतीजा ये रहा-भरोसा बढ़ा और निवेश की झड़ी लग गई

जिनका उद्देश्य स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों को निवेशकों और बड़े उद्योगपतियों से जोड़ना था।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के कारण स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय पहचान मिली। छोटे और मध्यम उद्यमों को बड़े व्यापारिक नेटवर्क से जोड़ा गया। इससे निवेशकों ने मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापित करने की रुचि दिखाई। इसके साथ ही उद्योगों को और अधिक अनुकूल माहौल देने के लिए आवश्यक बदलावों पर विचार किया गया। बढ़ते उद्योगों के कारण युवाओं के लिए नए रोजगार सृजित हुए। इन कॉन्क्लेव्स के माध्यम से एमएसएमई सेक्टर को विशेष बढ़ावा मिला, जिससे छोटे और मझोले उद्योगों को नई उड़ान मिली। प्रदेशभर में रिजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के सफल आयोजन ने निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया और मध्यप्रदेश को निवेश के लिए एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित किया। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और रोड शो जैसे आयोजनों के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार ने यह साबित कर दिया है कि वह न केवल स्थानीय उद्योगों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि वैश्विक निवेश को भी आकर्षित करना चाहती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य तेजी से औद्योगिक प्रगति की ओर बढ़ रहा है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, आधारभूत संरचना मजबूत होगी और प्रदेश की आर्थिक स्थिति और अधिक सुदृढ़ होगी।

केंद्र सरकार ने सीएम डॉ. यादव के कामों को सराहा

औद्योगिक क्रांति के इस नए दौर में, मध्यप्रदेश सिर्फ निवेशकों के लिए एक संभावनाओं से भरा प्रदेश नहीं, बल्कि एक ऐसा हब बन गया है जहां उद्योग, व्यापार और नवाचार एक साथ विकसित हो रहे हैं। आने वाले वर्षों में इन प्रयासों का प्रभाव और अधिक स्पष्ट होगा, जिससे प्रदेश न केवल आत्मनिर्भर भारत अभियान में योगदान देगा, बल्कि औद्योगिक क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करेगा। राजधानी में आयोजित ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के आयोजन पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उनके मंत्रिमण्डल सहयोगी तथा अफसरों के टीमवर्क की हौसला अफजाई करते हुए देश के गृहमंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर कहा कि यह आयोजन देश को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री ने ₹विकास की नई उड़ान₹ थीम पर जोर देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के औद्योगिक और आर्थिक भविष्य का अहम स्तंभ बनेगा। नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज जब दुनिया भारत की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है, तब मध्यप्रदेश जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में हो रहे नवाचार

राज्य सरकार की सेमी कंडक्टर और स्टार्ट-अप पॉलिसी,मील का पत्थर बनी

देश में टियर 2 सिटी टेक्नोलॉजी सेक्टर में लीडर बनकर उभर रहे हैं। इनमें जयपुर, इंदौर और भोपाल भी शामिल हैं। टीयर 1 सिटीज में ट्रैफिक और प्रदूषण जैसी समस्याएं होती हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी नई नीतियों में उद्योग-व्यापार को सहज-सरल बनाने पर ध्यान दिया गया है। मध्यप्रदेश सांस्कृतिक विविधता, खानपान दृष्टि से समृद्ध है। प्रदेश में 9 हवाई अड्डे है और यहाँ से इंटरनेशनल उड़ानें उपलब्ध हैं। प्रदेश में 21 अभायरण्य, 12 नेशनल पार्क और 7 टाइगर रिजर्व और 3 यूनेस्को साइट हैं। मध्यप्रदेश टाइगर और चीता स्टेट भी है। प्रदेश में बिजली सबसे सस्ती दरों पर मिलती है। भोपाल में एयरपोर्ट के पास 200 एकड़ भूमि पर एआई एवं नॉलेज सिटी पर काम चल रहा है। राज्य सरकार डेटा सेंटर स्थापित करने पर 2 रुपए प्रति यूनिट इलेक्ट्रिसिटी सब्सिडी दे रही है। हमने जीसीसी पॉलिसी 2025 के माध्यम से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का एक बेहतर माहौल तैयार किया है। प्रदेश में फिल्म निर्माण उद्योग तेजी से विस्तार कर रहा है। राज्य सरकार ने सेमी कंडक्टर पॉलिसी, स्टार्ट-अप पॉलिसी लॉन्च की हैं। प्रदेश में आईटी सेक्टर में 100 करोड़ निवेश करने पर 30 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। इसी प्रकार ड्रोन टेक्नोलॉजी सेक्टर में 100 करोड़ निवेश करने पर 34 करोड़ और सेमी कंडक्टर में 100 करोड़ निवेश करने पर 38 करोड़ सब्सिडी देने का प्रावधान किया है। समिट में मध्यप्रदेश की मजबूत उद्योग शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए, राज्य में मुख्यालय या परिचालन आधारित विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कंपनियों द्वारा मध्यप्रदेश की प्रौद्योगिकी सफलता एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्यमों को सशक्त बनाने में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर देशभर में चर्चा हो रही है। सीईओ इम्पेटस टेक्नोलॉजीज श्री संजीव अग्रवाल ने कहा कि वे पिछले 32 वर्षों से मध्यप्रदेश में कार्यरत हैं।उस समय राज्य में आईटी इकोसिस्टम की शुरुआत हो रही थी।

ऐसे हुआ अनुकूल वातावरण का निर्माण

मध्यप्रदेश सरकार का व्यावहारिक सहयोग, संवाद के प्रति खुलापन, लागत-प्रभावशीलता पर जोर और गुणवत्तापूर्ण प्रतिभा पर ध्यान, ये सभी कारक मिलकर निवेश और विकास के लिए अत्यंत अनुकूल वातावरण का निर्माण करते हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि आज राज्य वैश्विक ग्राहकों के साथ सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है और निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।यदि कोई निवेशक सतत विकास, मजबूत सरकारी सहयोग और विश्वसनीय पारिस्थितिकी तंत्र की तलाश में है, तो मध्यप्रदेश इसके लिए सबसे उपयुक्त और आदर्श स्थान है।

प्राकृतिक संसाधनों की भरमार

मध्यप्रदेश में उद्योग काफी हद तक प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर है। यहां चूना पत्थर, कोयला, तिलहन, दालें, बॉक्साइट, लौह अयस्क, हीरा, तांबा अयस्क, मैंगनीज अयस्क, रॉक फॉस्फेट, सिलिका, सोया, कपास और अन्य प्राकृतिक संपदा प्रचुर मात्रा में है। राज्य में कपड़ा, सीमेंट, इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल और ऑटो कम्पोनेंट, फार्मा और ऑप्टिकल फाइबर जैसे क्षेत्रों के लिए एक मजबूत औद्योगिक नींव बनी हुई है। राज्य में निवेश को आकर्षित करने के लिए मध्यप्रदेश संसाधनों से समृद्ध राज्य है। प्रगतिशील नीतियों और सक्रिय उपायों के माध्यम से सरकार लगातार कारोबारी माहौल में सुधार कर रही है। मध्यप्रदेश के संसाधनों और निवेश के अवसरों के बारे में निवेशकों में जागरूकता पैदा करने के लिए राज्य सरकार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों की संगोष्ठी का आयोजन करती है। अपने संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और निवेशकों के लिए एक सुविधाजनक वातावरण बनाने पर ध्यान देते हुए, मध्यप्रदेश बहुत जल्द ही औद्योगिक समुदाय के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य बनने की उम्मीद रखता है।

मध्यप्रदेश सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव लाने वाला देश का तीसरा राज्य

104 अरब डॉलर का निवेश और देश में प्रदेश का अपना मॉडल चर्चित

- *आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अभूतपूर्व योगदान*
- *राज्य के पास अपनी प्राकृतिक संपदा की समृध्द विरासत*

मध्यप्रदेश, भारत का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है, जो प्राकृतिक संसाधनों, स्वास्थ्यकर वातावरण और उपजाऊ कृषि वातावरण स्थितियों से संपन्न है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में काफी बदलाव आया है। बाजार की ताकतों ने औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश प्रवाह को निर्देशित करना शुरू कर दिया है। आर्थिक विकास के लिए औद्योगिक विकास में निवेश बढ़ाना, मध्यप्रदेश के लिए प्रमुख केंद्रित क्षेत्रों में से एक है। तेजी से विकसित हो रहा यह राज्य विभिन्न क्षेत्रों में भारी व्यापार के अवसर प्रदान करता है। मध्यप्रदेश में निवेशकों को परियोजना के स्थान, बुनियादी ढांचे, प्रोत्साहन और अन्य सुविधाओं के मामले में बेहतर विकल्प उपलब्ध है। वर्तमान समय में विभिन्न चरणों में 104 अरब से अधिक अमेरिकी डॉलर वाले निवेश के प्रस्ताव हैं। बड़ी बात ये है कि मप्र में जिस तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर डवलप किया गया है वो चर्चित हो रहा है।

मध्यप्रदेश विकास और अवसरों का केंद्र होने के साथ निवेशकों और उद्योगपतियों के लिए उन चुनिंदा राज्यों में है, जहां प्राकृतिक संसाधन, उद्योग-अनुकूल नीतियां, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और सहयोगी सरकार सभी निवेशकों के लिए आदर्श वातावरण तैयार कर रहे हैं। प्रदेश में 18 नई उद्योग-अनुकूल नीतियां, विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को सर्वोत्तम सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। सभी राज्यों के बीच औद्योगिक विकास की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा चल रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश के सभी राज्यों को आगे बढ़ने का समान अवसर मिल रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था आज भी उहापोह की स्थिति में है, ऐसी परिस्थिति में भी भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत के लोकतंत्र में 'जियो और जीने दो' की भावना समाहित है। उद्योग-व्यापार से कई लोगों के जीवन में सवेरा आता है। इससे पवित्र काम कुछ नहीं हो सकता है। मध्यप्रदेश विकास के सभी सेक्टर्स में लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर भी कई बड़े पुरस्कार मिले हैं। हमारे टूरिज्म सेक्टर में सबसे अच्छे रिजल्ट देखने को मिल रहे हैं। पिछले दो साल में हमने प्रदेश में दो नए टाइगर रिजर्व बनाए हैं। मध्यप्रदेश टाइगर और वल्चर स्टेट तो है ही, हमारी धरती पर चीता भी तेजी से अपना कुनबा बढ़ा रहा है।

निवेश के व्यापक अवसर: मध्यप्रदेश में होटल, हास्पिटल, एआई, ड्रोन, सेमी कंडक्टर निर्माण एवं अन्य कई व्यवसाय स्थापित करने पर अनुदान दिया जा रहा है। राज्य सरकार ने पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खोलने की शुरुआत की है। जिससे प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को गति मिलेगी और हमें पर्याप्त संख्या में डाक्टर्स भी मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, फार्मा, आईटी और पेट्रो केमिकल्स जैसे सभी प्रमुख सेक्टर्स में निवेश के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

ऐसे मजबूत हुआ मप्र

मजबूत अर्थव्यवस्था : अवधि के दौरान 9.5% के प्रभावशाली सीएजीआर के साथ भारत में सबसे तेजी से बढ़ रहा राज्य
मजबूत औद्योगिक बुनियादी ढांचा : औद्योगिक निवेश की सुविधा के लिए 231 अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र, 19 विकास केंद्र, चार अधिसूचित विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) और 12 उत्पाद विशिष्ट औद्योगिक पार्क।
रणनीतिक स्थान : भारत के केंद्र में स्थित, देश भर के सभी प्रमुख बाजारों और प्रथम स्तरीय शहरों के करीब।
शांतिपूर्ण माहौल : राज्य में निवेश प्रक्रिया की निर्बाध सुविधा के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने कई निवेशक अनुकूल नीतियां बनाई है और एकल खिड़की सचिवालय, म. प्र. ट्रायफेक का निर्माण किया है।
बेहतरीन कनेक्टिविटी : 99403 किमी. की मजबूत सड़क का नेटवर्क, जो राज्य को एक आदर्श स्थल, केंद्रीकृत विनिर्माण और वितरण का केंद्र बनाता है।
औद्योगिक उपयोग के लिए बड़े पैमाने पर भूमि : राज्य भर में विभिन्न रणनीतिक स्थानों पर औद्योगिक उपयोग के लिए 16,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि।
मजबूत उपभोक्ता आधार : 70 लाख से अधिक की आबादी के साथ, बड़े शहरों की 40% विकास दर की तुलना में राज्य की दशक की शहरीकरण विकास दर 26% की है।

सुविधा संपन्न राज्य

- उद्योग अनुकूल प्रशासन का निर्माण और एक पैनी औद्योगिक संवर्धन नीति।
- छोटे, मध्यम और कुटीर उद्यमों के विकास के लिए राज्य, सुविधाजनक वातावरण प्रदान करता है।
- यहां विशेष आर्थिक क्षेत्र है।
- उद्योगों के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करता है।
- प्रमुख औद्योगिक शहरों के साथ एयर कनेक्टिविटी उपलब्ध है।
- 25 करोड़ रुपए से अधिक निवेश वाली बड़ी निवेश परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहन के साथ विशेष पैकेज।
- औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए सहायता।
- पर्यटन परियोजनाओं के लिए रियायतें।
- परियोजना क्लीयरेंस कार्यान्वयन बोर्ड (पीसीबी) के माध्यम से मेगा परियोजनाओं को एकल तालिका मंजूरी। लगभग 2,64,129 करोड़ रुपए लागत वाली परियोजनाएं की है।

D-16014/26

नए मेडिकल कालेजों में फैकल्टी की कवायद, 64 एसोसिएट प्रोफेसर की पदोन्नति के लिए हुई डीपीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चिकित्सा शिक्षा विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में सेवा देने वाले डाक्टर अब प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किए जाएंगे। सूची में शामिल 64 सह- प्राध्यापकों की भर्ती के लिए सीजीपीएससी में बैठक हुई। चर्चा पूर्ण होने के बाद जल्दी ही पदोन्नत चिकित्सकों की सूची जारी की जाएगी। वर्ष 2021 के बाद अब पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसके खुलने वाले नए मेडिकल कालेजों में एनएमसी के मापदंड के अनुसार फैकल्टी की व्यवस्था की कवायद बताई जा रही है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के मेडिकल कालेजों में कार्यरत चिकित्सकों को काफी समय से अपनी पदोन्नति का इंतजार है। प्रोबेशन पीरियड खत्म होने के बाद भी वे पुराने पदों पर ही कार्यरत हैं। राज्य आगामी शिक्षण सत्र के दौरान पांच नए मेडिकल कालेज खोलने की तैयारी है। इसके लिए एनएमसी की गाइडलाइन के अनुसार चिकित्सा शिक्षकों की नियुक्ति करनी होगी। विभाग पहले ही चिकित्सा शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है और इसकी एक वजह लंबे समय से पदोन्नति नहीं होना था। जरूरतों को ध्यान में रखते हुए योग्य डाक्टरों की सूची तैयार कर पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू की गई। मंगलवार को सीजीपीएससी के कार्यालय में डीपीसी हुई। इसमें 64 सह प्राध्यापकों को प्राध्यापक बनाने विचार किया गया। सूत्रों का कहना है कि जल्दी ही पदोन्नति का लाभ पाने वाले चिकित्सकों की सूची जारी की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक प्रोफेसर बनाए जान वाले कई डाक्टरों की नियुक्ति जरूरतों के हिसाब से नए और ऐसे पुराने मेडिकल कालेजों में किया जाएगा जहां एनएमसी की कार्रवाई का खतरा बना हुआ है। इस पदोन्नति के बाद सहायक प्राध्यापकों की पदोन्नति के रास्ते खुलेंगे।

प्राध्यापक बनाए जाएंगे, 2021 के बाद नहीं मिला था प्रमोशन, सूची का इंतजार

बढ़ेगी ढाई सौ सीट

खुलने वाले पांच नए मेडिकल कालेज से प्रदेश में एमबीबीएस की ढाई सौ सीटे बढ़ जाएगी। इससे ज्यादा से ज्यादा छात्रों को चिकित्सा की पढ़ाई करने का मौका मिलेगा। नए कालेजों को संसाधन युक्त बनाने के लिए नजदीकी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों को जिम्मेदारी दी गई। नए कालेजों के निर्माण सहित अन्य कार्यों के लिए प्रभारी डीन की नियुक्ति की जा चुकी है।

संविदा भर्ती बड़ी चुनौती

इन कालेजों में 175 पदों डाक्टरों की नियुक्ति के लिए संविदा भर्ती की प्रक्रिया बड़ी चुनौती बनी हुई है। नए कालेज ऊपर से संविदा भर्ती की वजह से युवा डाक्टर इसमें खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। पहले दौर में हुई साक्षात्कार में बेहद कम संख्या में लोग शामिल हुए है। इसकी दूसरी बड़ी वजह कम वेतन को भी बताया गया है। संविदा भर्ती की प्रक्रिया समय-समय पर पूरी की जाएगी।

व्यावसायिक भवन, मल्टीस्टोरी-मॉल्स में लगी लिफ्ट में लोग फंसे तो ऑनर के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर में अब किसी भी बड़े व्यावसायिक भवनों, मल्टीस्टोरी भवनों, मॉल्स तथा अन्य किसी भी संस्थान में स्थापित लिफ्ट को मेंटनेंस रखने की जिम्मेदारी उनके ऑनर की है। लिफ्ट में किसी प्रकार की खराबी आती है और लोग उसमें फंसते हैं, तो इसके लिए भवन का ऑनर जिम्मेदार होगा। लिफ्ट में फंसे लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना भी ऑनर की ही जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही या लापरवाही बरती गई, तो संबंधित भवन मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश मंगलवार को कलेक्टर गौरव सिंह ने रेडक्रास भवन में व्यावसायिक एवं अन्य मल्टी स्टोरी भवन प्रबंधकों के साथ बैठक लेकर दिए हैं।

लिफ्ट का मेंटनेंस, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर हुई चर्चा

कलेक्टर की मौजूदगी में हुई बैठक में सुरक्षा मानकों, नियमित रख-रखाव, फिटनेस प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा प्रावधानों के परीक्षण के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर ने कहा कि अस्पतालों, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स एवं मल्टीस्टोरी भवनों में लिफ्टों का नियमित एवं व्यवस्थित मेंटेनेंस अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लिफ्ट चलते समय अचानक बंद हो जाती है, तो उसमें फंसे लोगों को तत्काल लिफ्ट से बाहर निकालने का इंतजाम करने की व्यवस्था भवन मालिक को करना है। ऐसा नहीं किया गया तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि कई संस्थानों द्वारा लिफ्ट प्रबंधन के लिए विशेष रूप से लोगों एवं दिव्यांगजनों को नियोजित किया गया है। इस प्रकार सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा सकते हैं। कलेक्टर ने सभी संस्थानों को एक सप्ताह के भीतर लिफ्ट ऑपरेटिंग सिस्टम दुरुस्त करने, आवश्यक प्लानिंग तैयार करने, सभी लिफ्टों में चालू इमरजेंसी नंबर प्रदर्शित करने तथा पूरी मशीनरी को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए।

भवनों में लिफ्ट की जांच करने संयुक्त टीम गठित

कलेक्टर ने सभी भवनों का निरीक्षण कर जांच करने के लिए टीम गठित की है। इस टीम में पुलिस, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, होमगार्ड, नगर निगम एवं सीएसपीडीसीएल के अधिकारी शामिल रहेंगे, जो लिफ्ट की कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था, इमरजेंसी नंबरों एवं अन्य सुरक्षा प्रावधानों की जांच करेगी। किसी भी प्रकार की तकनीकी अथवा मानवीय त्रुटि पाए जाने पर संबंधित भवन स्वामी को जिम्मेदार माना जाएगा। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि किसी दुर्घटना की स्थिति में ऑपरेटर नहीं, बल्कि भवन स्वामी जवाबदेह होंगे।

बैठक में ये अफसर भी रहे उपस्थित

इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एडीएम उमाशंकर बंदे, जिला सेनानी पुष्पराज सिंह तथा नगर निवेशक आभाष मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राजधानी रायपुर के रजबंधा मैदान स्थित एक निजी काम्पलेक्स में भाजपा प्रवक्ता अमित चिमनानी सहित अन्य लोग लिफ्ट के अंदर फंस गए थे। लगभग सभी 15 मिनट तक लिफ्ट में फंसे रहे, जिन्हें सुरक्षा गार्ड की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। हालांकि इस घटना के दौरान बड़ा हादसा भी हो सकता था, क्योंकि लिफ्ट चलते हुए अचानक बंद हो गई थी। इस घटना के दौरान कोई भी तकनीकी सहायता टीम नहीं पहुंची थी।

पुराने सैंपलों की रिपोर्ट आई नहीं, जांच के लिए तीन दिन का नया अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

फल बाजार से उठाए गए पुराने सैंपलों की रिपोर्ट अब तक नहीं आई है और अब तीन दिन का नया अभियान चलाया जाएगा। 27 से 29 मई तक अभियान के दौरान खाद्य निरीक्षक राज्यभर की फल मंडी से लेकर फुटकर दुकानों में रेंडम जांच करेंगे। इस दौरान सड़े-गले फलों को नष्ट कराया जाएगा और संदेह होने पर उनके सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा जाएगा। पिछले दिनों जांजगीर में बच्चे की मौत के मामले में तरबूज का जिक्र आने पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने लालपुर के फल मार्केट में जांच करने के बाद पांच फलों के सैंपल लेकर उसे जांच के लिए लैब भेजा था। करीब दस दिन गुजरने के बाद इसकी जांच पूरी नहीं हो पाई है। इधर बाजार में बिकने वाले फलों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए तीन दिन का राज्यव्यापी अभियान चलाने की तैयारी है। जिला स्तर पर इसके लिए अभिहित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। 27 से 29 मई तक वे फल मंडियों, थोक और चिल्हर व्यापारियों के पास जाकर फलों की क्वालिटी की जांच करेंगे। इस दौरान किसी तरह के फल खराब मिलते हैं तो उन्हें नष्ट कराया जाएगा और दुकानदार के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा फलों के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ का संदेह होता है, तो उसके सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा जाएगा।

अफसरों का दावा अब तक मिलावट नहीं

इधर खाद्य एवं औषधि प्रशासन से जुड़े अफसरों का दावा है कि राज्य में अब तक फलों के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ अथवा उसे आकर्षक बनाने केमिकलों का गलत उपयोग किए जाने का मामला सामने नहीं आया है। आमतौर आम और केला को पकाने के लिए कार्बाइट पत्थर का उपयोग किए जाने की बात सामने आती है। व्यापारियों को ऐसा नहीं करने के लिए पहले ही सख्त हिदायत की दी गई है। वहीं व्यापारियों को यह भी ताकीद किया गया है कि फलों पर किसी तरह के स्टीकर लगाकर बिक्री नहीं की जाए।

जांच के निर्देश

टीम को तीन दिन मंडियों में जाकर फलों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के दौरान सड़े-गले फलों को नष्ट भी कराया जाएगा। विभाग आम लोगों को गुणवत्ता पूर्ण खाद्य पदार्थ मिले, इसके लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

- दीपक अग्रवाल, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन

कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास विभाग)
पांच बिल्डिंग परिसर, जिला-दुर्ग (छ.ग.) Phone No. :- 0788-2323704, E-Mail ID : dpodurg@gmail.com

क्रमांक/580/ मबावि/सावि/2026-27 दुर्ग, दिनांक 25/05/2026

"शुद्धि पत्र"

"मिशन शक्ति अंतर्गत सखी निवास अंतर्गत आरक्षित पदों को अनारक्षित करने तथा विज्ञापन में उल्लेखित सखी निवास के संविदा पदों के स्थान पर सखी निवास के सेवा प्रदाता के पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन अंकित किए जाने के संबंध में "शुद्धि पत्र" जारी करने तथा उक्त के संबंध में दावा आपत्ति आमंत्रित"

महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग द्वारा मिशन शक्ति अंतर्गत सखी निवास हेतु कार्यालय पत्र क्रमांक/3051/मबावि/सावि/2025-26/दुर्ग, दिनांक 01.12.2025 एवं 15.12.2026 के तहत जी. 252605258/1 दिनांक 06.12.2026 एवं जी. 252605521/2 दिनांक 15.12.2026 द्वारा विज्ञापन जारी किया था। विज्ञापित पदों में प्रबंधक, वार्डन एवं केयर टेकर के पदों में भर्ती हेतु आरक्षण नियम अनुसार पदों को आरक्षित किया गया है। शासन के निर्देशानुसार उक्त पद सेवा प्रदाता के पद होने से आरक्षण नियम का पालन किया जाना अनिवार्य नहीं है। उक्त निर्देशों के परिपालन में 01.12.2025 को जारी विज्ञापन में अंकित आरक्षित पदों को अनारक्षित करने तथा विज्ञापन में उल्लेखित सखी निवास के संविदा पदों के स्थान पर सखी निवास के सेवा प्रदाता के पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन अंकित किए जाने के संबंध में ₹शुद्धि पत्र₹ जारी किया जाता है तथा उक्त के संबंध में किसी भी प्रकार का दावा आपत्ति 10 दिवस के भीतर महिला एवं एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग (छ.ग.) को प्रेषित किया जा सकता है। "शुद्धि पत्र" का अवलोकन जिले की वेबसाईट www.durg.gov.in एवं कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला-दुर्ग के सूचना पटल पर किया जा सकता है। दावा आपत्ति करने की अंतिम तिथि 03.06.2026 निर्धारित की गई है। आवेदक अपनी दावा आपत्ति स्पीड पोस्ट, ई-मेल, कोरियर या कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है

जिला कार्यकम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

जी-262701007/1

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
टी.डी.पी0पी., जल संसाधन संभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्रमांक 01

नि.आ.सू. क्रमांक 01/वलेलि/26-27 दिनांक 13.05.2026 सिस्टम निविदा क्र. 190526 (प्रथम आमंत्रण) जी नंबर 262700705, नि.आ.सू. क्रमांक 03/वलेलि/26-27 दिनांक 14.05.2026 सिस्टम निविदा क्र. 190691 (प्रथम आमंत्रण) एवं नि.आ.सू. क्रमांक 04/वलेलि/26-27 दिनांक 14.05.2026 सिस्टम निविदा क्र. 190692 (प्रथम आमंत्रण) जी नंबर 262700747, नि.आ.सू. क्रमांक 05/वलेलि / 26-27 दिनांक 18.05.2026 सिस्टम निविदा क्र. 191017 (प्रथम आमंत्रण) एवं नि.आ.सू. क्रमांक 06/वलेलि / 26-27 दिनांक 18.05.2026 सिस्टम निविदा क्र. 191025 (प्रथम आमंत्रण) जी नंबर 262700858 में कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, छत्तीसगढ़ नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी पत्र क्रमांक 4211220/ नि./ सर्कु. / 2023-24/4212 दिनांक 21.05.2026 के अनुसार कंडिका 2.1.1, 2.6 एवं 4.0 में संशोधन किया जाता है। विस्तृत विवरण छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में देख सकते हैं।

टीप :- निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेंगीं।

कार्यपालन अभियंता
टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग,
जगदलपुर

जी. 262700998/4

न्यायालय तहसीलदार पाली, जिला-कोरबा (छ.ग.)

कमांक/928 / ना. तह. / वा./2026 पाली, दिनांक 19/05/2026

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202603052900002/02/अ-19(3)/2025-26
ग्राम पुलालीकला तहसील पाली जिला-कोरबा (छ.ग.)

एतद् द्वारा आम जनता पुलालीकला तहसील पाली जिला कोरबा को सूचित किया जाता है आवेदक कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग कोरबा जिला कोरबा का पत्र क्रमांक 992/तक/भू-अर्जन/गुंजननाला व्यपत्र/ 2026 कोरबा, दिनांक 10.03.2026 द्वारा ग्राम पुलालीकला प.ह.नं. 12 रा.नि.मं. पोड़ी, तहसील पाली, जिला कोरबा स्थित भूमि ख.नं. 7/1 कुल रकबा 15.713 हे. में से 0.352 हे., ख.नं. 1/1 क कुल रकबा 26.637 हे. में से 0.344 हे., ख.नं. 5/1 कुल रकबा 1.214 हे. में से 0.020 हे., कुल खसरा नं. 03 कुल रकबा 0.716 हे. भूमि को गुंजननाला व्यपवर्तन योजना के तहत छ.ग. शासन जल संसाधन विभाग / कार्यपालन अभियंता जल संसाधान संभाग कोरबा के नाम हस्तांतरित / आबंटित करने हेतु आवेदन प्राप्त हुआ है। उक्त प्रकरण आबंटन की कार्यवाही पूर्ण करने हेतु जॉच कर प्रतिवेदन प्रेषित करने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कटघोरा के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा / आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने मान्य अभिभाषक के साथ दिनांक 02/06/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

आज दिनांक 19/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
पाली, जिला कोरबा (छ.ग.)

जी. 262701021/1

छत्तीसगढ़ में स्टार्टअप को 10 से अधिक लोगों को रोजगार देने पर मिलेगी 10 लाख की प्रोत्साहन राशि

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने नए नियम बनाए हैं। इस नियम के तहत यदि स्टार्टअप 10 से अधिक स्थायी रोजगार सृजित करता है, जिसमें राज्य के मूल निवासी कर्मचारी शामिल हों, तो वे इस अनुदान के पात्र होंगे। अनुदान की राशि 10 लाख रुपए होगी। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में स्टार्टअप इकोसिस्टम को गति देने के लिए 'छत्तीसगढ़ स्टार्टअप प्रोत्साहन नियम, 2026' जारी किया है। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के मुताबिक राज्य में काम कर रहे पात्र स्टार्टअप्स को कई प्रकार की छूट और वित्तीय अनुदान दिए जाएंगे। इस नीति का मुख्य उद्देश्य उन नवाचारों को प्रोत्साहित करना है जो स्थानीय समस्याओं का समाधान और रोजगार के अवसर पैदा करते हैं। नई नीति के अनुसार, अनुदान के लिए स्टार्टअप का डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त होना अनिवार्य है। इसके अलावा, स्टार्टअप की गतिविधियों का छत्तीसगढ़ में स्थापित या संचालित होना जरूरी है। जो स्टार्टअप केवल पारंपरिक व्यावसायिक इकाइयों की पुनरावृत्ति करते हैं, वे इस नीति के तहत लाभ के लिए पात्र नहीं होंगे। छत्तीसगढ़ सीड फंड सहायता के तहत पात्र स्टार्टअप्स को अपने शुरुआती चरणों विकास) के लिए 10 लाख रुपये तक की सीड फंड सहायता मिल सकेगी। हालांकि, इसके लिए इनक्यूबेटर से अनुशंसा प्राप्त होना अनिवार्य है। किराया अनुदान- औद्योगिक या वाणिज्यिक उपयोग के लिए ली गई जगह के किराये पर स्टार्टअप्स अनुदान पा सकेंगे। पब्लिक वेलफेयर और सर्क्युलर इकोनॉमी के स्टार्टअप्स को 5 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान देने का प्रावधान रखा गया है।

राशिफल

मेष मन परेशान रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार का विस्तार हो सकता है। यात्रा पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। संयत रहें।

वृष व्यवधान आ सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन सुख में कमी आयेगी। मन परेशान हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

मिथुन लाभ के अवसर मिलेंगे। मित्रों से सद्भाव बनाकर रखें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं। वाणी में मधुरता रहेगी।

कर्क कारोबार में कुछ कठिनाइयां तो आ सकती हैं। फिर भी लाभ में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी।

सिंह रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ बढ़ेगा। मित्रों के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

कन्या तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। परिश्रम अधिक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। क्षणे रुष्टा-क्षणे तुष्टा की मन:स्थिति रहेगी।

तुला नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। मन परेशान रहेगा। अफसरों का सहयोग मिलेगा। वाद-विवाद से बचें।

वृश्चिक किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। पिता के स्वास्थ्य को लेकर परेशान हो सकते हैं।

धनु नए अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन प्रसन्न रहेगा।

मकर नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

कुंभ वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। आत्मविश्वास में कमी आएगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं।

मीन आय में वृद्धि होगी। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी।

कौशिक के बाद भाजपा विधायक से ठगी राज्य में कोई सुरक्षित नहीं- कांग्रेस

रायपुर। भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा के साथ सायबर ठगी इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ में कोई भी सुरक्षित नहीं है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, राज्य में भाजपा की सरकार का खौफ अपराधियों में खत्म हो चुका है। कानून व्यवस्था बद से बदतर हो चुकी है। कुछ दिन पहले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, भाजपा के वरिष्ठ नेता धरमलाल कौशिक का सरेआम मोबाइल लूट लिया जाता है। भाजपा के विधायक के साथ ठगी हो जाती है और ठगी ऐसे विधायक के साथ हो जाती है, जो पेशे से अधिवक्ता हैं। घटना से अनुमान लगाया जा सकता है कि राज्य में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। ऑफलाइन, ऑनलाइन ठगी हो रही है।

कार्यालय अधिष्ठाता स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शास. चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)
(दूरभाष क्र. 07762-220742 वेबसाईट www.gmeraigarh.edu.in ई मेल gmcraigarh.2013@gmail.com)

क्रमांक / शा.चि.म./स्था./2026/4378 रायगढ़, दिनांक 25/5/26

विज्ञापन-सूचना

स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ के द्वारा विभिन्न विभागों में चिकित्सा शिक्षक एवं रेसीडेंट चिकित्सों के रिक्त पदों पर संविदा भर्ती किये जाने हेतु विज्ञापन प्रकाशन तिथि उपरॉत दिनॉक 04.06.2026 से दिनॉक 05.06.2026 तक "वॉक-इन-इन्टरव्यू" आयोजित किया जावेगा। महाविद्यालय की वेबसाईट www.gmcraigarh.edu.in पर चिकित्सा शिक्षक एवं रेसीडेंट चिकित्सकों की विभागवार रिक्तियों की जानकारी, संविदा वेतन तथा नियम एवं शर्तों की जानकारी उपलब्ध है।

अधिष्ठाता
स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति
चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

जी-262701023/2

कार्यालय उप संचालक
पशु चिकित्सा सेवायें, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
Phone & Fax No. 07856-252237 E-Mail-ddvsdant.cg@nic.in

क्रमांक/255/प.चि./ डी.एम.एफ./2026-27 दन्तेवाड़ा दिनांक 25.05.2026

संविदा भर्ती संक्षिप्त विज्ञप्ति

कार्यालय उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ0ग0) के स्थापनान्तर्गत शासन से स्वीकृत सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी (AVFO) के रिक्त पदों पर संविदा के भर्ती हेतु आवेदन पत्र मूल प्रमाण पत्र सहित अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आवेदन पत्र दिनांक 18/06/2026 तक आमंत्रित किये जाते हैं। रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	पदनाम	मासिक वेतन	रिक्त पद संख्या	वर्गवार रिक्त पद											
				अनारक्षित			अजजा			अजा			अपिव		
				मु.	म.	वि.	मु.	म.	वि.	मु.	म.	वि.	मु.	म.	वि.
1	सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी (तृतीय श्रेणी)	23,350	04	01	-	-	01	-	-	01	-	-	01	-	-

कार्यालय उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें जिला- द.ब.दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
भर्ती से संबंधित समस्त जानकारी हेतु जिले के वेबसाईड dantewada.nic.in का अवलोकन कर सकते है एवं प्रपत्र डाउनलोड की जा सकती है।

उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें
जिला- द.ब.दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

जी-262701013/3

शब्द पहेली - 6238

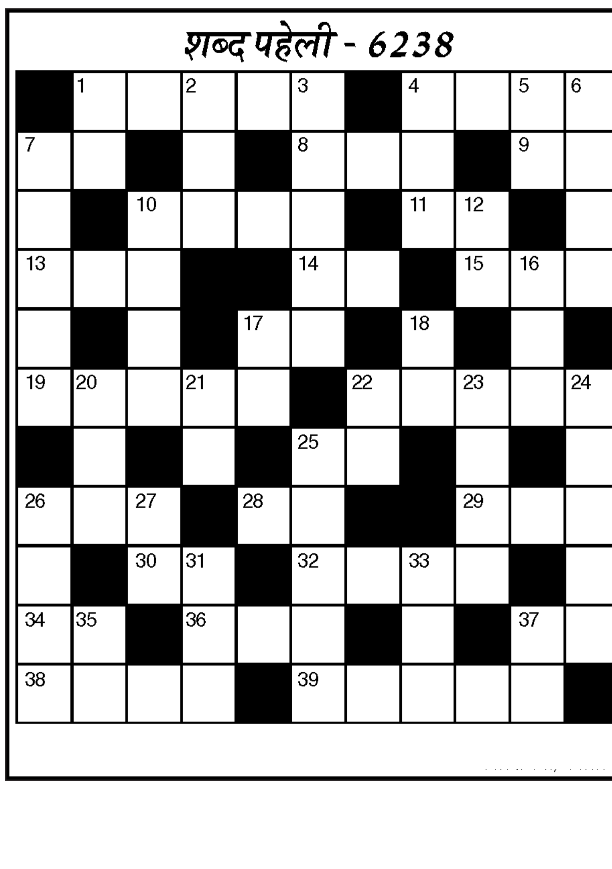

बाएँ से दाए
1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल,समय,पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु,मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र,बेटा-3
14. क्षार,खारा-2
15. दर,मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा,भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी,सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन,परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त,निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1. झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2. सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा,धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय,खौफ-2
20. वेग,गति-3
21. मुंह,चेहरा-2
22. पैर,ओहदा-2
23. वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी,कंद-5
25. सभागार,सभाकक्ष-5
26. भयंकर,खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर,डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली- 6237 का हल

■	रा	ज	कु	पू	र	■	अ	च	र	ज
ज	य	■	रा	■	क्षि	ति	ज	■	त	ला
ना	■	अ	मा	न	त	■	र	वा	■	व
न	सी	ह		■	व	ह	■	म	का	न
खा	■	म	■	र	न	र	■	■	ल	■
ना	म	क	र	ण	■	स	ला	ह	का	र
■	हा	■	■	वी	रा	ना	■	र	■	ज
का	न	न	■	र	ज	■		जा	ग्र	त
म	■	र	ज	■	घ	ब	रा	ना	■	प
का	र	■	ग	ज	रा	■	ज	■	प	ट
ज	न	म	त	■	ना	ट	क	का	र	■

सूडोकु नवताल 6248

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6247 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

खबर संक्षेप

बीएसएनएल का राजस्व दो साल में 19 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल का राजस्व बुनियादी ढांचे में सुधार के कारण दो साल में लगभग 19 प्रतिशत बढ़कर 25,000 करोड़ रुपये हो गया। बयान में संचार राज्यमंत्री चंद्र शेखर पेम्मासानी के प्रसार भारती को दिए गए एक साक्षात्कार का हवाला देते हुए कहा गया है कि बीएसएनएल के बदलाव के लिए सुनियोजित दृष्टिकोण अपनाये जाने से इसके वित्तीय प्रदर्शन में सुधार हुआ है। पेम्मासानी ने कहा, 'वित्तीय सुधार उल्लेखनीय है। बीएसएनएल का राजस्व दो वर्षों में 21,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 25,000 करोड़ रुपये हो गया है। यह 20 से 25 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) में भारी उछाल आया है और यह 50 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 7,000 करोड़ रुपये हो गई है।'

अदाणी ग्रीन की बीईएसएस की क्षमता बढ़कर 3.37 गीगावाट

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने गुजरात के खावड़ा में अपनी बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की परिचालन क्षमता बढ़ाकर 3.37 गीगावाट घंटा कर दी है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि मार्च, 2026 में 1.37 गीगावाट घंटा की क्षमता जोड़ने के बाद उसकी कुल परिचालन बीईएसएस क्षमता बढ़कर 3.37 गीगावाट घंटा हो गई है। खावड़ा में एजीईएल 30 गीगावाट का नवीकरणीय ऊर्जा पार्क विकसित कर रही है, जिसमें से 9.9 गीगावाट क्षमता पहले ही चालू हो चुकी है। कंपनी ने कहा कि यह चीन के बाहर एक ही स्थान पर स्थापित दुनिया की सबसे बड़ी बैटरी भंडारण परियोजना है और वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से लागू की गई परियोजनाओं में शामिल है।

एक्मे सोलर ने एसईसीआई से किया बिजली खरीद समझौता

नई दिल्ली। एक्मे सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसने 300 मेगावाट/1,200 मेगावाट घंटा की एक परियोजना के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) के साथ बिजली खरीद समझौता किया है। नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी एक्मे सोलर ने एक बयान में कहा कि उसकी अनुषंगी इकाई एक्मे रिन्यूटेक सिक्स्थ प्राइवेट लिमिटेड ने 25 वर्षीय बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत आईएसटीएस-ग्रिड से जुड़ी यह परियोजना 300 मेगावाट/1,200 मेगावाट घंटा की अधिकतम बिजली क्षमता प्रदान करेगी।

भारतीय शेयर बाजार को लगा बड़ा झटका, छोटे से देश 'ताइवान' ने पछाड़ा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर मची होड़ अब शेयर बाजारों की तस्वीर भी बदलने लगी है। इसी बदलाव का असर अब भारत पर भी दिखा है, जहां ताइवान ने कुल मार्केट कैप के मामले में भारतीय शेयर बाजार को मामूली अंतर से पीछे छोड़ दिया है। ताइवान का बाजार काफी केंद्रित है और वहां कुछ बड़ी टेक कंपनियों का दबदबा है। इसके उलट भारतीय बाजार कई सेक्टर्स में फैला हुआ है और यहां निवेश का आधार कहीं ज्यादा व्यापक है। भारतीय बाजार की यही विविधता उसे लंबी अवधि में ज्यादा स्थिर बनाती है।

एआई को लेकर मची होड़ अब शेयर बाजारों की तस्वीर बदल रही

एआई बूम ने बदल दिया ताइवान का खेल

ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक, ताइवान का कुल मार्केट कैप बढ़कर 4.95 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है, जबकि भारत का मार्केट कैप 4.92 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया। इस बढ़त के साथ ताइवान दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह एआई सेक्टर में भारी निवेश को माना जा रहा है। दुनिया भर के निवेशक इस समय चिप, मेमोरी और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने वाली कंपनियों में पैसा लगा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा ताइवान की दिग्गज कंपनी टीएसएमसी को मिला है।

अकेली टीएसएमसी ने खींचा पूरा बाजार

ताइवान के मुख्य इंडेक्स टायेक्स में टीएसएमसी की हिस्सेदारी करीब 42 फीसदी है। यही वजह है कि कंपनी के शेयरों में तेजी का असर सीधे पूरे बाजार पर दिखाई देता है। इस साल एआई बूम के कारण टीएसएमसी का शेयर करीब 49 फीसदी तक चढ़ चुका है। सेबी प्रमुख ने इसी को ताइवान बाजार का "कंसंट्रेटेड नेचर" बताया। उनका कहना था कि अगर कुछ बड़ी कंपनियों में जबरदस्त तेजी आ जाए तो पूरा मार्केट कैप अचानक ऊपर निकल सकता है। भारत का बाजार इस मामले में अलग है क्योंकि यहां बैंकिंग, आईटी, ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, इंफ्रा और मैन्युफैक्चरिंग जैसे कई सेक्टर्स मिलकर बाजार को सपोर्ट करते हैं।

विदेशी बिकवाली से भारतीय बाजार पर दबाव

इस साल भारतीय शेयर बाजार पर लगातार विदेशी निवेशकों की बिकवाली का दबाव बना हुआ है। ऊंचे वैल्यूएशन, रुपए की कमजोरी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने विदेशी फंड्स को सतर्क कर दिया है। यही वजह है कि कई ग्लोबल निवेशकों ने भारतीय बाजार से पैसा निकालकर टेक और एआई आधारित बाजारों की तरफ रुख किया। आईएमएफ के अनुमान के मुताबिक भारत की जीडीपी करीब 4.15 ट्रिलियन डॉलर है, जबकि ताइवान की अर्थव्यवस्था करीब 977 बिलियन डॉलर की है। यानी असली अर्थव्यवस्था के आकार में भारत अब भी काफी आगे बना हुआ है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर

ईंधन के दाम बढ़ने से जून में पांच प्रतिशत पर पहुंच सकती है खुदरा मुद्रास्फीति : अर्थशास्त्री

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी और सोने-चांदी पर आयात शुल्क में वृद्धि के चलते खुदरा मुद्रास्फीति जून तक बढ़कर करीब पांच प्रतिशत तक जा सकती है। हालांकि, अर्थशास्त्रियों का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरों में किसी भी बदलाव से पहले स्थिति का आकलन करने के लिए 'इंतजार और निगरानी' की नीति अपनाएगा। 15 मई से शुरू हुई 11 दिन की अवधि में पेट्रोल की कीमतों में 7.38 रुपये प्रति लीटर और डीजल में 7.48 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है। विश्लेषकों के अनुसार, ईंधन की कीमतों में यह वृद्धि परिवहन, भंडारण और आंशिक रूप से बिजली जैसे क्षेत्रों की लागत बढ़ाकर महंगाई पर सीधा असर डालेगी।

- सोने-चांदी पर आयात शुल्क में वृद्धि का भी प्रभाव पड़ेगा

खास बातें

- आरबीआई ब्याज दरों में इंतजार करो की नीति अपनाएगा
- रेपो दर में बदलाव का असर सीमित हो सकता है

सरकार ने सराफा पर आयात शुल्क किया 15 प्रतिशत

इसके अलावा, सरकार ने 13 मई को सोने और चांदी पर आयात शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। इस तरह कीमती धातुओं के गैर-जरूरी आयात पर अंकुश लगाने की कोशिश की गई है।

जून में मुद्रास्फीति 5 फीसदी से नीचे रह सकती है

ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी.के. श्रीवास्तव ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में औसतन 7.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से खुदरा मुद्रास्फीति में करीब 0.75 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। मई, 2026 में खुदरा मुद्रास्फीति 4-4.5 प्रतिशत और जून में 4.5-5 प्रतिशत के दायरे में रह सकती है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति में यह वृद्धि लागत पर आधारित होने से रेपो दर में बदलाव का असर सीमित हो सकता है।

तेजी का रुझान दिख रहा

हालांकि, यदि मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत से ऊपर जाती है और उसमें तेजी का रुझान दिखता है, तो केंद्रीय बैंक दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की निदेशक मेघा अरोड़ा ने कहा कि जून में खुदरा मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से ऊपर जा सकती है, लेकिन आरबीआई के छह प्रतिशत के ऊपरी संतोषजनक स्तर के भीतर रहने की संभावना है।

आरबीआई तटस्थ रुख अपना सकता है

अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की पांच जून को होने वाली की बैठक में सभी प्रमुख नीतिगत दरों को यथावत रखते हुए 'तटस्थ रुख' बनाए रखा जा सकता है। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल में 42 महीने के उच्चस्तर 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 3.48 प्रतिशत रही।

परिवहन लागत व कच्चे माल से महंगाई का दबाव

बार्कलेज इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री आस्था गुडवानी ने कहा कि मौजूदा अनिश्चितताओं के बने रहने से परिवहन लागत और कच्चे माल की कीमतों के जरिये महंगाई का दबाव बढ़ सकता है, जिससे वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की जरूरत पड़ सकती है।

समझौते पर अनिश्चितता के बीच सोना 2,800 रुपए टूटा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतें 2,800 रुपये टूटकर 1.62 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव के कारण निवेशकों ने डॉलर की ओर अपना रुख कर लिया। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,800 रुपये घटकर 1,62,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। सोमवार को, सोने की कीमत 1,65,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''मंगलवार को सोने की कीमतें नीचे आ गईं और एक सीमित दायरे में रहीं, क्योंकि अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण निवेशकों ने सतर्कता का रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक मोर्चे पर कोई सफलता न मिलने के कारण अधिकांश प्रतिभागी बाजार से किनारा किये रहे। गांधी ने आक्रामक रुख अपनाने से परहेज किया और भू-राजनीतिक मोर्चे पर अधिक स्पष्ट संकेतों का इंतजार किया। हालांकि, सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 2,000 रुपये बढ़कर 2,73,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं। पिछले सत्र में यह 2,71,000 रुपये रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

- सोना टूटकर 1.62 लाख रुपए प्रति दस ग्राम

अनिश्चितता की स्थिति और बढ़ गई

यह सब तब हुआ जब कतर में सात सप्ताह पुराने संघर्ष-विराम को बनाए रखने के उद्देश्य से वार्ता चल रही थी। इस बीच, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया है, जो ईरान के हवाई क्षेत्र में घुस आया था। बातचीत में अनिश्चितता की स्थिति और बढ़ गई।

श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने नीतिगत ब्याज दर एक प्रतिशत बढ़ाई

एजेंसी ⏭ कोलंबो

श्रीलंका के केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को नीतिगत ब्याज दर में एक प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी करते हुए इसे 8.75 प्रतिशत कर दिया। यह पिछले तीन वर्षों में पहली बढ़ोतरी है। सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका ने एक बयान में कहा कि नीतिगत दर में वृद्धि का यह निर्णय घरेलू और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बदलते परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मौद्रिक नीति बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, ओवरनाइट नीतिगत दर (ओपीआर) को एक प्रतिशत अंक बढ़ाकर 8.75 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके साथ मानक जमा सुविधा दर (एसडीएफआर) और स्थायी उधारी सुविधा दर (एसएलएफआर) को भी बढ़ाकर क्रमशः 8.25 प्रतिशत और 9.25 प्रतिशत कर दिया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल सहित जिंस कीमतें ऊंची बनी हुई हैं, जिसका असर वैश्विक और घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

- ब्याज दर को बढ़ोतरी करते हुए 8.75 प्रतिशत कर दिया

मुद्रास्फीति पांच फीसदी से ऊपर बनी रहेगी

केंद्रीय बैंक ने कहा कि मुद्रास्फीति आने वाले समय में पांच प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी रह सकती है, हालांकि बाद में इसके स्थिर होने की संभावना है। श्रीलंका के केंद्रीय बैंक के मुताबिक, श्रीलंकाई रुपया हाल के हफ्तों में दबाव में रहा है लेकिन बाद में स्थिति कुछ हद तक स्थिर हुई है। साल की शुरुआत से 22 मई तक श्रीलंकाई रुपया 7.2 प्रतिशत कमजोर हो चुका था।

यूनियन बैंक बांड, इक्विटी से 8,000 करोड़ रुपए जुटाएगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

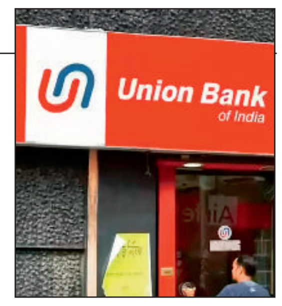

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक मंडल ने मंगलवार को बॉन्ड या इक्विटी के माध्यम से 8,000 करोड़ रुपये तक की पूंजी जुटाने की मंजूरी दी। इसमें 3,000 करोड़ रुपये इक्विटी शेयर जारी कर जुटाए जाएंगे। यूनियन बैंक ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल ने बासेल तीन के अनुरूप अतिरिक्त टियर 1 बॉन्ड और/या टियर 2 बॉन्ड के माध्यम से 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी जुटाने को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, बोर्ड ने 8,000 करोड़ रुपये की कुल सीमा के भीतर किस्तों में 3,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाने को मंजूरी दी है। यह पूंजी सार्वजनिक निर्गम (यानी आगे सार्वजनिक पेशकश) और/या राइट्स इश्यू और/या निजी नियोजन के माध्यम से जुटाई जाएगी।

शेयर बाजार में दो दिन से जारी तेजी पर विराम

एजेंसी ⏭ मुंबई

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 479 अंक टूट गया, जबकि एनएसई निफ्टी में 118 अंक की गिरावट आई। ईरान के दक्षिणी भाग में अमेरिकी हमले की रिपोर्ट के बाद कच्चे तेल के दाम में आई तेजी के बीच बाजार में गिरावट आई। कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा रुपये में गिरावट के बीच वित्तीय और बैंक शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नुकसान में रहा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 479.26 अंक यानी 0.63 प्रतिशत टूटकर 76,009.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय इसमें 579.28 अंक की गिरावट आई और यह 75,909.68 अंक पर आ गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 118 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,913.70 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''दक्षिणी ईरान में अमेरिकी सैन्य अभियानों की खबरों के बाद अमेरिका-ईरान शांति समझौते की उम्मीद कम हुई है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया और रुपये में कुछ समय की तेजी के बाद फिर से गिरावट देखने को मिली।''

- सेंसेक्स 479 अंक टूटा, निफ्टी भी नुकसान में

एशियाई बाजार में मिलाजुला रुख

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में ज्यादातर में गिरावट का रुख था।

हिताची एनर्जी का मार्च तिमाही लाभ 80% बढ़ा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नई दिल्ली। हिताची एनर्जी इंडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान अपने शुद्ध लाभ में करीब 80 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और यह 330.5 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के लाभ में यह वृद्धि मुख्य रूप से उच्च आय से हुई है।कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2024-25 में समान तिमाही के दौरान कंपनी ने 183.9 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बयान मे कहा गया कि वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान कंपनी की

परिचालन आय 2,754.1 करोड़ रुपये हो गई, जो 46.2 प्रतिशत की वृद्धि है और यह पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,883.7 करोड़ रुपये थी।

RAMAKRISHNA MISSION ASHRAMA
P.O. & Dist. NARAINPUR (CHHATTISGARH) 494 661
Phone (07781) 252251, 252393 e-mail: rkm.narainpur@gmail.com
Website: www.rkmnarainpur.org
(A Branch Centre of Ramakrishna Mission, P.O. Belur Math, Howrah (W.B.) 711 202)

क्रमांक / 02 / 264 / 2026-27 दिनांक - 26.05.2026

:: आवश्यकता है ::

रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर द्वारा संचालित 30 शैय्या अस्पताल विवेकानन्द आरोग्यधाम नारायणपुर में एक्स-रे टेक्निशियन (X-Ray Technician) की आवश्यकता है।

1. **योग्यता**:- (1) हायर सेकेंडरी परीक्षा उत्तीर्ण या (10+2) शिक्षा पद्धति में 12वीं उत्तीर्ण होना चाहिए (2) रेडियोग्राफी में 01 वर्ष का डिप्लोमा
2. **वेतन** :- दैनिक वेतन रू. 410/- प्रतिदिन के मान से
3. **श्रेणी** :- अनारक्षित
4. **आयु** :- 21 से 45 वर्ष

इच्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन संपूर्ण दस्तावेजों के साथ **"सचिव, रामकृष्ण मिशन आश्रम, नारायणपुर, जिला नारायणपुर (छत्तीसगढ़) 494661"** को दिनांक 30.06.2026 तक प्रेषित करें।

सचिव
रामकृष्ण मिशन आश्रम, नारायणपुर

रुपया 47 पैसे टूटकर 95.73 प्रति डॉलर पर

मुंबई। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में फिर से आई तेजी के बीच मंगलवार को रुपया 47 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.73 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि मजबूत अमेरिकी मुद्रा और घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी ने भी

रुपये पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.43 के भाव पर खुला और कारोबार के दौरान इसने 95.33 के ऊपरी एवं 95.76 के निचले स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में यह 95.73 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर रहा जो पिछले बंद भाव से 47 पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया 34 पैसे मजबूत होकर 95.26 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

आईएफबी इंडस्ट्रीज का लाभ दोगुना से अधिक

नई दिल्ली। आईएफबी इंडस्ट्रीज लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही के लिए एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर दोगुना से अधिक होकर 42.67 करोड़ रुपये रहा है। आईएफबी इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 18.87 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 12.33 प्रतिशत बढ़कर 1,498.20 करोड़ रुपये हो गई। जबकि एक वर्ष पहले समान तिमाही में यह 1,333.70 करोड़ रुपये थी।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय, NAAC A++)
कोनी, बिलासपुर-495 009 (C.G.) भारत, दूर.. +91-7752-260342 फैक्स +91-7752-260154

क्रमांक. 342 / प्रवेश/अकादमी/26 प्रवेश सूचना (2026-27) बिलासपुर, दिनांक- 25.05.2026

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है-
बी. फार्म - III सेमे. (पार्श्व प्रवेश), बी. टेक.- III सेमे. (पार्श्व प्रवेश)
प्रवेश प्रक्रिया, अर्हता, सीट संख्या, आरक्षण नीति, शुल्क, छात्रवृत्ति, महत्वपूर्ण तिथियाँ एवं आवेदन कैसे करें आदि विवरण के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.ggu.ac.in/Admission का अवलोकन करें।
1. आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ होने की तिथि-: 26.05.2026
2. आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि-: 20.06.2026, 05.00 PM
सहयता-: 07752-260027 (बी. फार्म), 260007 (बी. टेक.)

कुलसचिव

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703 Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

कब्जा सूचना

संदर्भ: सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के तहत कब्ज़ा नोटिस

चूंकि अधोहस्ताक्षरी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 के अधिनियम संख्या 54) के तहत नीचे दी गई संबंधित तिथियों पर जारी मांग सूचना के अनुसरण में एवं सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आप/उधारकर्ताओं, अधोनामों से संबंधित नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करते हैं। आप/सभी ऋणधारक निर्धारित समय के अंदर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए **होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड**, सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए और उसके अंतर्गत नियमों का पालन करते हुए, नीचे उल्लिखित गिरवी संपत्तियों पर **कब्जा** कर लिया है:

क्र. सं.	ऋणधारकों / सह-ऋणधारकों/ जमानतदारों के नाम	बंधक रखी गई संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की तिथि को कुल बकाया राशि (रूपये में)	कब्जा की तिथि
1.	बालमुकुंद विश्वकर्मा, सरिता विश्वकर्मा	मकान- ख.नं.641/3 (भाग), प.ह.नं.-42, मौजा उसलापुर, तहसील एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व - प्रदीप कुमार पटेल की भूमि, पश्चिम - निस्तारी रोड, उत्तर - प्रदीप कुमार पटेल की भूमि, दक्षिण - प्रदीप कुमार पटेल की भूमि।	04-07-2025	28,78,978	22-05-2026

ऋणधारक द्वारा राशि का भुगतान न कर पाने की स्थिति में, ऋणधारक/जमानतदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त तिथि से अधोहस्ताक्षरी ने उपर्युक्त वर्णित संपत्ति पर कब्जा कर लिया है।

ऋणधारकों/जमानतदारों तथा **आम जनता** को चेतावनी दी जाती है कि वे उपरोक्त संदर्भित संपत्तियों/प्रतिभूतियों या उनके किसी भी भाग से संबंधित कोई भी लेन-देन न करें और उक्त संपत्तियों/प्रतिभूतियों से संबंधित कोई भी लेन-देन होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा, जो ऊपर उल्लिखित राशि के लिए संपत्तियों/प्रतिभूतियों के विरुद्ध देय है और **पूर्ण भुगतान होने तक उस पर ब्याज सहित देय है।**

ऋणधारक का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उन प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो प्रतिभूत संपत्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय से संबंधित हैं।

स्थान: बिलासपुर,
दिनांक: 27-05-2026

अधिकृत अधिकारी,
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

एक तरफ 24 घंटे पेयजल आपूर्ति का वादा दूसरी तरफ नल के समय बिजली गुल

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

- भीषण गर्मी में सुबह नल खुलने के समय आधे घंटे बिजली गुल, जनता परेशान
- अमृत मिशन में 400 करोड़, 14 वार्डों में 24 घंटे जल आपूर्ति के नाम पर 130 करोड़ खर्च फिर भी टैंकर मुक्त नहीं

शहरी सरकार एक तरफ जहां राजधानी वासियों को शहर के 14 वार्डों में 24 घंटे पीने का शुद्ध पानी पहुंचाने का वादा कर रही है, दूसरी तरफ 4 जोन के 11 वार्डों में सुबह नल खुलने के समय आधा घंटा बिजली काट कर पानी पहुंचा रही है। इसके बाद भी शहर में पेयजल संकट की समस्या दूर नहीं हुई। भीषण गर्मी में सुबह के समय बिजली बंद करने को लेकर प्रभावित इलाके के रहवासी परेशान हैं। वही किराये के पानी टैंकर के नाम पर 2 करोड़ खर्च करने के बाद भी कई रहवासी

इलाकों में पानी का संकट बना हुआ है

दरअसल, रायपुर नगर निगम द्वारा शहर के 70 वार्डों में पेयजल की ठोस व्यवस्था उपलब्ध कराने के नाम पर 600 करोड़ रुपए अलग-अलग योजनाओं पर खर्च करने के बाद भी शहर के 11 वार्ड इन दिनों पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। खमतराई स्थित जोन क्रमांक 1, शंकर नगर स्थित जोन 3 और ईदगाह भाठा जोन 5 के अलावा भाठागांव के जोन 6 कमिश्नरी के वार्डों में पेयजल संकट से लोग परेशान हैं। तत्कालीन निगम आयुक्त विश्वदीप ने 20 दिन पूर्व शहर के 11 वार्डों की पेयजल समस्या प्रभावित इलाकों में जल संकट दूर करने नल खुलने के समय सुबह 6 बजकर 10 मिनट से 6 बजकर 40 तक विद्युत आपूर्ति बंद करने की अनुशंसा कर छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता सिटी सर्किल 1 और सिटी सर्किल 2 को पत्र लिखा। निगम के अधिकारियों का बिजली बंद करने के पीछे तर्क ये रहा कि नलों से पानी का प्रेशर कम इसलिए कम आ रहा क्योंकि प्रभावित इलाके में अवैध रूप से लोग टूल्लू पंप लगाकर पानी खींच रहे हैं, इसलिए यह कदम कारगर साबित होगा। नल खुलने के समय बिजली आपूर्ति बंद रखने से अवैध पंपों का उपयोग काफी हद तक कम हो जाएगा।

इन इलाकों में बिजली गुल, फिर भी पेयजल संकट

नगर निगम जोन 3 के नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड के खम्हारडीह बस्ती, भावना नगर तुलसी नगर, वृंदावन कालोनी, तुलसीनगर, पावर्ती नगर, श्रीराम नगर फेज 1, गायत्री नगर,न्यू सेल्स टैक्स कालोनी में पेयजल संकट से लोग परेशान हैं। वार्ड पार्षद पुष्पा-रोहित साहू ने बताया कि उनके वार्ड के जलसंकट प्रभावित इलाकों में सुबह के समय रोज आधा घंटा बिजली गुल रहती है इसके बाद भी मुश्किल से 10 फीसदी राहत मिल पाई, 90 फीसदी इलाकों में पानी का संकट अब भी बना हुआ है। नलों में पानी का प्रेशर ही नहीं आ रहा है। इसलिए लोगों की पेयजल व्यवस्था करने रोज किराए के पानी टैंकर भेजना पड़ रहा है। नगर निगम ने सुबह नल खुलने के समय बिजली बंद करने का फार्मूला आजमाया पर उसका फायदा लोगों को नहीं मिल रहा। एक दो दिन में पानी की समस्या दूर नहीं हुई तो वे वार्ड वासियों के साथ कलेक्टर के पास जाकर इसकी शिकायत करेंगे।

भनपुरी में दो पानी टंकी फिर भी जलसंकट, लाइट गुल के बाद भी समस्या दूर नहीं : जोन 1 क्षेत्र के बंजारी माता वार्ड और यतियतन लाल वार्ड में पेयजल समस्या से लोग त्रस्त हैं। भनपुरी में नगर निगम की दो पानी टंकी है, इसके बाद भी आधा दर्जन से ज्यादा इलाकों में पानी का संकट बना है।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय : शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, लिवर व किडनी रोग, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, थाइरॉयड सर्जरी, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

प्रथम पृष्ठ का शेष

कैबिनेट का बड़ा...

सीएम अरुण साव ने दी। उन्होंने बताया कि यह राहत केवल बिटुमिन मूल्य में हुई असाधारण वृद्धि के प्रभाव को कम करने के लिए निर्धारित फार्मूले के आधार पर दी जाएगी तथा अन्य निर्माण घटकों पर अनुबंध में पूर्व से प्रावधानित एस्केलेशन नियम यथावत लागू रहेंगे। वैश्विक परिस्थितियों और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के कारण डामरीकरण कार्य प्रभावित होने लगे थे, जिससे सड़क निर्माण और संधारण कार्यों की गति बाधित होने की आशंका थी।

कर्मचारी चयन मंडल जीएडी के अधीन लाने को मंजूरी -

कैबिनेट की बैठक में छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल को सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके लिए "छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम" में संशोधन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल अधिनियम, 2026 लागू होने के बाद पूर्व के छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल का विलय नए कर्मचारी चयन मण्डल में हो चुका है। साथ ही उसकी सभी परिसंपत्तियां एवं देनदारियां भी नए मण्डल में शामिल हो गई हैं।

स्क्रैप सेलिंग एजेंसी अनुबंध तीन साल बढ़ा-

कैबिनेट ने राज्य के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों, मंडलों और स्थानीय निकायों में जमा स्क्रैप और अनुपयोगी सामग्रियों के पारदर्शी एवं व्यवस्थित निस्तारण के लिए भारत सरकार के उपक्रम मेटल स्क्रैप ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ सेलिंग एजेंसी अनुबंध की अवधि को आगामी तीन वर्षों के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह अनुबंध नवंबर 2019 से प्रभावी है तथा 31 मई को समाप्त हो रहा था।

ई-नीलामी के माध्यम से खरीदी-

एमएसटीसी के अत्याधुनिक ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से देशभर के खरीदार प्रतिस्पर्धी बोली लगाकर स्क्रैप सामग्री खरीद सकते हैं, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और राज्य को बेहतर मूल्य प्राप्त होता है। व्यवस्था से राज्य में स्क्रैप निस्तारण की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित, तकनीक आधारित हुई है। निर्णय से विभागों को अलग-अलग निविदा और विज्ञापन प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी, प्रशासनिक समय और संसाधनों की बचत होगी, साथ ही कार्यालय परिसरों में स्वच्छता और स्थान प्रबंधन भी बेहतर होगा।

घुसपैठियों पर तगड़ा...

जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से असामान्य जनसांख्यिकी परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, इस चुनौती से निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'जनसांख्यिकी परिवर्तन पर उच्च स्तरीय समिति' की घोषणा की थी। मुझे बताते हुए हर्ष हो रहा है कि सरकार ने इस कमेटी का गठन कर लिया है। उन्होंने कहा कि समिति की अध्यक्षता न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त) करेंगे और कमेटी में जनगणना आयुक्त के साथ दुर्गा शंकर मिश्रा (सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी), बालाजी श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी) और डॉ. शमिका रवि समिति सदस्य के तौर पर होंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त सचिव (विदेशी-1), गृह मंत्रालय, इस समिति के सदस्य सचिव होंगे।

गृह मंत्री ने कहा कि जनसांख्यिकी परिवर्तन हमारी संप्रभुता के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था, सामाजिक संरचना में गंभीर बदलाव और जनजातीय समाज के संरक्षण से जुड़ी एक गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा, यह कमेटी, अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसांख्यिकी परिवर्तन का व्यापक मूल्यांकन करेगी और धार्मिक एवं सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों की पद्धति का विश्लेषण करेगी तथा इसका सुनियोजित और समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करेगी।

डिटेक्ट, डिलीट एंड...

डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट यानी पहचानना, हटाना और वापस भेजने वाली नीति को जमीन पर उतारना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में, मालदा जिले में पहला 'होल्डिंग सेंटर' (अस्थायी हिरासत केंद्र) चालू कर दिया गया है। रविवार को गाजोल के पांडुआ इलाके से 9 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को यहां लाया गया। इनमें 3 महिलाएं और 6 नाबालिग शामिल हैं।

शाह बोले - सिर्फ...

निर्माण की जानकारी तुरंत सिविल प्रशासन और पुलिस को दी जाए। उन्होंने कहा कि बीएसएफ की जिम्मेदारी केवल सीमा की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों की गतिविधियों पर भी सतर्क नजर रखना जरूरी है।

डामर की वजह...

काम नहीं कर पाएंगे, जबकि बिटमेन आधारित नाली निर्माण का कार्य वे कर रहे हैं। डामर की किल्लत दूर होते ही निर्माण कार्य में तेजी आएगी।

0 रायपुर ग्रामीण क्षेत्र में गोगांव अंडरब्रिज से मुख्य मार्ग तक सड़क निर्माण का काम

रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र गोगांव अंडरब्रिज से मुख्य मार्ग तक सड़क निर्माण और डामरीकरण कार्य के लिए निगम मुख्यालय से ऑनलाइन टेंडर कर चयनित एजेंसी को इस कार्य का वर्कआर्डर जारी हुआ। पर ठेकेदार ने अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया है। डामर के रेट बढ़ने और इसकी किल्लत को काम शुरू नही होने की वजह बताई जा रही है। स्थिति सामान्य होते ही निर्माण कार्य कराने की बात अनुबंधित ठेकेदार की ओर से कही जा रही है।

भीषण गर्मी की...

प्रदेश में वैसे तो गर्मी का मौसम मार्च से शुरू हो जाता है, मगर इसका प्रभाव अप्रैल मई में ज्यादा नजर आता है। राज्य में वर्तमान में पड़ रही गर्मी ने सामान्य जनजीवन को झकझोर कर रख दिया है। पिछले दिनों से चल रही ग्रीष्म लहर से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग अस्पतालों तक पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के मुताबिक हीट स्ट्रोक की वजह से लोगों की स्थिति तो गंभीर नहीं हो रही है, मगर अस्पताल आकर उन्हें जरूरी दवा जरूर लेनी पड़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों की मानें, तो 1 मार्च से 24 मई के बीच राज्य में हीट स्ट्रोक के 454 संदिग्ध केस सामने आ चुके हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से लगभग पचास फीसदी यानी 225 केस राजनांदगांव जिले से संबंधित हैं। बड़ी संख्या में हीट स्ट्रोक के केस आने की वजह से जिले को रेड जोन में शामिल किया गया है। विभागीय आंकड़ों की मानें, तो इस सीजन में गर्मी से प्रभावित होकर इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों की ओपीडी में 64 हजार के करीब मरीज अपनी जांच के लिए पहुंचे हैं।

मॉनसून समय से...

राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में कई जगहों पर तापमान 47 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। मौसम विभाग का मानें तो 28 मई से मौसम करवट लेने वाला है और फिर तापमान मं 6 से 8 डिग्री तक की कमी दर्ज की जाएगी। बता दें कि नौतपा को साल के सबसे ज्यादा गर्म दिनों में गिना जाता है। रोहिणी नक्षत्र की शुरुआत के साथ ही नौतपा की शुरुआत हो जाती है। उत्तर प्रदेश का बांदा जिला सबसे गर्म इलाकों में है। वहीं आजकल दोपहर में सड़कें सुनसान दिखाई देती हैं।

व्यापारी की गोली...

से भरा बैग लूटकर बाइक से भाग गए। गोली चलने से बाजार में भगदड़ मच गई। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। खबर मिलते ही प्रभारी एसपी अवनिशन मिश्रा, कोटमी पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायल श्री सोनी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, किन्तु रास्ते में उनकी मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पर डाक्टर ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस साप्ताहिक बाजार में आसपास के व्यापारियों से पूछताछ कर नकाबपोशों का सुराग लगाने में लगी हुई है। गौरेला पेंड्रा मरवाही में नाकाबंदी कर नकाबपोशों की तलाश की जा रही है। बहरहाल देर रात तक पुलिस नकाबपोशों का सुराग नहीं लगा पाई थी।

थाना परिसर में...

से 4 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शव को नीचे उतारा जा सका।

मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पाटनवार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतका की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने की बात सामने आई है। परिजनों के अनुसार, नीलिमा पहले भी आत्महत्या का प्रयास कर चुकी थी। वह मोबाइल पर टॉवर से कूदने और फांसी से जुड़े वीडियो भी देखा करती थी।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव- घटना के बाद कुनकुरी पुलिस, नगर सेना, एसडीआरएफ और नगर पंचायत की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भाजपा प्रशिक्षण शिविर...

दौरान उन्हें हार्ट अटैक आया। निधन की सूचना मिलते ही परिजन सिम्स अस्पताल पहुंचे। इसके साथ ही वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने सिम्स पहुंचकर जानकारी ली।परिजन सिम्स से शव लेकर रायपुर रवाना हो गए हैं।

रूपनारायण सिन्हा लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े हुए थे। सामाजिक और योग गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। बिलासपुर के तिफरा में सोमवार को भाजपा जिला संगठन की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हुआ था। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक अमर अग्रवाल सहित कई जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंगलवार को दूसरा दिन था। इस दौरान रूपनारायण सिन्हा की तबीयत बिगड़ी। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए बिलासपुर सिम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति- भाजपा के वरिष्ठ नेता और बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने रूपनारायण सिन्हा के निधन को पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि रूपनारायण सिन्हा ने भाजपा संगठन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहकर लंबे समय तक जिम्मेदारियां निभाईं और पार्टी को मजबूत करने में अहम योगदान दिया। सिम्स पहुंचने वालों में तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, पूर्व विधायक नारायण चंदेल,महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती हर्षिता पांडे, जिलाध्यक्ष दीपक सिंह सहित अन्य लोग शामिल थे।

नकली पहचान से...

विस्फोटक पदार्थ हैं जो सामान्यतः पटाखों में इस्तेमाल होते हैं।

गुजरात में 5 शावकों...

मौत अन्य कारणों से हुई है। बता दें कि इससे पहले 2018 में बेबेसिया वायरस से ही एक महीने के भीतर 11 शेरों की मौत हुई थी।

मोढवाडिया ने बताया कि बाबेसिया वायरस टिक यानी किलनी के जरिए फैलता है। इससे संक्रमित जानवरों में कमजोरी, खांसी और नाक से स्राव जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग और पशु चिकित्सकों की टीमें वायरस के फैलाव को रोकने में जुटी हैं। संदिग्ध शेरों की पहचान की जा रही है, उनके सैंपल लिए जा रहे हैं और इलाज भी किया जा रहा है।

बेबेसिया वायरस क्या है ?- बेबेसिया एक बहुत ही गंभीर और जानलेवा बीमारी है, जो मनुष्यों के साथ-साथ जानवरों और वन्यजीवों में भी पाई जाती है। यह बेबेसिया नामक परजीवी द्वारा फैलती है। मलेरिया की तरह, ये परजीवी शरीर में प्रवेश करते हैं और सीधे लाल रक्त कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें नष्ट कर देते हैं।

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769
नकली माल से सावधान

हरिभूमि Classified

epaper- www.haribhoomi.com

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- ड्राईवर की आवश्यकता है बिलासपुर शहर के पास का अनुभवी, ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु चाहिए। गूगल मैप की जानकारी जरूरी। सम्पर्क करें 8770078060 (40969)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- नूतन इलेक्ट्रॉनिक जनरेटर फर्स्ट फ्लोर निगम काम्पलेक्स देवकीनन्दन स्कूल चौक के पास तिलक नगर बिलासपुर 9826677626, 9827188163 (40963)

आवश्यकता है- ऑफिस में कम्प्यूटर के लिए 2 ऑपरेटर युवतियों और चॉइस सेन्टर में टेली कॉलिंग के लिए 4 युवतियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8817395214 (40967)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर देवास इंदौर रीवा प्रयागराज मे रहकर काम कर सके सैलरी 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ महीना 25000 कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट सम्पर्क करें-6268044316, 9201024747 (360)

Vacancy- CA Office, Bilaspur Requires Account Executives & Office Assistants (2 Posts). Knowledge of English, Tally Prime, Billing & MS Office. Freshers/ Experienced may apply. Salary negotiable. Whats App Resume/ Call 7772950008 (40947)

आवश्यकता है- घरेलू सभी कार्य हेतु आया बाई एवं नौकर की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तुरन्त सम्पर्क करें- 7223890879, 9301275222 (40961)

आवश्यकता है- एसी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, मल्टीनेशनल कम्पनी में कार्य हेतु, काम सीखने वाले लड़के एवं दो सेल्समैन चाहिए। काम सीखना वाले सम्पर्क करें- सुबह 9:30 से रात 8 बजे तक 93005 31912 (40962)

आवश्यकता है- बच्चों को देखने के लिए कार्यवाहक महिला की आवश्यकता है उम्र 18 से 30 साल, वेतन 20000, रहना और खाना फ्री, बैंगलोर के लिए। सम्पर्क करें- शंकर नगर बिलासपुर 7276622438 (40945)

आवश्यकता है-रेडिमेड शोरूम में मेन्स वियर, लेडिस वियर, साड़ी के लिये अनुभवी सेल्समैन युवक/ युवती की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन सम्पर्क करें- नेशनल होजयरी NX सदर बाजार बिलासपुर (40946)

आवश्यकता है- महिला, पुरुष, परिवार या महिला समूह चाहिये जो दोना पत्तल अगरबत्ती, बनाकर, पैक करके दे सकें महिना आय 30000, सम्पर्क करें- राधा कृष्ण सेवा संस्था बिलासपुर 81091 00493 (40968)

आवश्यकता है-सोनोग्राफी सेन्टर हेतु टाइपिस्ट, एक्स-रे टेक्नीशियन, रिसेप्शनिस्ट, क्लीनर, आया, सिक्युरिटी गार्ड एवं PRO की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्रीगोपाल, साहू डायग्नोस्टिक सेन्टर जूनीलाइन बिलासपुर 9770128995, 9755230012 (40954)

आवश्यकता है- ऑटोमोबाइल शॉप हेतु 12वीं पास पुरुष चाहिए बैंक संबंधी, काउंटर हैंडलिंग, सामान्य कार्य हेतु। फ्रेशर, अनुभवी उम्मीदवार केवल Whats App के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। सम्पर्क करें- 8927400000 (40955)

आवश्यकता है-बिलासपुर जांजगीर जिलों में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर, माली, जेम टेंडर अनुभवी की आवश्यकता है। (पीएफ ईएसआई मेडिकल आवास सुविधा फ्री) सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी, राजेंद्र नगर बिलासपुर 91111 75190, 9098318675 (40952)

आवश्यकता है-फुटवियर शॉप में कार्य हेतु अनुभवी सेल्समेन, सेल्सगर्ल, मार्केटिंग फील्ड वर्क, बिजी एकाउंट हेतु चाहिए बॉयोडाटा सहित सम्पर्क करें- चरणस्पर्श शू मॉल रघुराज सिंह स्टेडिम के सामने बिलासपुर 9300300333, 07752-407333 (40957)

आवश्यकता है-मेडिकल कालेज एवं यूनिवर्सिटी रायपुर में सिक्यूरिटी हेड, सुपरवाइजर सिक्युरिटी गार्ड की आवश्यकता है सेवानिवृत्त सैनिक, अर्धसैनिक बल के कर्मचारियों को प्राथमिकता (वेतन सिक्युरिटी हेड- 35000 से 50000, सुपरवाइजर, सिक्युरिटी गार्ड- 15000) पता- एक्समैन सिक्यूरिटी सर्विस वैशाली टॉवर हेमू नगर बिलासपुर 6263900911, 9754713125 (40929)

आवश्यकता है-टिफिन सेन्टर में घर जैसा खाना, नाश्ता बनाने हेतु कुक चाहिए। महिला, पुरुष (जो नशामुक्त हो) पता- पद्मावती नाश्ता और टिफिन सेन्टर दिल्ली आईएएस अकादमी के पास मंगला बिलासपुर 9755655055 (40944)

आवश्यकता है-दुकान के कार्य हेतु ऐसे लड़के चाहिए जो ईमानदारी और मेहनत से काम कर सकें। अनुभवी, फ्रेशर दोनों सम्पर्क कर सकते हैं। पता- जी.एम. ट्रेडर्स, श्याम टॉकीज रोड, बिलासपुर 8435802555 (40956)

आवश्यकता है-हॉस्टल में काम करने हेतु कुक, हेल्पर, बाई, मैनेजर, डिलीवरी बॉय बिलासपुर, अम्बिकापुर के लिए आवश्यकता है खाना, रहना कम्पनी का रहेगा। सम्पर्क करें- 7869586011 (कॉलिंग) 9329233000 (व्हाट्सएप) (40951)

आवश्यकता है-सुरक्षा गार्ड ड्यूटी में अनपढ़ व पढ़े लिखे व्यक्तिओं की लोहे का सामान इत्यादि की सुरक्षा हेतु वेतन- 12000/- तुरंत ड्यूटी सिलतरा रायपुर में सम्पर्क करें- 90688 88210, 9927351153 (025)

आवश्यकता है-सोशल मिडिया, विडियो एडिटिंग, मार्केटिंग, टेलीकॉलिंग हेतु ग्राफिक डिजाईनर एवं कंटेंट क्रियेटर लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- इविन्सपब पब्लिशिंग, कोनी बिलासपुर 6260711728, 9907575798 (40943)

आवश्यकता है-NSGM Public School में बीएड, डीएड, डीएलएड एवं अनुभवी शिक्षकों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- व्हाइट हाउस के पीछे राज घराना कॉलोनी अमेरी बिलासपुर सम्पर्क करें- 9340881803(40950)

बेचना है

बेचना है- सरकंडा रघु विहार के पास नव निर्मित मकान 2BHK 2000 वर्गफिट में। प्लाट एरिया 2566 वर्गफिट बिजली बोर नक्शा पास शीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 8085403828 (40960)

बेचना है-जमीन बेचना है यदुनन्दन नगर तिफरा सूर्या विहार फेस दो के पास डायवर्टेड, उत्तर मुखी प्लॉट 30×60 बेचना है। सम्पर्क करें- 9406213493, 70004 58145 (दलाल सम्पर्क ना करें) (40959)

बेचना है- बिलासपुर में आकाश मार्ग, शुभम विहार उस्लापुर में सर्व सुविधा युक्त 1350 वर्गफीट में निर्मित 4BHK डुप्लेक्स मकान अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 7697590551 (कृपया दलाल सम्पर्क ना करें) (40966)

बेचना है- हेमू नगर, जीनत विहार के समीप एक एकड़ जमीन बेचना है सम्पर्क करें- 9827478774 (40964)

किराया

किराया- सीपत रोड अशोक नगर चौक में मुख्य मार्ग में इलाहाबादी होटल के सामने पतंजलि चिकित्सालय के ऊपर दुकान/ आफिस कार्य हेतु किराये से देना है द्वितीय तल 12×30 की दो दुकाने, प्रथम तल 36×30 का सम्पर्क करें- 6232701261 (40900)

किराया - किराएदार उपलब्ध कराते हैं। क्या आप बिलासपुर शहर में अपना मकान, फ्लैट, बंग्लो किराए पर देने के लिए अच्छे किराएदार तलाश रहे हैं? मकान मालिक अतिशीघ्र हमसे सम्पर्क करें- 94079 01690 (40941)

किराया- मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा में 10×25 की दुकान एवं चार कमरे सहित 550 वर्गफुट किराए पर देना है गोडाउन, कोचिंग क्लास मेडिकल एजेन्सी के लिए उपयुक्त। सम्पर्क करें- 74895 44379, 9981890379 (40939)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

➡ जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267

➡ जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

➡ शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
➡ एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
➡ श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
➡ रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
➡ जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
➡ रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
➡ भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
➡ श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
➡ एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
➡ श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
➡ अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
➡ विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
➡ माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
➡ बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

खिताब की जंग

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप
सांई सुदर्शन – 638 रन – गुजरात
भुवनेश्वर कुमार – 24 विकेट – बेंगलुरु

फ्रेंच ओपन : 19 वर्षीय जोडर ने खेला डेब्यू मैच, गंवाए केवल पांच गेम

अमेरिका के कोवासेविच को 6-1, 6-0, 6-4 से हराया

एजेंसी ▶▶| पेरिस

जब दो बार के मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज चोट के कारण बाहर हो गए हैं और फ्रांस के 21 वर्षीय आर्थर फिल्स भी फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं तब स्पेन के 19 वर्षीय राफेल जोडर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर की राह में सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आ रहे हैं।

पिछले कुछ समय से एटीपी प्रतियोगिताओं में धूम मचा रहे जोडर ने फ्रेंच ओपन में अपने पदार्पण मैच में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमेरिका के अलेक्जेंडर कोवासेविच को 6-1, 6-0, 6-4 से हराया। जोडर ने क्ले कोर्ट पर खेले जाने वाले इस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में पहले मैच में केवल पांच गेम गंवाए। फ्रेंच ओपन में पदार्पण पर इससे कम गेम गंवाने वाले आखिरी खिलाड़ी नोवाक जोकोविच थे, जिन्होंने 2005 में रॉबी जिनेप्री के खिलाफ तीन गेम गंवाए थे।

रैंकिंग में जोडर ने लगाई लंबी छलांग

जोडर ने कहा, 'मैंने शुरुआत से ही बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। यह मेरा (टूर पर) पहला साल है और पिछले कुछ महीनों में मैंने बहुत कुछ सीखा है।' इस युवा खिलाड़ी ने अपने पिछले 19 मैचों में से 16 जीते हैं। उन्होंने इस बीच मोरक्को में क्ले कोर्ट पर ट्रॉफी जीती, बार्सिलोना में सेमीफाइनल और मैड्रिड में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे। एक साल पहले जोडर की रैंकिंग 707वीं थी लेकिन अब उनकी रैंकिंग 29वीं है और पेरिस में उन्हें 27वीं वरीयता हासिल है।

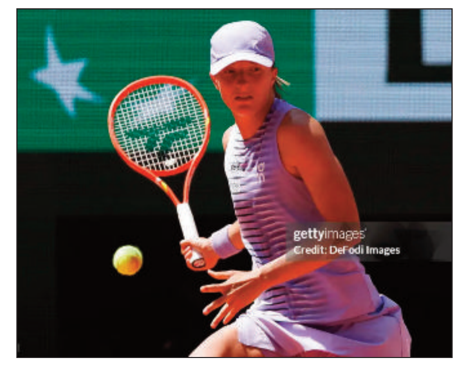

स्वियातेक ने जोन्स को किया बाहर

इस बीच चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक ने अपने पहले मैच में 136वीं रैंकिंग की खिलाड़ी एमर्सन जोन्स को 6-1, 6-2 से हराकर बाहर कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन एलेना रायबाकिना ने वेरोनिका एरजावेक को 6-2, 6-2 से और इटालियन ओपन विजेता एलिना स्वितोलिना ने अन्ना बोंडार को 3-6, 6-1, 7-6 (3) से हराया।

मोनफिल्स ने टेनिस को कहा अलविदा

गेल मोनफिल्स ने अपने हमवतन फ्रांसीसी खिलाड़ी ह्यूगो गैस्टन से 6-2, 6-3, 3-6, 2-6, 6-0 से हारने के बाद टेनिस को अलविदा कहा।
आठवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर ने टोबी सैमुअल को 6-4, 6-4, 6-2 से हराया जबकि 15वीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने रोमन सफिउलिन के खिलाफ 6-2, 7-6 (5), 5-7, 0-6, 6-2 से जीत हासिल की।

खबर संक्षेप

ओलंपिक में योगासान को शामिल करने पर जोर

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत की 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने की इच्छा को ध्यान में रखते हुए भविष्य के ओलंपिक खेलों की सूची में योगासन को शामिल करने के लिए जोर दिया जाएगा। यह खेल चार से आठ जून तक अहमदाबाद में पहली विश्व चैंपियनशिप के साथ विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार है। इस विश्व चैंपियनशिप में 60 से अधिक देशों के 529 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें से 114 भारतीय योगासन खिलाड़ी भी शामिल हैं। भारतीय टीम का चयन ट्रायल के बाद किया गया था और अभी वह अहमदाबाद के वीर सावरकर खेल परिसर में ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा ले रही है।

आईएएमई सीरीज में शिव नील पर रहेगी नजर

कोयंबटूर। आईएएमई कार्टिंग की प्रतियोगिता आईएएमई सीरीज इंडिया में भारत के पहले एफवन ड्राइवर नरेन कार्तिकेयन के बेटे शिव नील पर सबकी नजर रहेगी।

आरए मोटरस्पोर्ट्स इस प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है, जिसमें पांच राउंड होंगे। इस सीरीज का पहला राउंड 31 मई को सीओएएसटीटी सर्किट में होगा, जिसमें 34 प्रतिभागी भाग लेंगे। आईएएमई का का पूरा नाम इटालियन अमेरिकी मोटर इंजीनियरिंग है। इसमें खिलाड़ी मिनी अंडर10, मिनी, जूनियर और सीनियर वर्गों में हिस्सा लेंगे। नील के अलावा रेहान खान रशीद और आरुतरन प्रभु भी आकर्षण का केंद्र होंगे। इस सीरीज का दूसरा चरण भी 28 जून को कोयंबटूर में होगा।

मार्श बाहर, जोश इंग्लिश को ऑस्ट्रेलिया टीम की कमान

नई दिल्ली। टखने की चोट से जूझ रहे कार्यवाहक कप्तान मिशेल मार्श पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हो गए हैं। ऐसे में जोश इंग्लिश को पाकिस्तान दौरे पर टीम की कमान सौंपी गई है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, मिशेल मार्श टखने की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। मार्श की गैरमौजूदगी में विकेटकीपर जोश इंग्लिश पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। मिशेल मार्श इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा रहे। चोट के कारण वह पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम के आखिरी मैच में नहीं खेल सके थे।

बेंगलुरु लगातार दूसरे आईपीएल के फाइनल में

क्वालिफायर-1 में गुजरात को 92 रन से हराया

पाटीदार के नाबाद 93 रन, डफी को 3 विकेट

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु लगातार दूसरे सीजन आईपीएल के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने मंगलवार को क्वालिफायर-1 में गुजरात टाइटंस को 92 रन से हरा दिया। अब गुजरात एलिमिनेटर मुकाबला जीतने वाली टीम से क्वालिफायर-2 खेलेगी। एलिमिनेटर सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच बुधवार को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। बेंगलुरु ने धर्मशाला में टॉस हारकर 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 254 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम 19.3 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट हो गई।

गुजरात 162 रन पर ऑलआउट

क्रुणाल पंड्या ने आखिरी विकेट लेकर बेंगलुरु की जीत पर मुहर लगा दी। धीमी फुल गेंद पर मोहम्मद सिराज शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद हवा में चली गई। बाउंड्री पर टिम डेविड ने कैच पकड़कर गुजरात की पारी 162 रन पर समेट दी। RCB ने मुकाबला 92 रन से जीतकर फाइनल में जगह बना ली।

पाटीदार-क्रुणाल के बीच 95 रन की साझेदारी

वेंकटेश अय्यर ने 7 गेंदों में 19 रन बनाकर बेंगलुरु को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने पारी संभाली। कोहली ने 25 गेंदों में 43 और पडिक्कल ने 19 गेंदों पर 30 रन बनाए। दोनों के आउट होने के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने 33 गेंदों में नाबाद 93 रन ठोके। उनकी पारी में 5 चौके और 9 छक्के रहे।
पाटीदार और क्रुणाल पंड्या के बीच चौथे विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी हुई। क्रुणाल ने 28 गेंदों में 43 रन बनाए। उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के लगाए। आखिरी ओवरों में जितेश शर्मा ने 5 गेंदों पर 15 रन बनाकर टीम को 250 के पार पहुंचाया। गुजरात के लिए कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट लिए।

डिविलियर्स ने 88 गेंद में कूटे 247 रन, लगातार लगाए 6 सिक्स

टीम ने बनाया 447 का स्कोर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज मैथ्यू डिविलियर्स ने विस्फोटक बैटिंग से धूम मचा दी। उन्होंने मैच में 88 गेंद में 247 रन की पारी खेली। मैथ्यू डिविलियर्स ने 23 चौके और 22 छक्के लगाए। इस दौरान उन्होंने लगातार छह छक्के लगाने का कमाल भी किया।

मैथ्यू डिविलियर्स ने दोहरे शतक वाली पारी एनपीसीएल 40 ओवर कप टूर्नामेंट में खेली। वे लॉन्गरिज क्रिकेट क्लब टीम का हिस्सा थे। डिविलियर्स के आतिशी खेल से इस क्लब ने व्हेली क्रिकेट क्लब के सामने 40 ओवर में चार विकेट पर 447 रन का स्कोर बनाया।

व्हेली टीम 112 पर ढेर

व्हेली की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 39 ओवर में 112 पर ढेर हो गई. उसे 355 रन से हार मिली। इस टीम के चार ही बल्लेबाज दहाई के पार जा सके लेकिन इनमें से भी कोई 20 रन से आगे नहीं गया। लॉन्गरिज की ओर से व्हाइटहेड सबसे सफल रहे जिन्होंने 15 रन देकर चार शिकार किए। 25 साल के डिविलियर्स साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज हैं। वे साउथ अफ्रीकी टी20 लीग में जोबर्ग सुपर किंग्स का हिस्सा थे। इस टीम के लिए उन्होंने 11 मैच में 116 की स्ट्राइक रेट से 151 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका के घरेलू वनडे टूर्नामेंट में उन्होंने बोलैंड के खिलाफ 77 गेंद में 133 रन की पारी खेली थी। उन्होंने अभी तक 12 फर्स्ट क्लास मैच में 659, आठ लिस्ट ए में 389 और 20 टी20 में 545 रन बनाए हैं। वे घरेलू क्रिकेट में वॉरियर्स टीम की तरफ से खेलते हैं।

हैमस्ट्रिंग का शिकार हुए स्ट्राइकर मेस्सी फुटबॉल विश्वकप खेलने पर संशय!

एजेंसी ▶▶| मियामी

इंटर मियामी ने पुष्टि की है कि स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की बायीं हैमस्ट्रिंग में समस्या है, जो विश्व कप चैंपियन अर्जेंटीना के लिए अपने खिताब का बचाव करने का अभियान शुरू करने से पहले बुरी खबर है। मेस्सी के चिकित्सा परीक्षण किए गए।

यह किस तरह के परीक्षण थे इसका खुलासा नहीं किया गया लेकिन यह बताया गया कि उनकी बायीं हैमस्ट्रिंग की मांसपेशियों में कुछ समस्या है। मेस्सी इंटर मियामी की तरफ से खेलते हुए मैच के बीच से मैदान छोड़कर चले गए थे। इस तरह की परेशानियों में चोट की गंभीरता के आधार पर वापसी की समय सीमा तय की जाती है और मेस्सी के मामले में अभी यह सुनिश्चित नहीं है कि वह कब तक वापसी करेंगे।

पूरी तरह फिट होने पर ही खेलेंगे विश्व कप

इंटर मियामी ने कहा, 'शारीरिक गतिविधियों में उनकी वापसी की समयसीमा उनकी चिकित्सकीय और कार्यात्मक प्रगति पर निर्भर करेगी।' मेस्सी की इस चोट के कारण अर्जेंटीना की विश्व कप की योजनाओं को करारा झटका लग सकता है क्योंकि यह स्टार स्ट्राइकर पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह पूरी तरह फिट होने पर ही विश्व कप में खेलेंगे।

पन्नीरसेल्वम ने जीते दो स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर इनियान पन्नीरसेल्वम ने श्रीलंका में राष्ट्रमंडल शतरंज चैंपियनशिप में रैपिड और ब्लिट्ज दोनों खिताब जीतकर दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। तमिलनाडु के इस खिलाड़ी ने प्रत्येक प्रारुप में सात राउंड में 6.5 अंक हासिल करके दोनों वर्गों में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। रैपिड

स्पर्धा में ग्रैंडमास्टर श्रीहरि ने रजत और जीएम मित्राभा ने कांस्य पदक हासिल किया। ब्लिट्ज प्रतियोगिता में ग्रैंडमास्टर रोहित कृष्णा ने रजत और श्रीहरि ने कांस्य पदक जीता। मित्राभा ने क्लासिकल वर्ग का खिताब जीता, जबकि श्रीलंका के रानिंदु लियानागे ने रजत और श्रीहरि ने कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 26 मई तक किया गया, जिसमें भारत, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, मॉरीशस, मालदीव, पाकिस्तान, बांग्लादेश, कीनिया, मलेशिया, सिंगापुर, स्कॉटलैंड और कनाडा के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

सूर्यवंशी-आर्चर पर रॉयल्स की उम्मीदें विस्फोटक सनराइजर्स से आज टक्कर

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

अपने विस्फोटक बल्लेबाजों की मौजूदगी से बेहद मजबूत नजर आ रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम बुधवार को आईपीएल के एलिमिनेटर में राजस्थान रॉयल्स से भिड़ेगी की तो उसे 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी और तेजतर्रार गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से सावधान रहना होगा। सनराइजर्स की टूर्नामेंट की शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही थी लेकिन उसने दूसरे चरण में लय हासिल कर ली। नियमित कप्तान पैट कमिंस के आने से भी टीम को काफी फायदा हुआ, क्योंकि उसने अपने इन आखिरी 7 मैचों में से 5 में जीत हासिल की। सनराइजर्स ने लीग चरण में राजस्थान रॉयल्स को दो बार हराया था और इस तरह से कमिंस और उनकी टीम को बहुत अधिक दबाव वाले नॉकआउट मुकाबले में मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल होगी।

रॉयल्स ने प्लेऑफ में खेले कुल 11 मुकाबले

साल 2008 में आईपीएल की ट्रॉफी को अपने नाम करने वाली राजस्थान रॉयल्स ने प्लेऑफ में अब तक कुल 11 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से टीम को 5 मुकाबलों में जीत मिली है, तो 6 में हार का सामना करना पड़ा है। आरआर साल 2024 में आखिरी बार प्लेऑफ में पहुंची थी, जहां टीम को दूसरे क्वालिफायर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

हमें अपनी लय बनाए रखनी होगी : संगकारा : रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा, 'हैदराबाद की टीम बहुत अच्छी है और वह बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्हें खुद पर भरोसा है कि वे खुलकर खेलेंगे और उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में ऐसा ही किया है।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट : कार्लसन को करना पड़ा पहले दौर में हार का सामना

मैराथन मुकाबले में जीते गुकेश, प्रज्ञाननंदा ने वेस्ली को हराया

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते हुए विन्सेंट कीमर के खिलाफ एक कड़े और तनावपूर्ण मैराथन मुकाबले के बाद जीत हासिल की और आर प्रज्ञाननंदा ने वेस्ली सो को हराया, लेकिन विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा।

गुकेश ने लगभग 5 घंटे तक चले 144 चाल के मुकाबले के बाद आर्मागेडन (मुख्य बाजी ड्रॉ रहने के बाद टाईब्रेक मुकाबला) में जीत के बदौलत 1.5 अंक हासिल किए, जबकि कीमर को क्लासिकल मुकाबला बराबर रहने के कारण एक अंक से ही संतोष करना पड़ा। इस मैराथन मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अंतिम चरणों में स्पष्ट रूप से घबराया हुआ दिखा जबकि जर्मन खिलाड़ी ने पूरे क्लासिकल मुकाबले में संयम बनाए रखा। टाईब्रेक में हालांकि गुकेश ने जीत हासिल करने में देर नहीं लगाई।

फिरोजा ने हासिल किए तीन अंक

प्रज्ञाननंदा और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला भी ड्रॉ रहा लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने आर्मागेडन टाईब्रेक में शानदार जीत हासिल की। दिन में हालांकि चर्चा का विषय मौजूदा चैंपियन कार्लसन की क्लासिकल शतरंज में अलीरेजा फिरोजा के हाथों हार थी। इस जीत से फिरोजा ने तीन अंक हासिल किए। कार्लसन ने मैच के अधिकांश हिस्से में नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन समय की कमी के कारण उनसे एक बड़ी चूक हो गई, जिससे फिरोजा को बढ़त मिल गई। फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर ने इसका फायदा उठाते हुए जीत हासिल करते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

गुकेश-प्रज्ञाननंदा दूसरे स्थान पर

फिरोजा ने इस तरह से 10 दौर की प्रतियोगिता में तीन अंकों के साथ शुरुआती बढ़त हासिल कर ली है, जबकि गुकेश और प्रज्ञाननंदा 1.5-1.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। वेस्ली सो और कीमर के एक-एक अंक हैं, जबकि कार्लसन ने अभी तक अपना खाता नहीं खोला है।

हम्पी और दिव्या जीती

महिला वर्ग में बिबिसारा असाउबायेवा ने कोनेरु हम्पी पर क्लासिकल मुकाबले में ही जीत हासिल की। मौजूदा चैंपियन अन्ना मुजिचुक को झू जिनर ने आर्मागेडन टाईब्रेक में हराया। दिव्या देशमुख ने महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन के खिलाफ आर्मागेडन में शानदार प्रदर्शन करते हुए टाईब्रेक में जीत हासिल की।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निर्माण कार्य हेतु निविदा सूचना
क्र.सं. (1) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-59-26-27, दि. 18-05-2026 कार्य : बिलासपुर डिविजन के वरिष्ठ मंडल अभियंता/सेटलमेंट के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बिलासपुर में पुरानी बैरक का ध्वस्तीकरण एवं 40 बिस्तरों वाली नई बैरक के निर्माण का कार्य। निविदा मूल्य: 3,09,62,891.00/–, अमानत राशि: ₹ 6,19,300.00/–, कार्य पूर्णता की अवधि: 09 माह। निविदा जमा की आरंभ तिथि : दिनांक 26–05–2026 के 11.00 बजे से, निविदा जमा की अंतिम तिथि: 09–06–2026 के 11.00 बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।
मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.) द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/FL/130
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई–निविदा सूचना
क्रम सं.(1) ई-निविदा संख्याः सीपीएम-इंजी-जीएसयु-बीएसपी-03-26-27, दिनांकः 13.05.2026
कार्यः "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में (i) अमृत भारत स्टेशन योजना चरण-II के माध्यम से CPH, KRBA, AKT, NIA और BUA स्टेशनों का सॉफ्ट अपग्रेडेशन (ii) अमृत भारत स्टेशन योजना चरण-II के माध्यम से BRJN और BPH स्टेशनों का सॉफ्ट अपग्रेडेशन कार्य (iii) उसलापुर रेलवे स्टेशन पर दूसरी एंट्री का विकास और सभी प्लेटफॉर्मों के साथ-साथ सभी संबंधित सुविधाओं का आधुनिकीकरण। (iv) AKT, NIA, CPH, BUA, RIG, BPH, BRJN और KRBA रेलवे स्टेशनों के सभी प्लेटफॉर्मों का सॉफ्ट अपग्रेडेशन।"
निविदा मूल्य (रू): 65,23,75,037,86/-, अमानत राशि (रू) 1,30,47,500.00/-, कार्य पूर्णता की अवधिः 24 माह। निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः दिनांक 04.06.2026 से, निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः दिनांक 18.06.2026 के 15:30 बजे तक।
उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in. वेबसाइट पर उपलब्ध है, उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।
उप मुख्य अभियंता गतिशक्ति द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/123
South East Central Railway @secrail

कोयला मंत्री दुबे ने किया एसईसीएल का दौरा

रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मिले कोयला मंत्री।

बिलासपुर। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने मंगलवार को एसईसीएल के एक दिवसीय दौरे के दौरान कंपनी के कार्यों एवं उपलब्धियों की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने डिजिटल परिवर्तन एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ एवं लोकार्पण भी किया। सईसीएल मुख्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कोयला मंत्री श्री दुबे ने उत्पादन, डिस्पैच, गुणवत्ता प्रबंधन, सुरक्षा, कोल गैसीफिकेशन, माइन क्लोजर, पर्यावरणीय पहलों, डिजिटलीकरण, सीएसआर गतिविधियों तथा भविष्य की कार्ययोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन, निदेशकगण, सीवीओ, विभागाध्यक्ष, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

खास बातें

- आधारभूत संरचना एवं अस्पताल प्रबंधन से जुड़े डिजिटल पोर्टल का किया शुभारंभ
- अत्याधुनिक 5-पार्ट हेमेटोलॉजी एनालाइज़र यूनिट का किया लोकार्पण

श्री दुबे ने सुरक्षित एवं सतत खनन को बढ़ावा देने, परिचालन दक्षता में वृद्धि तथा आधुनिक तकनीकों के अधिकाधिक उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि एसईसीएल देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा उत्पादन, गुणवत्ता, सुरक्षा एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के क्षेत्रों में कंपनी द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि सीएसआर के माध्यम से कोयलांचल के अंतिम व्यक्ति तक विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में कोल इंडिया द्वारा अब तक किए गए 100 मिलियन टन उत्पादन में एसईसीएल ने 26.86 मिलियन टन के सर्वाधिक योगदान के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एसईसीएल निरंतर प्रतिबद्ध है।

डिजिटल परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

समीक्षा बैठक के दौरान कोयला मंत्री श्री दुबे ने ई-डाडास (डिज़ाइन एंड ड्राविंग्स एप्रूवल इन एसईसीएल) पोर्टल एवं हॉस्पिटल मैनेजमेंट एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम पोर्टल का शुभारंभ किया गया। यह पहल एसईसीएल में डिजिटल परिवर्तन, कार्यकुशलता एवं पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। ई-डाडास पोर्टल के माध्यम से एफएमसी, सीएचपी-साइलो, रेलवे साइडिंग, इन-पिट कन्वेयर सिस्टम सहित अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं से संबंधित इंजीनियरिंग डिज़ाइन एवं ड्रॉइंग्स की ऑनलाइन जाँच, परीक्षण, निगरानी एवं अनुमोदन प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जाएगा। इससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं दक्षता सुनिश्चित होगी। वहीं, एचएमआईएस पोर्टल के माध्यम से एसईसीएल चिकित्सालयों में स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण, मरीजों के रिकॉर्ड के सुव्यवस्थित प्रबंधन, त्वरित चिकित्सा सुविधा तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवा निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

अत्याधुनिक हेमेटोलॉजी यूनिट का लोकार्पण

दौरे के दौरान श्री दुबे ने बिलासपुर स्थित इंदिरा विहार स्वास्थ्य केंद्र में स्थापित अत्याधुनिक 5-पार्ट हेमेटोलॉजी एनालाइज़र यूनिट का लोकार्पण भी किया। यह मशीन श्वेत रक्त कोशिकाओं की 5-पार्ट डिफरेंशियल जाँच के माध्यम से संक्रमण एवं विभिन्न रोगों की अधिक सटीक पहचान सुनिश्चित करेगी। स्वचालित परीक्षण प्रणाली से युक्त यह अत्याधुनिक मशीन तेज़, सटीक एवं त्रुटिरहित रिपोर्ट उपलब्ध कराने में सहायक होगी, जिससे अस्पताल एवं प्रयोगशाला सेवाओं की गति और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मंत्री श्री दुबे ने स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण कर विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं का जायजा लिया एवं स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

वो इकलौता शहर, जहां होती है शहद की खेती

न्यूयार्क। सिओक्स सिटी को शहद की राजधानी कहते हैं. यह शहर अमेरिका के आयोवा राज्य में है। इस शहर में लंबे समय शहद की खेती की जाती है। इस शहर के आसपास के इलाकों में बहुत सारी फूल उगते हैं। ये फूल मधुमक्खियों के लिए नेक्टर का अच्छा स्रोत है। इस शहर में शहद से जुड़ी कई कंपनियां और स्टोरेज संेटर हैं। इस शहर से आसानी से दूसरे शहर और देशों में शहद एक्सपोर्ट किया जा सकता है।

दुनिया में सबसे ज्यादा शहद चीन में बनता है। चीन में बड़ी संख्या में मधुमक्खी का पालन किया जाता है। चीन दुनियाभर में शहद का एक्सपोर्ट करता है। चीन के लोग ही सबसे ज्यादा शहद खाते हैं। वहां के लोग शहद का इस्तेमाल रोजाना और ट्रेडिशनल दवाई में करते हैं। सर्दियों में चीन में शहद की डिमांड बढ़ जाती है। क्योंकि, शहद को सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com